CMYK

RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-10 अंक: 291 ता. 25 मई 2022, बुधवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

कुतुब मीनार पर फैसला सुरक्षित

सुनवाई के दौरान जज बोले- 800 सालों के बिना पूजा के देवता रहे तो आगे भी रहने दें

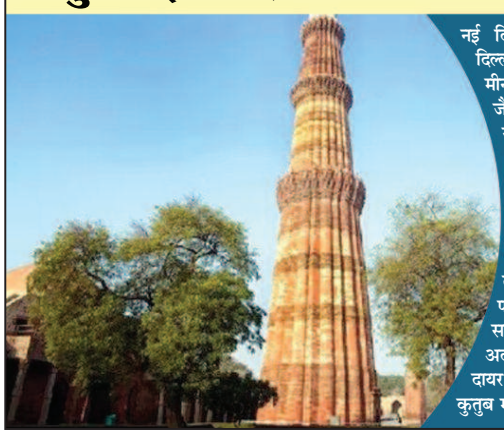

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के महरौली स्थित कुतुब मीनार परिसर में 27 हिंदू और जैन मंदिरों के जीर्णोद्धार के संबंध में दायर एक अपील पर मंगलवार को साकेत कोर्ट में सुनवाई हुई। अदालत ने सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मामले में फैसले के लिए 9 जून की तारीख तय की है। इससे पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने अदालत में एक हलफनामा दायर कर यह भी बताया कि कुतुब मीनार एक निर्जीव इमारत है जहां किसी को भी पूजा-पाठ या किसी भी तरह की धार्मिक गतिविधि करने का कानूनी हक नहीं है। मामले की सुनवाई शुरू होते ही याचिकाकर्ता जैन ने कहा कि एक बार कोई भगवान है तो वो हमेशा के लिए भगवान है। मंदिर के ध्वंस के बाद इसका चरित्र नहीं बदल जाएगा और न ही ये अपनी गरिमा खोएगा। मैं एक उपासक हूं। आज भी देवी-देवताओं की ऐसी छवियां हैं जो वहां देखी जा सकती हैं। मेरी याचिका पर अदालत ने पिछली सुनवाई में मूर्ति को संरक्षित करने की बात कही थी। वहां एक लोह स्तंभ भी है जो 1600 साल पुराना है। याचिकाकर्ता ने आगे कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कहा है देवता हमेशा जीवित रहते हैं और अगर ऐसा है तो पूजा करने का अधिकार भी जीवित रहता है। इस पर अदालत ने कहा कि अगर देवता 800 साल तक बिना पूजा हुए जीवित रह सकते हैं तो उन्हें वैसे ही रहने दिया जाए। अदालत ने आगे कहा कि, प्रश्न ये है कि क्या पूजा का अधिकार एक स्थापित अधिकार है, यह सांविधानिक है या अन्य कोई अधिकार है? मूर्ति का होना विवाद का विषय नहीं है। यहां प्रश्न पूजा के अधिकार को लेकर है। मेरा सवाल है कि कौन सा कानून इस अधिकार का समर्थन करता है? हम यहां ये बहस नहीं कर रहे कि वहां कोई मूर्ति है या नहीं। हम यहां सिविल जज के आदेश के खिलाफ बात कर रहे हैं। अदालत ने आगे कहा, यह अपील गुण-दोष के आधार पर नहीं है। यहां एकमात्र सवाल ये है कि क्या याचिकाकर्ता को किसी कानूनी अधिकार से वंचित किया गया है? इस पर याचिकाकर्ता ने कहा कि हां संवैधानिक अधिकार को नकारा गया है। कोर्ट ने पूछा कैसे तो याची ने कहा आर्टिकल 25 के तहत। इस पर अदालत ने पूछा कि आपका मतलब है कि पूजा का अधिकार मौलिक अधिकार है? याचिकाकर्ता ने आर्टिकल 25 का हवाला देते हुए कहा कि, भारत में 1000 साल पुराने कई मंदिर हैं, इसी तरह यहां भी पूजा की जा सकती है। निचली अदालत ने मेरे अधिकार का फैसला नहीं किया है, उनका फैसला गलत है। याची ने आगे कहा कि, यह न्यायिक प्रक्रिया द्वारा निर्धारित किया जाना है कि मेरा कोई अधिकार नहीं है। अपील में यह तय नहीं किया जा सकता है कि मेरे पास अधिकार है या नहीं। अयोध्या फैसले में, यह माना गया है कि एक देवता सदैव जीवित रहते हैं।

हादसे में 6 मौतों से नारनौंद में मातम

जींद। हरियाणा के हिसार के नारनौंद में शनिवार को हुई प्यारेलाल (70) की मौत से परिवार अभी उबर भी नहीं पाया था कि जींद हादसे में परिवार के 6 और लोगों की मौत ने सबको झकझोर दिया। हादसे ने जहां प्यारे लाल की पत्नी और एक बेटे को छीन लिया, वहीं उसका भाई, एक बेटे की पत्नी, प्यारेललाल का बहनोई और पौते की भी जान चली गई। हादसे की सूचना के बाद नारनौंद के वार्ड-2 में शोक की लहर दौड़ गई। जिसको भी पता चला, वो ही संवेदना जताने के लिए घर पहुंच गया। दोपहर बाद यहां से मृतकों के शव यहां पहुंचे और शाम को बडे गमगीन माहौल मे अंतिम संस्कार कर दिया गया। जानकारी के अनुसार 70 वर्षीय प्यारेलाल की अस्थियां विसर्जन करने के लिए पिकअप में सवार होकर परिवार के 23 सदस्य हरिद्वार गए हुए थे।

भाजपा के हुए अजय कोठियाल

उत्तराखंड सीएम धामी और मदन कौशिक की मौजूदगी में थामा दामन

नई दिल्ली। उत्तराखंड विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के मुख्यमंत्री पद के दावेदार रहे कर्नल (रिटायर्ड) अजय कोठियाल मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल हो गए। उन्होंने हाल ही में आम आदमी पार्टी से इस्तीफा दिया था। उन्होंने सीएम पुष्कर सिंह धामी और वरिष्ठ नेता मदन कौशिक की मौजूदगी में भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। कर्नल अजय कोठियाल और पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष भूपेश उपाध्याय के बाद तीन सौ से अधिक पदाधिकारियों ने सामूहिक इस्तीफा दिया था। पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक व दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को भेजे गए इस्तीफे में पदाधिकारियों ने वर्तमान में जिस तरह से संगठन काम रहा है। उससे ऐसा लगता है कि उत्तराखंड में आप का कोई भविष्य नहीं है। अपने इस्तीफे को लेकर उन्होंने कहा था कि त्यागपत्र पूर्व सैनिकों, पूर्व अर्धसैनिकों, बुजुर्गों, महिलाओं, युवाओं और बुद्धिजीवियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए दिया है। कोठियाल के बाद आम आदमी पार्टी के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष भूपेश उपाध्याय ने भी इस्तीफा दे दिया है। अजय कोठियाल का परिचय नाम - अजय कोठियाल जन्म - गुरदासपुर, पैतृक गांव- ग्राम चौंफा, जिला टिहरी गढ़वाल वर्तमान निवास - बसंत विहार देहरादून जन्म तिथि - 26 फरवरी, 1968 शिक्षा - सेंट जोजेफ देहरादून, डीएवी पीजी कॉलेज से स्नातक उपलब्धियां - दो बार के एवरेस्ट विजेता, एवरेस्ट अभियान का नेतृत्व किया, केदारनाथ पुनर्निर्माण में सक्रिय भूमिका, नंदा देवी राजजात 2014 का संचालन, सेना के कई अभियानों को अंजाम दिया, यूथ फाउंडेशन के जरिए युवाओं को जोड़ा।

कैंटर में घुसी बेकाबू स्कॉर्पियो, 5 की मौत

केदारनाथ दर्शन को जा रहा था बुलंदशहर का परिवार, रात भर नहीं सोया था ड्राइवर

बुलन्दशहर। उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में एक ही परिवार के पांच श्रद्धुलाओं की मौत हो गई है, जबकि छह घायल हो गए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं, गाड़ी के परखच्चे उड़ गए हैं। जानकारी के अनुसार, गुलावठी-बुलंदशहर हाईवे पर बराल गांव के पास कैंटर और स्कार्पियो की टक्कर हो गई। दर्दनाक हादसे में पांच लोगों की मौत हो गई। जबकि छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मृतकों में दो मासूम बच्चे भी शामिल हैं। मृतकों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। घायलों को हायर सेंटर रेफर किया गया है। बुलंदशहर के रहने वाले श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन करने के लिए जा रहे थे। बराल गांव के पास स्कॉर्पियो सड़क पर खड़ी कैंटर से जा टकराई। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार में सवार लोगों को कार से निकाला। पुलिस ने पांच लोगों के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जबकि गंभीर रूप से 6 घायलों को मेरठ मेडिकल भेजा गया है। डीएम और एसएसपी ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया है। हादसे में मृत लोगों में हार्दिक माहोर (6) पुत्र हरेंद्र सिंह, वंश (5) पुत्र हरेंद्र सिंह, पारस (22) पुत्र ओम प्रकाश, शालू (22) पुत्री उमेश कुमार, निवासी देवीपुरा बुलंदशहर और हिमांशु अग्रवाल (25) पुत्र नीरज शामिल हैं। हादसे में घायलों में जसवंत सिंह पुत्र राजपाल सिंह निवासी काहिरा थाना कोतवाली देहात, दामिनी पुत्र ओम प्रकाश सिंह मोहल्ला कटरा फिरोजाबाद, सिन्की पुत्री ओमप्रकाश सिंह, रिंकी पत्नी हरेंद्र सिंह, हरेंद्र पुत्र रोशन लाल देवी, बेबी पुत्र रोशन लाल निवासी देवीपुरा बुलंदशहर शामिल हैं।

नाबालिग बोला: मौलवी ने बंद कमरे में किया धर्मांतरण, फिर दो बच्चों की मां से कराया निकाह

कानपुर। काकादेव में सोमवार देर शाम एक परिवार ने मौलवी व उसके साथियों पर नाबालिग का धर्मांतरण करवाकर निकाह कराने का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि जिससे जबरन निकाह कराया गया है वह महिला दो बच्चों की मां है। कुछ ही देर में बजरंग दल के कार्यकर्ता थाने में जुट गए और जमकर हंगामा किया। पीड़ित परिवार ने थाने में तहरीर दी। पुलिस ने जांच कर कार्रवाई का आश्वासन देकर उन्हें शांत कराया। दंपती ने बताया कि उनके 16 वर्षीय बेटे को एक मौलवी और उसके साथी पकड़ ले गए। आरोप है कि बंद कमरे में नाबालिग का धर्मांतरण कराया। इसके बाद एक महिला से उसका निकाह करवा दिया। देर शाम जब नाबालिग घर पहुंचा तो उसने आपबीती परिजनों को सुनाई। परिजन और बजरंग दल के कार्यकर्ता सोमवार शाम करीब सात बजे काकादेव थाने पहुंचे। परिजनों ने मौलवी व उसके साथियों के खिलाफ तहरीर दी। वहीं, बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने करीब दो घंटे तक नारेबाजी की। डीसीपी पश्चिम बीबीजीटीएस मूर्ति ने बताया कि मामले में गहनता से छानबीन की जा रही है। इस दौरान मामले की जांच में जुटी पुलिस ने मौलाना सहित चार को हिरासत में ले लिया है। आरोपियों में सिमरन, जमीला बानो, मोहम्मद हनीफ और मौलवी तौहीद हुसैन शामिल हैं।

बहुतों की गर्मी शांत हो गई : सीएम योगी

विधानसभा में अखिलेश यादव को मुख्यमंत्री का जवाब

लखनऊ। आज विधानसभा सत्र का दूसरा दिन है। सदन की कार्यवाही के दौरान आज एक बार फिर सीएम योगी अपने चिरपरिचित तेवर में नजर आए। कानून-व्यवस्था पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के सवालों का जवाब देते हुए सीएम ने कहा कि यूपी में अपराधियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने पूर्ववर्ती सपा सरकार पर अपराधियों को संरक्षण देने का आरोप लगाया और कहा कि अब प्रदेश में कानून राज है। हर वर्ग सुरक्षित है। बहुत लोगों ने गर्मी दिखाने की कोशिश की लेकिन उनकी गर्मी शांत हो गई है। दरअसल, अखिलेश यादव ने सदन में महिला सुरक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि यूपी महिला अपराध में सबसे आगे है। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या उत्तर प्रदेश के थाने अराजकता का केंद्र बन जाएंगे। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि आखिर सरकार अपराध को लेकर गंभीर क्यों नहीं दिखती। अखिलेश ने कहा कि यूपी में लगातार अपराध हो रहे हैं। आखिर जीरो टॉलरेंस है कहां? जब कल राज्यपाल यहां भाषण दे रही थीं तब कल के ही अखबार में परसों की घटना छपी थी कि एक 19 साल की बेटी के साथ दुष्कर्म हुआ। इस पर सीएम योगी ने कहा कि अपराध किसी के भी साथ हो वो अक्षम्य है। खासकर महिला सम्बन्धी अपराधों के मामले में सरकार पूरी गंभीरता के साथ अपराधियों के खिलाफ कठोरतापूर्वक कार्रवाई कर रही है। ये भाजपा की सरकार है। यहां अपराधियों के बारे में ये नहीं कहा जाता कि लड़के हैं गलती हो जाती है। अखिलेश ने कहा कि यदि हम देश और यूपी के आंकड़े देखें तो महिला अपराधों में यूपी सबसे आगे है। यदि सरकार इसे नहीं मानती तो सरकार बताए कि डॉयल-112 और 1090 के आंकड़े क्या कहते हैं? अखिलेश ने कहा कि 'ललितपुर में जब नेता सदन (मुख्यमंत्री) से अधिकारियों की शिकायत हुई तो उन्होंने कहा कि आप दलाली छोड़ दो हम अफसर सुधार देंगे। पांच साल दलाली चलती रही लेकिन मुख्यमंत्री जी को पता ही नहीं लगा। उन्होंने सवाल उठाया-सिद्धार्थनगर में क्या हुआ? पुलिस ने घटना को क्या रूप दिया? बलिया में बेटी को पुलिस ने इतना पीटा की जान की जान चली गई।' सीएम योगी ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष इस बात को जानते भी हैं और समझते भी हैं कि कार्रवाई हुई है। उन्होंने कहा कि यदि आप पूरे देश के अंदर घटित होने वाले मामलों की संख्या को आप पाएंगे कि 2012 से 2017 के बीच में विभिन्न प्रकार के जो अपराध हुए थे उनमें अब भारी गिरावट आई है। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती सपा सरकार हर उस अपराधी का समर्थन करती रही जो प्रदेश में अराजकता के पर्याय था। गुंडागर्दी जिनका पेशा बन चुका था। विगत पांच वर्षों के अंदर प्रदेश में कानून-व्यवस्था के बेहतर माहौल ने ही इस सरकार को फिर से व्यापक जनसमर्थन दिया है।

कश्मीर में पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या, बेटी भी जख्मी

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर में एक बार फिर आतंकवादियों ने बड़ी हिमाकत करते हुए पुलिसकर्मी की गोली मारकर हत्या कर दी है। श्रीनगर जिले के सूरा इलाके में यह अटैक हुआ है। गोलीबारी में पुलिसकर्मी सैफुल्लाह कादरी गंभीर रूप से जख्मी हो गए थे, जिनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। यही नहीं इस हमले में उनकी बेटी भी जख्मी हो गई है। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इस घटना की पुष्टि की है। पुलिस सूत्रों का कहना है कि सैफुल्लाह कादरी को अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। डॉ. जीएच यातू ने कहा कि अस्पताल पहुंचने पर सैफुल्लाह कादरी मृत पाए गए थे। हालांकि उनकी बेटी की हालत स्थिर है। घटना होने के तुरंत बाद पुलिस ने इलाके की घेराबंदी कर ली और आतंकियों की तलाश की जा रही है। गौरतलब है कि बीते कुछ महीनों में आतंकवादियों ने स्थानीय सैनिकों, पुलिसकर्मियों और अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों पर हमले तेज कर दिए हैं। यही नहीं दूसरे राज्यों से आए प्रवासी लोगों पर भी हमले बढ़े हैं। माना जा रहा है कि सुरक्षा बलों के ऑपरेशन ऑल आउट से बौखलाहट के चलते आतंकी ऐसे हमलों को अंजाम दे रहे हैं ताकि खौफ पैदा किया जा सके।

कांग्रेस की 3 कमेटियों में सचिन पायलट की एंट्री, सोनिया ने दिए बड़े संकेत गहलोत गुट को झटका

नई दिल्ली। कांग्रेस आलाकमान की बनाई तीन कमेटियों में सचिन पायलट को शामिल किया गया। सोनिया गांधी ने मिशन 2024 से पहले तीन कमेटियां बनाई है। इन तीनों कमेटियों में पायलट को शामिल किया गया है। विधानसभा चुनाव से पूर्व सोनिया गांधी ने पायलट को साथ लेकर चलने के संकेत दिए है। पायलट गुट से जुड़े नेताओं का कहना है कि चिंतन शिविर के बाद कांग्रेस आलाकमान ने पायलट पर फिर भरोसा जताया है। पायलट गुट के नेताओं का दावा है कि राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 से पहले पायलट को राजस्थान में बढ़ी जिम्मेदारी मिलेगी। पायलट को सेंट्रल प्लानिंग ग्रुप फॉर कॉर्डिनेशन फॉर भारत जोड़ो यात्रा, पॉलिटिकल अफेयर ग्रुप और टास्क फोर्स-2024 में शामिल किया गया है। पायलट के अलावा राजस्थान से पूर्व केंद्रीय मंत्री और राहुल गांधी के बेहद करीबी माने जाने वाले भंवर जितेंद्र सिंह के जगह मिली है। कांग्रेस आलाकमान ने एक कमेटी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बनाई है। जिसे टास्क फोर्स 2024 नाम दिया गया है। राजनीतिक मामलों को देखने के लिए पॉलिटिकल अफेयर ग्रुप का गठन भी किया है। इसके अलावा भारत जोड़ो यात्रा को लेकर सेंट्रल प्लानिंग ग्रुप फॉर कॉर्डिनेशन का गठन किया गया है। इसमें राजस्थान से दो प्रमुख चेहरों को शामिल किया गया है। पूर्व डिप्टी सीएम और पूर्व पीसीसी चीफ सचिन पायलट को भारत जोड़ो यात्रा के लिए बनी सेंट्रल प्लानिंग ग्रुप फॉर कॉर्डिनेशन में शामिल किया गया।

इंग्लैंड में बोले राहुल गांधी, 'हिंदू धर्म मैंने भी पढ़ा है, लोगों की हत्या करना, पीटना हिंदू होना नहीं'

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आरोप लगाया है कि भारत को बोलने की अनुमति देने वाली संस्थाओं पर व्यवस्थित हमला हो रहा है। उन्होंने कहा कि बातचीत को बाधित किए जाने के कारण सरकार की नीतियों को गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोग या एजेंसियां देश में संवाद को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं। प्रतिष्ठित कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कॉर्पस क्रिस्टी कॉलेज में सोमवार शाम आयोजित इंडिया एट 75 कार्यक्रम में राहुल ने छात्रों, विशेषकर भारतीय मूल के छात्रों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने हिंदू राष्ट्रवाद, कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार की भूमिका और देश के लोगों को संगठित करने के प्रयासों जैसे व्यापक विषयों पर अपनी राय साझा की। विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की शिक्षाविद डॉ. श्रुति कपिला के साथ बातचीत में राहुल ने उन सभी बिंदुओं को दोहराया, जिनका जिक्र उन्होंने पिछले सप्ताह एक सम्मेलन के दौरान किया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने भारतीय राजनीति पर सरकारी नीतियों को कथित तौर पर गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोगों या एजेंसियों के प्रभाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, हमारे लिए भारत तब जीवंत होता है, जब भारत बोलता है और जब भारत चुप हो जाता है, तब यह बेजान हो जाता है। मैं देखता हूं कि भारत को बोलने की अनुमति देने वाली संस्थाओं पर हमला किया जा रहा है-संसद, चुनाव प्रणाली, लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर एक संगठन द्वारा कब्जा किया जा रहा है। राहुल ने कहा, बातचीत को बाधित किए जाने के कारण ह्यहसरकारी नीतियों को गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोग या एजेंसियां इन रिक्त स्थानों में प्रवेश कर रही हैं और देश में संवाद को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं। लेक्चर थियेटर के बाहर छात्रों का एक छोटा समूह तख्तियां थामे खड़ा था, जिन पर लिखा था, राहुल गांधी खनन पर अपना वादा निभाएं, जो छत्तीसगढ़ में आदिवासियों के संदर्भ में था। इस मुद्दे पर राहुल ने कहा था कि वह पार्टी के भीतर इस पर काम कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कई अन्य विषयों पर छात्रों के साथ बात की, जिसमें भारत को एक राष्ट्र के बजाय राज्यों के संघ के रूप में परिभाषित करने पर उनका दृष्टिकोण भी शामिल था। उन्होंने कहा कि यह एक सुंदर विचार है, जो प्रत्येक राज्य के लोगों को उनका सही स्थान देता है।

सार समाचार

कोलकाता में छह से नौ जुलाई तक होगा 'मिनी डिफेंस एक्सपो' का आयोजन

कोलकाता। सेना की पूर्वी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल आर पी कालिता ने मंगलवार को कहा कि कोलकाता में पहली बार छह से नौ जुलाई के बीच 'मिनी डिफेंस एक्सपो' का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह आयोजन स्टार्ट-अप और सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) को अपने उत्पादों का प्रदर्शन करने का अवसर देगा। पूर्वी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ कालिता ने यहां एक कार्यक्रम में कहा, 'छह से नौ जुलाई तक हम कोलकाता में मिनी डिफेंस एक्सपो आयोजित करने की योजना बना रहे हैं।' उन्होंने उद्योग जगत के सदस्यों से कोलकाता में पहली बार आयोजित होने वाली तीन दिवसीय प्रदर्शनी में शामिल होने को कहा। कालिता ने कहा, 'यह एमएसएमई और रक्षा क्षेत्र में स्टार्ट-अप को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने का एक अच्छा अवसर देगा।' सैन्य कमांडर ने कहा कि सशस्त्र बल नए उत्पादों के अनुसंधान और विकास के लिए प्रमुख शैक्षणिक संस्थानों के संपर्क में हैं और उन्होंने हाल में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी का दौरा किया था। कालिता ने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध ने सिखाया है कि एक राष्ट्र को अपना युद्ध अकेले लड़ना होता है और यह आत्मनिर्भरता के महत्व को दर्शाता है।

सदन ने लता मंगेश्कर को किया नमन सीएम योगी और अखिलेश ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली । यूपी विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा जारी है। सदन में सीएम योगी आदित्यनाथ और सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव मौजूद हैं। उधर, ज्ञानवापी मामले में वाराणसी जिला जज की अदालत से आज दोपहर दो बजे के बाद आदेश आने की संभावना है। आदेश इस पर आएगा कि पहले किस पक्ष को सुना जाए। गौरतलब है कि कल राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के अभिभाषण के दौरान विपक्ष ने जमकर हंगामा किया था। उसके सदस्य वेल में उतर आए थे। खासतौर से सपा सदस्य सरकार विरोधी नारे लगाते हुए तख्ती लेकर सदन में आ गए थे। इसके बाद विधानसभा की कार्यवाही आज 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। उधर, ज्ञानवापी प्रकरण में दोनों पक्षो की सुनवाई के बाद वाराणसी जिला जज की अदालत ने फैसला सुरक्षित रख लिया था। आज इस पर आदेश होगा कि पहले किसे सुना जाए।

असदुद्दीन ओवैसी की फेसबुक पोस्ट पर विवाद

नई दिल्ली । एआईएमआईएम के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के एक पोस्ट पर विवाद खड़ा हो गया है। अपने फेसबुक पेज पर ओवैसी ने एक पोस्ट में कहा कि भारत के मुसलमानों का मुगलों से कोई रिश्ता नहीं है। इसके साथ सवाल उठाया कि मुगल बादशाहों की बीवियां कौन थीं? ओवैसी के इस पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए करणी सेना के अध्यक्ष सूरजपाल

अम्मू ने कहा कि वो हिंदुओं की भावनाओं को भड़काना चाहते हैं। अम्मू ने कहा कि ओवैसी ने इस बयान से यह साफ कर दिया है कि मुगलों ने सिर्फ लूटपाट ही नहीं की बल्कि बहन बेटियों के सम्मान के साथ खिलवाड़ भी किया। ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा-शाही ईदगाह, ताजमहल और कुतुबमीनार विवाद के बीच इतिहास को लेकर आजकल बहस छिड़ी हुई है। इस दौरान ओवैसी ने ज्ञानवापी मामले को औरंगजेब से जोड़ने पर नाराजगी जाहिर की थी। उन्होंने कहा था कि बात निकली तो दूर तक जाएगी। अब ओवैसी ने यह विवादित पोस्ट किया है। ओवैसी ने लिखा कि भारत के मुसलमानों का मुगलों से कोई रिश्ता नहीं है। अपनी फेसबुक पोस्ट में असदुद्दीन ओवैसी ने लिखा कि मुगलों से भारत के मुसलमानों का कोई रिश्ता नहीं है लेकिन ये बताओ की मुगल बादशाहों की बीवियां कौन थीं। ओवैसी ने इससे पहले गुजरात के सूरत में एक रैली को सम्बोधित करते हुए कहा था बीजेपी पुष्पमित्र की ओर से तोड़े गए बौद्ध मंदिरों की बात क्यों नहीं करती। उधर, बीजेपी के प्रवक्ता आलोक अवस्थी कहा कि ऐसे बयानोंसे लगता है कि असदुद्दीन ओवैसी का मानसिक संतुलन गड़बड़ा गया है। उन्हें अपना इलाज कराना चाहिए।

मौसम खुलने के बाद फिर शुरू हुई केदारनाथ यात्रा

केदारनाथ । केदारनाथ यात्रा मंगलवार को फिर से शुरू कर दी गई है। मौसम साफ होने के बाद यात्रा को फिर से बहाल कर दिया गया है। सोमवार को भारी बारिश के बीच केदारनाथ यात्रा को रोकना पड़ा और तीर्थयात्रियों को गौरीकुंड से लेकर केदारनाथ तक विभिन्न जगहों पर रोक दिया गया था। सन 2013 की केदारनाथ त्रासदी से सबक लेते हुए रूद्रप्रयाग जिला प्रशासन ने इस बार सतर्कता बरती और तीर्थयात्रियों से अपने-अपने पड़ावों पर ही ठहरने की अपील की। रूद्रप्रयाग के जिलाधिकारी कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, जिन यात्रियों ने सोमवार सुबह तक केदारनाथ के दर्शन कर लिए थे, उन्हें नीचे आने से रोका गया। इसी प्रकार आधार शिविर गौरीकुंड से भी लोगों को ऊपर नहीं जाने दिया गया। खराब मौसम को देखते हुए जिला प्रशासन सभी प्रकार की सतर्कता बरत रहा है, जिससे कोई अप्रिय स्थिति न पैदा हो। यात्रियों की सुरक्षा को लेकर पूरे पैदल मार्ग में सुरक्षा बलों को मुस्तैद कर दिया गया है।

दिल्ली, पंजाब, हरियाणा में वर्षा से राहत, अगले 5 दिन लू चलने की संभावना नहीं

नई दिल्ली। देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्सों को आखिरकार चिलचिलाती गर्मी से कुछ राहत मिली। सोमवार को हुई तेज आंधी तूफान के बीच बारिश ने दिल्ली सहित उत्तर भारत के बढ़ते पारे को शांत किया है। बारिश के बाद पश्चिमी राजस्थान को छोड़कर देश के किसी भी हिस्से में अगले पांच दिनों के दौरान लू चलने की संभावना नहीं है। यह जानकारी मौसम विभाग की तरफ से दी गई है यानि की दिल्ली में लोगों को गर्मी से मामूली राहत मिल सकती है।

उत्तरी पाकिस्तान से आने वाली एक अतिरिक्त उष्णकटिबंधीय मौसम प्रणाली ने बारिश वाले बादलों का निर्माण किया, जिससे पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सोमवार तड़के बारिश हुई। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तराखंड में कई जगहों पर गरज के साथ छींटे पड़े, जबकि जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों और राजस्थान के अलग-अलग हिस्सों में बारिश हुई। दिल्ली में सुबह का तापमान 29 डिग्री सेल्सियस से 11 डिग्री गिरकर 18 डिग्री सेल्सियस पर आ गया। अधिकारियों ने बताया कि कई इलाकों में जलभराव और बिजली कटौती की भी खबर है और सड़क किनारे खड़े आठ वाहनों पर पेड़ गिरने से क्षतिग्रस्त हो गए।

मौसम कार्यालय ने मंगलवार को हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में अलग-अलग स्थानों पर गरज और ओलावृष्टि और जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और पश्चिम मध्य प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटे) की रफ्तार से चलने की पूवार्नुमान व्यक्त किया है। दमकल अधिकारियों ने बताया कि शहर के जवलपुरी, गोकलपुरी, शंकर रोड और मोती नगर इलाकों में मकान ढहने की घटनाओं में आठ लोग घायल हो गए.

भारत में मंकीपॉक्स को लेकर एतियात बरतना शुरू

मुंबई (एजेंसी)

मंकीपॉक्स की चपेट में आए देशों की संख्या 15 दिन के अंदर ही बढ़कर 15 हो गई है। पुष्ट केसों का आंकड़ा करीब 100 बताया जा रहा है। भारत में हालांकि अभी तक मंकीपॉक्स का कोई केस नहीं मिला है, लेकिन सतर्कता काफी बढ़ा दी गई है। इस बीच महाराष्ट्र सरकार ने मुंबई में 28 बेड का एक वॉर्ड मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों के लिए रिजर्व कर दिया है। एयरपोर्ट पर इसतरह के लोगों की जांच शुरू कर दी गई है, जो मंकीपॉक्स प्रभावित देशों की यात्रा करके आए हैं। महाराष्ट्र के अलावा कई और राज्यों में भी एहतियाती कदम उठाए गए हैं। ये कवायद विश्व स्वास्थ्य संगठन की ओर से चेतावनी के बाद की जा रही है, जिसमें कहा है, कि जिन देशों में मंकीपॉक्स का संक्रमण नहीं फैला है, वहां इसके केस सामने आ सकते हैं। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद नैशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी) ने कहा था कि भारत में मंकीपॉक्स का केस मिलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसके बाद सतर्क रहने की जरूरत है। स्वास्थ्य एजेंसियां इसतरह के लोगों पर नजर रखें, जिन्होंने पिछले 21 दिनों के अंदर विदेश यात्रा की है या ऐसा करने वालों के सीधे संपर्क में आए हैं और उनमें रेशैज दिख रहे हैं। इन लोगों की सूचना तुरंत दी जाना चाहिए और उन्हें बाकी लोगों से अलग करके निर्धारित अस्पतालों में आइसोलेट किया जाना चाहिए। इसके मद्देनजर मुंबई में चिंचपोकली के कस्तूरबा अस्पताल में मंकीपॉक्स के संदिग्ध मरीजों के लिए 28 बेड रिजर्व कर दिए गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, अस्पताल के वार्ड 30 में पिछले कुछ समय से कोरोना के मरीजों को रखा जा रहा था। उससे पहले स्वाइन फ्लू के संदिग्ध मरीजों को आइसोलेट करने में इस वार्ड का इस्तेमाल होता था। बीएमसी की एग्जिक्यूटिव हेल्थ ऑफिसर ने बताया कि मुंबई में सभी स्वास्थ्य केंद्रों को सूचित कर दिया गया है कि अगर उन्हें किसी इसतरह के व्यक्ति की जानकारी मिले, जिसे मंकीपॉक्स होने का शक हो तब तुरंत कस्तूरबा अस्पताल के लिए रेफर करें। इसतरह के सभी संदिग्ध मरीजों के सैंपलों की जांच के लिए पुणे के नैशनल वायरोलॉजी इंस्टिट्यूट में इंतजाम किए गए हैं।

कर्नाटक सरकार स्थायी मेडिकल बोर्ड गठित करे: उच्च न्यायालय

बेंगलुरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने राज्य सरकार को स्थायी मेडिकल बोर्ड गठित करने का निर्देश दिया है ताकि कर्नाटक लोक सेवा आयोग (केपीएससी) द्वारा सरकारी नौकरियों की भर्ती में पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके। अदालत ने कहा है कि उपयुक्त उम्मीदवारों को वंचित नहीं किया जाना चाहिए और पूरी ईमानदारी के साथ न्याय होना चाहिए। अदालत ने कहा कि ऐसे में यह आवश्यक है कि भर्ती के दौरान केपीएससी को अपना मेडिकल बोर्ड और विशेषज्ञ चुनने की खुली छूट नहीं दी जाये। उच्च न्यायालय ने उक्त निर्देश उस हालिया फैसले में दिए, जिसमें अदालत ने पाया कि बॉरिंग एंड लेडी कर्जल अस्पताल के डॉ. जी नंदकुमार द्वारा जारी चिकित्सा प्रमाणपत्र में गलत जानकारी दी गई। प्रमाणपत्र में एक उम्मीदवार के वर्णाधता से पीड़ित होने के साथ ही उसकी ऊंचाई को आवश्यक ऊंचाई से आधा सेंटीमीटर कम दर्शाया गया था। बाद में केपीएससी ने इस चिकित्सा प्रमाणपत्र के आधार पर 16 जुलाई 2021 को मोटर वाहन निरीक्षक पद के आवेदक शिवनंनजे गौड़ा बी एन की उम्मीदवारी खारिज कर दी थी। गौड़ा ने कर्नाटक राज्य प्रशासनिक न्यायाधिकरण का रुख किया, जिसने केपीएससी के रुख को बरकरार रखा। बाद में गौड़ा ने उच्च न्यायालय का रुख किया, जहां न्यायमूर्ति बी वीरप्पा और न्यायमूर्ति बी रचैया की पीठ ने याचिका पर सुनवाई की। अदालत ने 18 अप्रैल, 2022 को गौड़ा की स्वास्थ्य स्थिति के बारे में तथ्यों का पता लगाने के लिए मिंटो नेत्र चिकित्सा अस्पताल में मेडिकल जांच कराने का निर्देश दिया।

हार्दिक पटेल का आरोप, हमेशा हिंदू धर्म की आस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती है कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस से इस्तीफा देने के बाद हार्दिक पटेल लगातार पार्टी और उसके नेताओं पर हमलावर हैं। आज एक ट्वीट कर उन्होंने फिर से कांग्रेस के नेताओं पर निशना साधा है। हार्दिक पटेल ने दावा किया कि कांग्रेस हमेशा हिंदू धर्म की आस्था को नुकसान पहुंचाने की कोशिश करती है। अपने ट्वीट में उन्होंने लिखा कि मैंने पहले भी कहा था की कांग्रेस पार्टी जनता की भावनाओं को ठेस पहुँचाने का काम करती है, हमेशा हिंदू धर्म की आस्था को नुकसान पहुँचाने का प्रयास करती हैं। आज पूर्व केन्द्रीय मंत्री और गुजरात कांग्रेस के नेता ने बयान दिया की राम मंदिर की ईंटों पर कुत्ते पेशाब करते हैं..! हार्दिक ने आगे लिखा कि मैं कांग्रेस और उसके नेताओं से पूछना चाहता हूँ की आपको भगवान श्री राम से क्या दुश्मनी हैं ? हिंदुओ से क्यों इतनी नफरत ? सदियों बाद अयोध्या में भगवान श्री राम का मंदिर भी बन रहा है फिर भी कांग्रेस के नेता भगवान श्री राम के खिलाफ अनाप-शनाप बयान देते रहते हैं।

लगाया था आरोप

इससे पहले हार्दिक पटेल ने कांग्रेस से इस्तीफा देते हुए दावा किया था कि इसके (कांग्रेस के) शीर्ष नेता अपने मोबाइल फोन की स्क्रीन पर कहीं अधिक ध्यान देते हैं और गुजरात कांग्रेस के नेता उन लोगों के लिए 'चिकन सैंडविच' की व्यवस्था करने में अधिक रूचि लेते हैं। पटेल (28) का इस्तीफा इस साल के अंत में होने वाले गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले आया है। उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर आरोप लगाया कि वे ऐसा बर्ताव करते हैं, जैसे कि वे गुजरात और गुजरातियों से नफरत करते हों। कांग्रेस छोड़ने से पहले पार्टी की अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे अपने इस्तीफे में उन्होंने कहा था कि वह कांग्रेस की गुजरात इकाई के कार्यकारी अध्यक्ष पद और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे रहे हैं।

भाजपा या आप में होंगे शामिल?

हार्दिक पटेल ने कहा कि उन्होंने अपने जीवन के तीन साल ऐसी पार्टी में बर्बाद कर दिए, जो 'जाति की राजनीति' करती है। साथ ही, कहा कि अभी उन्होंने आम आदमी पार्टी (आप) या भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने के बारे में कोई निर्णय नहीं लिया है। हार्लोकि अयोध्या मामले में उन्होंने भाजपा की भूमिका की सराहना की थी और अनुच्छेद 370 के ज्यादातर प्रावधानों को निरस्त करने के लिए भी पार्टी (भाजपा) की प्रशंसा की। हार्लोकि, कांग्रेस ने पलटवार करते हुए कहा कि उन्होंने यह कदम इसलिए उठाया कि उन्हें डर था कि उनके खिलाफ दर्ज देशद्रोह के मामलों में उन्हें जेल जाना पड़ सकता है। विपक्षी दल ने यह भी दावा किया कि पटेल भाजपा में शामिल हो सकते हैं।

चिंतन शिविर के बाद एक्शन में सोनिया, टास्क फोर्स समेत इन समूहों का किया गठन, जी-23 के नेताओं को भी किया शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)

कांग्रेस अध्यक्षा सोनिया गांधी ने मंगलवार को राजनीतिक मामलों के समूह, टास्क फोर्स-2024 और केंद्रीय योजना समूह का गठन किया। दरअसल, उदयपुर में हुए तीन दिवसीय कांग्रेस चिंतन शिविर में पार्टी को पुर्नजीवित करने का रोडमैप तैयार किया गया था। जिसके तहत महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत की जाएगी। ऐसे में कांग्रेस अध्यक्षा ने 'भारत जोड़ो यात्रा' के लिए राजनीतिक मामलों के समूह, टास्क फोर्स -2024 और केंद्रीय योजना समूह का गठन किया। माना जा रहा है कि प्रमुख मुद्दों पर सलाह देने के लिए राजनीतिक मामलों के समूह का गठन किया गया है। जिसमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, गुलाम नबी आजाद, अंबिका सोनी, दिग्विजय सिंह, आनंद शर्मा, केसी वेणुगोपाल, जीतेंद्र सिंह शामिल हैं। जबकि टास्क फोर्स-2024 के लिए पी चिदंबरम, मुकुल वासनिक, जयराम रमेश, केसी वेणुगोपाल, अजय माकन, प्रियंका गांधी वाड्रा, रणदीप सिंह सुरजेवाला और सुनील कनुगोलू को नियुक्त किया गया है। इसके अलावा पार्टी ने केंद्रीय योजना समूह का भी गठन किया है। जिसमें दिग्विजय सिंह, सचिन पायलट, शशि थरूर, रवनीत सिंह बिट्टू, केजे जॉर्ज, ज्योति मणि, प्रद्युत बोरदोलोई, जीतू पटवारी, सलीम अहमद को मौका दिया गया है। आपको बता दें कि टास्क फोर्स-2024 से संबंधित सदस्यों को संगठन, मीडिया, आउटरीच, चुनाव प्रबंधन और वित्त का काम सौंपा जा सकता है। इन सदस्यों के पास खुद की टीम होंगी, जो प्रमुख बिंदुओं पर रिसर्च करके अपना खाका तैयार करेंगे। सोनिया गांधी ने चिंतन शिविर की घोषणाओं के आधार इन समूहों का गठन किया है इतना ही नहीं इन समूहों में जी-23 के असंतुष्ट नेताओं को भी शामिल किया गया है।

कोविड कंट्रोल में भारत ने कमाल कर दिया, बाइडेन ने कुछ इस तरह थपथपाई पीएम मोदी की पीठ

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

कोरोना का जब कभी भी जिक्र होता है तो चीन ही हर बार निशाने पर होता है। ये पूरी दुनिया जानती है कि महामारी कहां से निकलकर आई। जिस तरह से हिन्दुस्तान में कोविड पॉलिसी अपनाई गई और कोरोना प्रबंधन किया गया उसका लोहा भी तमाम देश मान रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक में बहुत ही महत्वपूर्ण बात कही गई है। हिन्दुस्तान की कोविड पॉलिसी की अमेरिका ने भी सराहना की है। कार्यक्रम के बीच में अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि भारत ने जो किया है। इतनी बड़ी डेमोक्रेसी है भारत और चीन बड़ी आबादी वाले देश हैं। लेकिन भारत ने जो किया उसका उल्टा चीन में रहा है, वहां स्थितियां खराब रही हैं। भारत ने जिस तरह से कोविड कंट्रोल किया है वो अपने आप में उदाहरण है। बाइडेन ने कोविड-19 के संक्रमण को रोकने में असफल रहने पर चीन की आलोचना भी की। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि लोकतंत्र को बचाने के लिए भारत ने सराहनीय कोशिश की है. उन्होंने कहा कि अब लड़ाई लोकतंत्र बनाम निरंकुश शासन के बीच है। न्यूज एजेंसी एएनआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, जो बाइडेन ने रूस और चीन को निरंकुश बताते हुए भारत की तारीफ की। क्वाड की बैठक के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन युद्ध का भी जिक्र किया और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की आलोचना की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा, 'प्रधानमंत्री जी, हम दोनों देश मिलकर बहुत कुछ कर सकते हैं और करेंगे।'

भ्रष्टाचार के आरोप के बाद पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बर्खास्त, केजरीवाल बोले- गर्दन कट जाएगी, पर देश से गद्दारी नहीं करेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री डॉ विजय सिंगला पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप के बाद आम आदमी पार्टी अब बैकफुट पर आ गई है। भाजपा आम आदमी पार्टी की सरकार पर जबरदस्त तरीके से हमलावर है। इन सब के बीच दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बयान बयान दिया है। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने अपने स्वास्थ्य मंत्री को भ्रष्टाचार के मामले में बर्खास्त कर उनके खिलाफ मामला दर्ज.कर उन्हें गिरफ़्तार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री मामला दबा सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। उन्होंने कहा कि अब तक सारी पार्टियों में सेटिंग होती थी। वह अपने मंत्रियों को पकड़ना तो दूर यह एक दूसरे के नेताओं के खिलाफ तक कार्रवाई तक नहीं करते थे। ऐसा पहली बार हो रहा है कि कोई पार्टी अपने खुद के मंत्री के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

केजरीवाल ने आगे कहा कि 2015 में, दिल्ली में हमारी सरकार बनने के बाद, मैंने भी अपने खाद्य मंत्री के खिलाफ इसी तरह की कार्रवाई की थी; उनके भ्रष्टाचार के आरोप कब सामने आए, किसी को पता नहीं चला। मैंने खुद कार्रवाई की। आप एक कट्टर ईमानदार पार्टी है; हम किसी को नहीं बख्शते। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार देश के साथ गद्दारी है। कुछ भी बर्दाश्त कर लेंगे लेकिन भारत माता के साथ गद्दारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। गर्दन कट जाएगी लेकिन देश के साथ गद्दारी कबूल नहीं है। वहीं भाजपा ने हमला करते हुए कहा कि 6 अप्रैल 2022 को अरविंद केजरीवाल का कहना था कि 20 दिन में हमने पंजाब से भ्रष्टाचार खत्म कर दिया है। अब जनता उनसे ये पूछ रही है कि जो भ्रष्टाचार आपने खत्म कर दिया था 20 दिन में, तो उसका पुनर्जन्म क्या आपकी ही सरकार ने कराया है?

लगे है आरोप

पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री विजय सिंगला को मंगलवार को पद से बर्खास्त कर दिया गया तथा भ्रष्टाचार के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि उनकी सरकार का रुख भ्रष्टाचार को कतई बर्दाश्त नहीं करने का है। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार बने मुश्किल से दो महीने भी नहीं हुए हैं। मुख्यमंत्री ने खुद सिंगला को मंत्रिमंडल से हटाए जाने की घोषणा की। मान ने कहा कि उन्होंने यह फैसला, सिंगला द्वारा अपने विभाग की निविदाओं और खरीद में कथित रूप से एक प्रतिशत कमीशन की मांग किए जाने की जानकारी मिलने के बाद किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उन्होंने पुलिस को उनके खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया है।

भारत में जलवायु परिवर्तन के कारण भीषण गर्मी की संभावना 30 गुना अधिक

नयी दिल्ली। (एजेंसी)

जलवायु संबंधी एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत और पाकिस्तान में लंबे समय से जारी भीषण गर्मी ने व्यापक मानवीय पीड़ा और वैश्विक स्तर पर गेहूं की आपूर्ति को प्रभावित किया तथा मानव जनित गतिविधियों के कारण इसके और अधिक तेज होने की संभावना 30 गुना अधिक है। जलवायु पर अनुसंधान करने वाले वैज्ञानिकों के एक अंतरराष्ट्रीय समूह द्वारा किये गये एक अध्ययन में यह भी कहा गया है कि इस वर्ष मार्च की शुरूआत से ही भारत और पाकिस्तान के बड़े हिस्से में समय से पहले ही गर्म हवाएं चलने लगी थीं जिनका ताप अब भी महसूस किया जा रहा है।

अनुसंधानकताओं ने कहा कि भारत में इस साल मार्च पिछले 122 साल के मुकाबले ज्यादा गर्म था, जबकि पाकिस्तान में भी गर्मी ने पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। यह अध्ययन सोमवार को प्रकाशित हुआ है। भारत और पाकिस्तान में लंबे समय से व्याप्त उच्च तापमान और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव के संबंध के उद्देश्य से वैज्ञानिकों ने जलवायु की तुलना करने के लिए मौसम के आंकड़ों और कंप्यूटर की गणनाओं का विश्लेषण किया ताकि मौजूदा जलवायु की तुलना 18वीं सदी के उत्तरार्ध से 1.2 डिग्री सेल्सियस के बाद, भूमंडलीय ऊष्मीकरण (ग्लोबल वार्मिंग) से पहले की जलवायु से की जा सके।

इस अध्ययन में उत्तर पश्चिमी भारत और दक्षिण पूर्वी पाकिस्तान में मार्च और अप्रैल के दौरान औसत अधिकतम दैनिक तापमान पर ध्यान केंद्रित किया गया, जो गर्मी से सबसे गंभीर रूप से प्रभावित थे। नतीजों से सामने आया कि वर्तमान में लंबे समय तक चलने वाली लू जैसी घटना अभी दुर्लभ है। हर साल इसके चलने की संभावना लगभग एक प्रतिशत है, लेकिन मानव-जनित जलवायु परिवर्तन ने इस संभावना को 30 गुना बढ़ा दिया है। यह अध्ययन वर्ल्ड वेदर एट्रिब्यूशन समूह में कुल 29 शोधकताओं द्वारा किया गया था, जिसमें भारत, पाकिस्तान, डेनमार्क, फ्रांस, नीदरलैंड, न्यूजीलैंड, स्विटजरलैंड, ब्रिटेन और अमेरिका के विश्वविद्यालयों और मौसम विज्ञान एजेंसियों के वैज्ञानिक शामिल थे।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली के प्रोफेसर कृष्णा अच्युता राव ने कहा ह्यहभारत और पाकिस्तान में तापमान में वृद्धि सामान्य है लेकिन इसके जल्द शुरू होने और काफी लंबे समय तक चलने के कारण इसे असामान्य रूप मिला है। शोधकताओं के मुताबिक, जब तक समग्र ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को रोका नहीं जाएगा, तब तक वैश्विक तापमान में वृद्धि जारी रहेगी और इस तरह की घटनाएं बार-बार होंगी। वैज्ञानिकों ने पाया कि अगर वैश्विक तापमान में 2 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होगी, तो लू की स्थिति हर पांच साल में एक बार आने की संभावना होगी। शोधकताओं ने कहा की लू की स्थिति के जल्दी आने और बारिश की कमी के कारण भारत में गेहूं की पैदावार पर असर पड़ा। परिणामस्वरूप सरकार ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा की, जिससे वैश्विक स्तर पर कीमतों में वृद्धि हुई। भारत और पाकिस्तान में जलवायु परिवर्तन के कारण लू की स्थिति ज्यादा खतरनाक हो रही है।

ब्रिटेन के मौसम कार्यालय के हालिया विश्लेषण के मुताबिक जलवायु परिवर्तन के कारण उत्तर-पश्चिम भारत और पाकिस्तान में रिकॉर्ड तोड़ने वाली लू की स्थिति की संभावना 100 गुना ज्यादा बढ़ गई है। ब्रिटेन इंपीरियल कॉलेज लंदन के फ्रेडरिक ओटो ने

कहा, जिन देशों के हमारे पास आंकड़े हैं, वहां लू की स्थिति सबसे खतरनाक मौसमी घटनाओं में से एक है। जब तक ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन जारी रहेगा, इस तरह की घटनाएं तेजी से आपदा बनती रहेंगी।

सार समाचार

ताइवान पर अमेरिकी राष्ट्रपति के बयान की चीन ने निंदा की

बीजिंग। चीन ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के इस बयान की निंदा की कि यदि बीजिंग ने स्वशासित ताइवान पर आक्रमण किया तो जापान के साथ अमेरिका सैन्य हस्तक्षेप करेगा। बाइडन के इस बयान ने राष्ट्रीय एकीकरण करने के चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की महत्वाकांक्षी योजना को संकट में डाल दिया है। ताइवान का चीन की मुख्य भूमि के साथ एकीकरण करना शी (68) का बड़ा राजनीतिक वादा है जिनके इस साल राष्ट्रपति के तौर पर तीसरे कार्यकाल के लिए सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी से मंजूरी पाने की उम्मीद है। पार्टी का पांच साल में एक बार होने वाला सम्मेलन अगले कुछ महीने में होने का कार्यक्रम है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने बाइडन के बयान के शीघ्र बाद यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'हम अमेरिकी टिप्पणी की निंदा करते हैं और उसे खारिज करते हैं।' तोक्यो में संवाददाता सम्मेलन में बाइडन से सवाल किया गया कि यदि चीन ताइवान पर हमला करता है, तो क्या वह सैन्य हस्तक्षेप करके इसकी रक्षा करने के इच्छुक हैं। इसके जवाब में अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा, 'हां।' उन्होंने कहा, 'हमने यह प्रतिबद्धता जताई है।' बाइडन ने कहा कि ताइवान के खिलाफ बल प्रयोग करने का चीन का कदम 'न केवल अनुचित होगा', बल्कि 'यह पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर देगा और यूक्रेन में की गई कार्रवाई के समान होगा।' इस दौरान जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा भी बाइडन के साथ थे। वांग ने कहा, 'ताइवान चीनी क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है और जहां तक ताइवान की बात है यह पूरी तरह से चीन का आंतरिक विषय है, जिसमें किसी विदेशी हस्तक्षेप की कोई गुंजाइश नहीं है।' उन्होंने कहा, 'चीन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता सहित देश के मुख्य हितों के मुद्दों पर समझौता या रियायत की कोई गुंजाइश नहीं है।' उन्होंने चेतावनी दी, 'चीन अपनी संप्रभुता और सुरक्षा हितों की रक्षा के लिए ठोस कार्रवाई करेगा।' उन्होंने अमेरिका से 'एक चीन नीति' का सम्मान करने का आग्रह किया। वांग ने कहा , 'ताइवान का मुद्दा और यूक्रेन का मुद्दा पूरी तरह से अलग है। उनकी तुलना करना बेतुका है।'

'आशा' का मतलब उम्मीद है, देश की स्वास्थ्य प्रणाली में अहम भूमिका निभाती हैं : डब्ल्यूएचओ प्रमुख

संयुक्त राष्ट्र/जिनेवा। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के प्रमुख डॉ टेड्रोस अदानोम घेब्रेयसस ने कहा है कि भारत में 10 लाख से अधिक मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ता (आशा) लोगों को उम्मीद देती हैं और देश की प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में एक अहम भूमिका निभाती हैं। घेब्रेयसस ने कहा कि भारत में आशा की महिला स्वयंसेवी को डब्ल्यूएचओ ने समुदाय को स्वास्थ्य प्रणाली से जोड़ने में अहम भूमिका निभाने के लिए सम्मानित किया है। उन्होंने कहा कि आशा ने इस कार्य के जरिये यह सुनिश्चित किया कि ग्रामीण गरीब लोगों की भी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं तक आसान पहुंच हो सके, जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान देखने को मिला। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने रविवार को छह पुरस्कारों की घोषणा की। ये पुरस्कार वैश्विक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने, क्षेत्रीय स्वास्थ्य मुद्दों के लिए नेतृत्व और प्रतिबद्धता का प्रदर्शित करने के लिए दिए गए हैं। घेब्रेयेसस ने 'ग्लोबल हेल्थ लीडर्स अवार्ड' के लिए विजेताओं के नामों को चुना। इन पुरस्कारों की स्थापना 2019 में की गई थी और पुरस्कार समारोह 75वीं विश्व स्वास्थ्य सभा के उच्च-स्तरीय उद्घाटन सत्र का हिस्सा था। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने आशा को पुरस्कृत करते हुए कहा कि भारत की 10 लाख से अधिक आशा स्वास्थ्य सेवाओं से लोगों को जोड़ने के अपने कार्य के लिए सम्मानित की जा रही हैं। उन्होंने कहा, 'हिंदी में आशा का अर्थ उम्मीद होता है। और यह बिल्कुल सच्चे अर्थों में आशा प्रदान कर रही है। जिनेवा में भारत के स्थायी मिशन की प्रथम सचिव सीमा पुजानी ने पुरस्कार ग्रहण किया।'

लोकतंत्र लोगों से संवाद करता है, कुलीनतंत्र नहीं: पाकिस्तानी मंत्री ने दावोस में कहा

दावोस। पाकिस्तान की मंत्री शेरी रहमान ने सोमवार को लोकतंत्र की जोरदार हिमायत करते हुए कहा कि सिर्फ लोकतंत्र लोगों से संवाद करता है और इसमें सवाल पूछे जा सकते हैं, जैसा कि पूरी दुनिया में देखा जा रहा है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ),2022 की वार्षिक बैठक में एक सत्र में उन्होंने कहा, 'कमजोर लोगों से लोकतंत्र बात करता है, कुलीनतंत्र नहीं। लोकतंत्र में सवाल पूछे जा सकते हैं। मैंने अपने देश में तानाशाही वाले शासनकाल देखे हैं और मैं यह कह सकती हूं।' उन्होंने कहा कि यह एक जटिल दुनिया है, 'लेकिन हमें इस सिद्धांत के खिलाफ सावधान रहने की जरूरत है कि बड़ी समस्याओं का हल तानाशाही वाले शासनों में आसानी से किया जा सकता है।' उन्होंने कहा कि लोकतंत्र जीवन जीने और शासन के लिए एकमात्र तरीका होना चाहिए। हालांकि, रहमान ने कहा कि विभिन्न देशों के लिए लोकतंत्र के अलग-अलग 'मॉडल' हो सकते हैं और एक ही प्रारूप सभी के लिए उपयुक्त नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि विश्व को समझना चाहिए कि जलवायु परिवर्तन एक बड़ा मुद्दा है, जिसका हर कोई सामना कर रहा है। जलवायु परिवर्तन के लिए पाकिस्तान की संघीय मंत्री ने 'द फ्यूचर ऑफ डेमोक्रेसी' सत्र में यह कहा।

इमरान ने की अमेरिकी राजनयिक डोनाल्ड लू को बर्खास्त करने की मांग

इस्लामाबाद । पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अमेरिका के मध्य एवं दक्षिण एशिया से जुड़े मामलों के सहायक विदेश सचिव डोनाल्ड लू को उनके अहंकार एवं बुरे व्यवहार के कारण पद से हटाने की मांग की है। इमरान का दावा है कि पाकिस्तान में सत्ता परिवर्तन की कथित अमेरिका समर्थित साजिश में लू केंद्रीय भूमिका में थे, जिसके चलते पिछले महीने अविश्वास प्रस्ताव के जरिये उनकी सरकार को गिरा दिया गया। उन्होंने लू पर अमेरिका में पाकिस्तान के राजदूत रहे असद मजीद को धमकाने का आरोप लगाया। इमरान ने कहा कि लू ने असद से कहा था कि यदि अविश्वास प्रस्ताव के जरिये उन्हें सत्ता से हटाने में कामयाबी नहीं मिली तो पाकिस्तान को इसके परिणाम भुगतने पड़ेंगे। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी (पीटीआई) के अध्यक्ष इमरान ने यह आरोप भी लगाया कि अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने से पहले धमकी दी गई थी और बाद में सिलसिलेवार घटनाएं शुरू हुईं, जिसके परिणामस्वरूप उन्हें अपदस्थ कर दिया गया, क्योंकि स्थानीय लोग और विदेशी साजिशकर्ता इस साजिश में शामिल हो गए थे। इमरान ने एक टीवी कार्यक्रम में अपने दावों को दोहराया। उन्होंने लू को बर्खास्त करने की अपील भी की। कार्यक्रम के मेजबान बेकी एंडरसन ने जब इमरान से पूछा कि क्या उन्होंने इस मुद्दे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन या विदेश मंत्री एंटोनी ब्लिंकन से संपर्क किया है, तो उन्होंने कोई जवाब नहीं दिया। बजाय इसके इमरान ने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) की बैठक में एक आपत्ति पत्र जारी करने का फैसला लिया गया था, साथ ही पाकिस्तान और वाशिंगटन में अमेरिका के इस कदम को लेकर कड़ा विरोध दर्ज कराया गया था।

लंदन में महारानी एलीजाबेथ चेलेसा फ्लावर शो में शामिल हुईं।

इमरान खान पाकिस्तान में गृह युद्ध शुरू करना चाहते हैं : प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ

लाहौर। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सोमवार को आरोप लगाया कि इमरान खान देश में 'गृह युद्ध' छेड़ना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही पूर्व प्रधानमंत्री खान ने संसद के निचले सदन नेशनल असेंबली को भंग करने और चुनाव कराने के लिए दबाव बनाने को लेकर अपने समर्थकों से 25 मई को इस्लामाबाद तक शांतिपूर्वक मार्च करने का आह्वान किया था। क्रिकेटर से राजनेता बने खान (69) को पिछले महीने विपक्षी दलों ने संसद में एक अविश्वास प्रस्ताव लाकर सत्ता से बेदखल कर दिया था। प्रधानमंत्री शहबाज ने मीडियाकर्मियों के सवालों का जवाब देते हुए सोमवार को कहा, 'इमरान नियाजी देश में गृह युद्ध शुरू करना चाहते हैं। लेकिन वह गलती कर रहे हैं। राष्ट्र उन्हें (उनके पाप को) कभी माफ नहीं करेगा और उन्हें रोक देगा।' यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार खान के मार्च को रोकने के लिए सेना बुलाएगी, शहबाज ने कहा कि जरूरत पड़ने पर इस बारे में फैसला किया जाएगा। पेशावर में रविवार को, अपनी पार्टी पाकिस्तान तहरीक ए इंसफ की कोर कमेटी की बैठक के बाद संवाददाताओं से खान ने कहा था कि मार्च एक धरना में तब्दील हो जाएगा और मांगें स्वीकार किये जाने तक यह जारी रहेगा। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा था, 'मुख्य मांगों में नेशनल असेंबली को फौरन भंग करना और अगले आम चुनाव के लिए एक नयी तारीख की घोषणा शामिल है।

बढ़ती महंगाई से दुनियाभर के देशों के प्रमुख दिख रहे चिंतित

लंदन (एजेंसी)

बढ़ती महंगाई दुनियाभर के लिए चिंताजनक स्थिति पैदा कर रही है। यह न सिर्फ अविकासशील और विकासशील अर्थव्यवस्थाओं को प्रभावित कर रही है, बल्कि अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप की विकसित अर्थव्यवस्थाओं के लिए भी बड़ी चुनौती बन गई है। दावोस में आयोजित वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम में शामिल हो रहे दुनियाभर के नेताओं और बिजनेस लीडर्स ने इस पर चिंता जाहिर की है। कीमतों में उछाल की वजह से न सिर्फ उपभोक्ताओं का सेंटीमेंट बिगड़ा है, बल्कि वैश्विक वित्तीय बाजारों को भी इसका झटका लग रहा है। इस काबू में करने के लिए अमेरिकी केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व सहित दुनिया के अन्य केंद्रीय बैंकों को भी ब्याज दरों में बढ़ोतरी करनी पड़ रही है। इसकारण डॉलर में मजबूती आ रही है।

रूस-यूक्रेन युद्ध और कोविड-19 के कारण चीन में लगे लॉकडाउन की वजह से कच्चे तेल और खाद्य बाजार में कीमतों में आई उछाल पर विराम लगता फिलहाल नहीं दिख रहा है। इसकारण और निराशा हो रही है। जर्मनी के वाइस चांसलर रॉबर्ट हैबेक ने कहा कि हमारे सामने कम से कम चार ऐसी समस्याएं हैं जो आपस में जुड़ी हुई हैं। बढ़ती महंगाई, ऊर्जा का संकट, खाद्य संकट (फूड पॉवर्टी) और पर्यावरण संकट हैं। उन्होंने कहा कि अगर हम सिर्फ एक संकट पर ध्यान केंद्रित करते रहे, तब दूसरी अन्य समस्याओं को नहीं सुलझा सकते हैं। लेकिन अगर कोई भी समस्या हल नहीं होती है, तब मुझे वास्तव में डर है कि हम वैश्विक मंदी की ओर बढ़ रहे हैं। इसका वैश्विक स्थिरता पर जबरदस्त प्रभाव है।

आईएमएफ की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा ने कहा कि युद्ध, सख्त वित्तीय स्थिति और कीमतों में उछाल, खासकर खाद्य पदार्थों की कीमतों में तेजी ने स्पष्ट रूप से ग्लोबल आउटलुक को अंधेरे में धकेल दिया है। उन्होंने कहा कि वैश्विक आर्थिक मंदी की अभी संभावना नहीं है, लेकिन यह पूरी तरह से परिदृश्य से बाहर भी नहीं है। उन्होंने कहा कि यह एक मुश्किल साल होने वाला है। रूस-यूक्रेन युद्ध की वजह से खाद्य पदार्थों की कीमतों का बढ़ना बड़ी समस्या बनी हुई है।

यूरोपियन सेंट्रल बैंक (ईसीबी) की प्रेसिडेंट क्रिस्टीन लेगार्ड ने चेतावनी दी कि महंगाई और विकास विपरीत रास्ते पर है। कीमतों में उछाल का असर आर्थिक गतिविधियों और घरेलू खरीद क्षमता पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध अति-वैश्वीकरण के लिए महत्वपूर्ण घटनाक्रम साबित हो सकता है। इससे सप्लाई चेन पर असर पड़ा है और लागत में बढ़ोतरी हो हुई है।

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन को 'पाटीर्गेट' रिपोर्ट पर फैसले का इंतजार

लंदन (एजेंसी)

ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन उनके करियर के लिये खतरा बन गए 'पाटीर्गेट' कांड से महीनों से जूझ रहे हैं। हालांकि अभी तक वह बचे हुए हैं। इस सप्ताह उन्हें अपने राजनीतिक भविष्य के लिए एक और खतरे का सामना करना है: सरकारी कार्यालयों में लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर की गई पार्टियों की एक व्यापक रिपोर्ट अगले कुछ दिनों में प्रकाशित हो सकती है। वरिष्ठ लोक सेवक सू ग्रे 'पाटीर्गेट' पर अपने निष्कर्षों को जारी करने वाली हैं। यह 'पाटीर्गेट' कांड जॉनसन के 10 डाउनिंग स्ट्रीट स्थित निवास और आस-पास की इमारतों में एक दर्जन से अधिक सभाओं व पार्टी से संबंधित है जो तब हुईं जब कोरोनोवायरस प्रतिबंधों के चलते ब्रिटेन में लोगों के एक-दूसरे से मिलने को लेकर तमाम तरह के प्रतिबंध लागू थे।

दावा है कि जॉनसन और उनके कर्मचारियों ने अवैध तरीके से कार्यालय में पार्टियों का आनंद लिया, जबकि देश में लाखों लोग 2020 और 2021 में सख्त कोविड-19 प्रतिबंधों का पालन कर रहे थे। इन दावों ने जॉनसन की कंजर्वेटिव सरकार को पिछले साल के अंत में पहली बार सामने आने के बाद से परेशान कर रखा है। जॉनसन की पार्टी के कुछ लोगों समेत आलोचक उनसे इस्तीफा देने की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच की और पिछले हफ्ते कहा कि उन्होंने 83 लोगों के खिलाफ कुल 126 जुमार्ने लगाए हैं। माना जा रहा है कि इनमें से अधिकतर कनिष्ठ कर्मचारी है लेकिन एक 50 पाउंड (60 डॉलर) का जुमार्ना जॉनसन पर लगा है जो जून 2020 में उनके लिये दी गई एक गोपनीय जन्मदिन पार्टी में शामिल होने पर लगाया गया। इसके साथ ही वह पहले ब्रिटिश प्रधानमंत्री बन गए जिन पर पद पर रहने के दौरान कानून तोड़ने का मामला सामने आया है। जॉनसन ने हालांकि माफी मांग ली थी लेकिन कहा था कि उन्होंने जानबूझ कर नियम नहीं तोड़े। उनका कहना था कि उन्हें नहीं पता था कि लोगों की वह छोटी सी भीड़ एक पार्टी थी। उनके इस दावे का कई लोगों ने मजाक उड़ाया था। हालांकि पुलिस ने उन लोगों की पहचान का खुलासा नहीं किया जिनको जुमार्ने का नोटिस जारी किया गया है।

पारंपरिक औषधि का वैश्विक केंद्र भारत में स्थापित : डब्ल्यूएचओ

संयुक्त राष्ट्र/ जिनेवा (एजेंसी)

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) और भारत सरकार ने मिलकर गुजरात के जामनगर में पारंपरिक औषधि का वैश्विक केंद्र स्थापित किया है ताकि प्रैक्टिस और उत्पादों के प्रभाव के संबंध में भरोसेमंद साक्ष्य और आंकड़े जुटाए जा सकें। यह बात विश्व स्वास्थ्य निकाय के प्रमुख ने सोमवार को कही। डब्ल्यूएचओ के महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधनोम गेब्रेयेसस ने कहा, 'लगभग 90 प्रतिशत सदस्य देशों के पारंपरिक औषधि के इस्तेमाल को मान्यता देते हुए पिछले महीने ही हमने पारंपरिक औषधि का वैश्विक केंद्र भारत में स्थापित किया है, ताकि प्रैक्टिस और उन उत्पादों के प्रभाव के संबंध में भरोसेमंद साक्ष्य और आंकड़े जुटाए जा सकें,जिनका इस्तेमाल करोड़ों लोग करते हैं।' उन्होंने यह बात विश्व स्वास्थ्य सभा के 75वें सत्र के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए कही। उल्लेखनीय है कि डब्ल्यूएचओ और भारत सरकार ने पारंपरिक औषधि के लिए डब्ल्यूएचओ का वैश्विक केंद्र स्थापित करने के लिये समझौता किया है। पारंपरिक औषधि के लिए वैश्विक ज्ञान केंद्र स्थापित करने के लिए भारत सरकार ने 25 करोड़ डॉलर के निवेश के जरिये सहायता की है। इसका उद्देश्य आधुनिक विज्ञान और प्रौद्योगिकी के जरिये दुनिया भर से पारंपरिक औषधि की क्षमता का दोहन करना है।

यूरोपीय आयोग का बड़ा बयान, कहा- युद्ध में यूक्रेन की जीत सुनिश्चित करने के लिए सबकुछ करेंगे

दावोस। (एजेंसी)

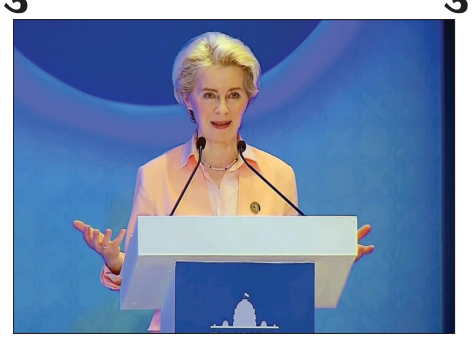

यूरोपीय आयोग की प्रमुख उर्सुला वोन डेर लेयेन ने मंगलवार को कहा कि यूक्रेन में रूस के हमले का जवाब दिया जाना चाहिए और यूक्रेन को यह जंग जीतनी चाहिए और यह सुनिश्चित करने के लिए यूरोप सब कुछ करने के लिए प्रतिबद्ध है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक 2022 को यहां संबोधित करते हुए लेयेन ने कहा, 'यह यूक्रेन के अस्तित्व का मामला नहीं है। यह यूरोप के बारे में नहीं है। यह पूरे वैश्विक समुदाय के बारे में है। यूक्रेन को यह युद्ध जीतना चाहिए और पुतिन की आक्रामकता का मुकाबला करना चाहिए और हम यह सुनिश्चित करने के लिए सब कुछ करेंगे।'

उन्होंने कहा, 'हम यूक्रेन के लोगों की मददके लिए हर संभव प्रयास करेंगे। यूरोपीय संघ पहली बार हमले का सामना कर रहे किसी देश को सैन्य सहायता प्रदान कर रहा है। हमने सूक्ष्म-वित्तीय सहायता में 10 अरब यूरो से अधिक का प्रस्ताव रखा, जो यूरोपीय संघ द्वारा किसी तीसरे देश के लिए अब तक का सबसे बड़ा पैकेज है।' लेयेन ने यह भी कहा, 'हम रूसी सेना के वित्त पोषण को रोकने के लिए दृढ़ हैं। साथ ही यूक्रेन को अपनी अर्थव्यवस्था को चालू रखने के लिए सीधे वित्तीय सहायता की जरूरत है।'

यूरोपीय संघ (ईयू) की नेता ने कहा कि यूक्रेन की हमें मदद करनी होगी और वहां पुनर्निर्माण कार्यों की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, 'आज हमें पुतिन द्वारा युद्ध चुनने की कीमत और परिणामों पर बात करनी चाहिए। इसने पूरी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को सवालों के घेरे में ला दिया है। इसलिए रूस के हमले का मुकाबला करना पूरे वैश्विक समुदाय की जिम्मेदारी है।

जब भारत चुप हो जाता है, तब 'बेजान' हो जाता है, यहां बोलने की अनुमति देने वाली संस्थाओं पर हमला हो रहा है : राहुल गांधी

कैंब्रिज, ब्रिटेन (एजेंसी)

ब्रिटेन के प्रतिष्ठित 'कैंब्रिज विश्वविद्यालय' के 'कॉर्पस क्रिस्टी कॉलेज' में सोमवार शाम आयोजित 'इंडिया एट 75' कार्यक्रम में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार पर नाम लिए बगैर निशाना साधा और आरोप लगाया है कि भारत को बोलने की इजाजत देने वाली संस्थाओं पर 'सुनियोजित हमला' हो रहा है। उन्होंने कहा कि बातचीत को बाधित किए जाने के कारण 'सरकार की नीतियों को गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोग या एजेंसियां' देश में संवाद को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं। राहुल ने छात्रों, विशेषकर भारतीय मूल के छात्रों के सवालों का जवाब दिया। उन्होंने हिंदू राष्ट्रवाद, कांग्रेस पार्टी में गांधी परिवार की भूमिका और देश के लोगों को संगठित करने के प्रयासों जैसे व्यापक विषयों पर अपनी राय साझा की।

विश्वविद्यालय में भारतीय मूल की शिक्षाविद डॉ. श्रुति कपिला के साथ बातचीत में राहुल ने उन सभी बिंदुओं को दोहराया, जिनका जिक्र उन्होंने पिछले सप्ताह एक सम्मेलन के दौरान किया था। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने भारतीय राजनीति पर 'सरकारी नीतियों को कथित तौर पर गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोगों या एजेंसियों' के प्रभाव का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए भारत तब 'जीवंत' होता है, जब भारत बोलता है और जब भारत चुप हो जाता है, तब यह 'बेजान' हो जाता है। मैं देखता हूं कि भारत को बोलने की अनुमति देने वाली संस्थाओं पर हमला किया जा रहा है-संसद, चुनाव प्रणाली, लोकतंत्र की बुनियादी संरचना पर एक संगठन द्वारा कब्जा किया जा रहा है।' राहुल ने कहा, 'बातचीत को बाधित किए जाने के कारण 'सरकारी नीतियों को गोपनीय तरीके से प्रभावित या नियंत्रित करने वाले प्रभावशाली लोग या एजेंसियां' इन रिक्त स्थानों में प्रवेश कर रही हैं और देश में संवाद को नए तरीके से परिभाषित कर रही हैं।'

कांग्रेस नेता ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी की लड़ाई धन के बड़े पैमाने पर केंद्रीकरण और मीडिया सहित देश के भीतर अन्य संस्थानों पर कब्जा करने के खिलाफ है। उन्होंने कहा, 'आप भारतीय मीडिया में कहीं भी 30 सेकंड से अधिक इस बात को नहीं देख पाएंगे। इसका कारण भारतीय मीडिया पर कब्जा है। भारतीय मीडिया को सरकार का समर्थन करने वाले कुछ बड़े उद्योगपति नियंत्रित कर रहे हैं। इसलिए, हम एक राजनीतिक दल से नहीं लड़ रहे हैं, हम भारत राष्ट्र पर कब्जा करने वालों के खिलाफ लड़ रहे हैं और यह आसान नहीं है।।।इसमें समय लगेगा। यह मुश्किल होने वाला है, लेकिन हम कोशिशें जारी रख रहे हैं।'

यह पूछे जाने पर कि कांग्रेस 'हिंदू राष्ट्रवाद' की विचारधारा से लड़ने की योजना कैसे बना रही है, राहुल ने कहा कि वह इस शब्द से सहमत नहीं हैं। उन्होंने कहा, 'इसमें 'हिंदू' जैसा कुछ नहीं है और वास्तव में इसमें कुछ भी राष्ट्रवादी नहीं है। मुझे लगता है कि आपको उनके लिए एक नया नाम सोचना होगा, लेकिन वे निश्चित रूप से 'हिंदू' नहीं हैं। आपको यह बताने के लिए मैंने हिंदू धर्म का विस्तार से अध्ययन किया है। लोगों की हत्या करना और उन्हें पीटना 'हिंदू' होना नहीं है।'

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को राहुल पर प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ अपनी टिप्पणियों से भारत को नुकसान पहुंचाने का आरोप लगाया था। पार्टी ने कहा था कि विदेशी धरती से भारत के बारे में लगातार की जा रही उनकी आलोचनात्मक टिप्पणी देश को धोखा देने के समान है। राहुल ने कहा कि उनकी पार्टी अगस्त में कांग्रेस के अध्यक्ष पद के चुनाव के बाद अक्टूबर-नवंबर से लोगों को सक्रिय रूप से जोड़ने के तरीके के रूप में पदयात्राओं के साथ जमीनी स्तर पर लोगों से

मिलने और उनके साथ कदम से कदम मिलाकर चलने की योजना पर काम कर रही है। यह पूछे जाने पर कि क्या पार्टी को गांधी परिवार से बाहर नेतृत्व की जरूरत है, उन्होंने कहा, 'यह कांग्रेस पार्टी को तय करना है। अध्यक्ष पद का चुनाव होने वाला है, पार्टी को इस पर फैसला करना है।' भारत की स्वतंत्रता के 75 साल पूरे होने का जश्न मनाने वाले कार्यक्रमों की एक श्रृंखला के तहत कैंब्रिज विश्वविद्यालय के कॉर्पस क्रिस्टी कॉलेज में स्कूल ऑफ ह्यूमैनिटीज एंड सोशल साइंस द्वारा आयोजित कार्यक्रम का समापन राहुल के साथ हुए इस संवाद के साथ हुआ।

सुविचार

दुःख का कारण हमारी वित्तवृत्तिओं का प्रभाव ही है। - भगवान श्री कृष्ण

संपादकीय

बीमारी का खाना

जिस बात को हमारे बड़े-बूढ़े लोग अक्सर दोहराते थे कि घर के खाने में सेहत की बरकत होती है, उसी बात को अब ऐलोपैथी के विशेषज्ञ भी दोहरा रहे हैं। लंबे समय से देश के प्राकृतिक चिकित्सा विशेषज्ञ व योगाचार्य कहते रहे हैं कि व्यक्ति के पेट से ही सेहत की राह गुजरती है। लेकिन चटपटे स्वाद की शौकीन युवा पीढ़ी इस बात को लगातार नजरअंदाज करती रही है। देश के प्रतिष्ठित चिकित्सा व शोध संस्थान पीजीआई के गेस्ट्रोलॉजी विभाग के प्रोफसर अब आंतों की बीमारी इंफ्लेमेटरी बाउल डिजीज यानी आईबीडी के बढ़ते मरीजों की संख्या को देखते हुए सलाह दे रहे हैं कि घर का खाना ही सेहत की कुंजी है। जो लोग परंपरागत भारतीय भोजन से नाता तोड़ रहे हैं वे बीमारियों से नाता जोड़ रहे हैं। दरअसल, हाल के दिनों में खासकर युवा पीढ़ी में पश्चिमी व चीनी खाद्य पदार्थों मसलन पिज्जा, बर्गर और नूडल्स आदि के प्रति दीवानगी बढ़ी है। वहीं आम लोगों में भी होटल-रेस्टोरेंट आदि से पका-पकाया खाना मंगाने का प्रचलन बढ़ा है। पीजीआई के विशेषज्ञ कह रहे हैं कि ज्यादा तला-भुना व बाहरी खाने से कई बीमारियां हो रही हैं, जिससे बड़ी आंत में घाव बन जाते हैं। फलत- अल्सर व कैंसर तक के खतरे बढ़ जाते हैं। चिकित्सक घर के परंपरागत खाने पर बल दे रहे हैं। वे भोजन के लिये कच्ची घानी, सोयाबीन, नारियल व तिल का तेल प्रयोग करने पर जोर दे रहे हैं। साथ ही बाजारों में एक बार प्रयोग किये गये खाद्य तेल को बार-बार उपयोग करने से बचने की सलाह दी गई है। विशेष रूप से सफर के दौरान बाहरी खाने के बजाय फल व आम भोजन के उपयोग की भी जरूरत बता रहे हैं। दरअसल, इसमें कोई बड़ी राकेट साइंस नहीं है और घर के बुजुर्ग इसी बात को अक्सर दोहराते भी रहे हैं, लेकिन नई पीढ़ी इस पर ध्यान नहीं देती है। दरअसल, फास्ट फूड संस्कृति को जीवन का हिस्सा बनाने से देश-दुनिया में तमाम तरह की बीमारियों ने जन्म लिया है। मोटापा और उससे जुड़े तमाम रोग आज भारतीयों पर शिकंजा कस रहे हैं। हमारे जीवन में शारीरिक श्रम का महत्व कम होने और तला-भुना खाने से मोटापा, मधुमेह व उच्च रक्तचाप जैसी लाइफ स्टाइल बीमारियां शरीर में घर बनाने लगी हैं। इतना ही नहीं देर से सोना और देर से जागना हमारी आदत में शुमार हो गया है। बच्चे मैदान में खेलने के बजाय गैजेट्स में लगे रहते हैं, जिससे उन पर मोटापे का ज्यादा असर हो रहा है। वहीं समय पर न खाना और फास्ट फूड को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने से भी समस्या और जटिल हो गई है। सुबह नाश्ते को नजरअंदाज करना और देर रात भारी भोजन भी शारीरिक व्याधियों को निमंत्रण दे रहा है। योग व प्राकृतिक चिकित्सा इस बात पर बल देती है कि सुबह के समय हमारी पाचन शक्ति मजबूत होती है अतः हमारा नाश्ता समृद्ध होना चाहिए। फल व सलाद हमारे खाद्य श्रृखंला का महत्वपूर्ण हिस्सा होना चाहिए। नई पीढ़ी में पिज्जा-बर्गर का तो जुनून है लेकिन फल-सब्जियों से परहेज करने लगे हैं। पश्चिमी देशों में हुए हालिया शोध बता रहे हैं कि जल्दी सोने और जल्दी जागने वाले लोग ज्यादा स्वस्थ रहते हैं। उनमें उच्च रक्तचाप व मधुमेह जैसी लाइफ स्टाइल डिजीज कम होती हैं। विडंबना देखिये कि सदियों से जो हमारा खानपान व जीवन शैली रही है उसको ही नई पीढ़ी नजरअंदाज कर रही है। अब विदेशों से शोध के बाद आने वाले उसी ज्ञान पर हमारा ध्यान जा रहा है। दरअसल, जब तक हम युवा रहते हैं तब तक स्वस्थ शरीर के आवश्यक नियमों की अनदेखी करते हैं मगर जब उम्र ढलने लगती है तो शरीर बीमारियों का घर बन जाता है।

मौसम और महंगाई से हलकान गरीब

कृष्ण राज

भारत में गर्मी और मुद्रास्फीति दर, दोनों बढ़ती चली जा रही हैं, जिसका असर गरीब और मध्य वर्ग पर सबसे ज्यादा है। इसके बरक्स अमीरों को कोई फर्क नहीं है क्योंकि उनके आशियाने वातानुकूलित हैं और जेब में पैसा है। भारत सरकार के सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक उपभोक्ता मूल्य सूचकांक आधारित खुदरा मुद्रास्फीति में वर्ष 2014 के बाद अभूतपूर्व वृद्धि होकर यह अप्रैल माह में 7.79 फीसदी हो गई। इसी तरह, मौसम विभाग के मुताबिक पिछले महीने भारत का मासिक और प्रतिदिन का उच्चतम तापमान बढ़कर क्रमशः 31.35 और 35.30 डिग्री सेंटीग्रेड हो गया। गरीबों पर यह दोहरी और भयावह मार है, जो उनको और कमजोर कर देगी। हो सकता है शायद प्रकृति तो फिर भी रहम खाकर दक्षिण-पश्चिम मानसून के जरिए गरीबों को गर्मी के कहर से कुछ राहत दे पाए, किंतु लगता है पिछले कुछ सालों से भारत के 50 करोड़ गरीब तबके के लिए आम वस्तुओं की कीमतें और मुद्रास्फीति ऊपर उठना रोजाना का नया चलन हो गया है। ऑक्सफोर्ड गरीबी और मानव विकास पहल (ओपीएचआई) और संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम के बहु-आयामीय सूचकांक-2021 के मुताबिक भारत में लगभग 22.5 प्रतिशत लोग अत्यंत गरीब हैं और रोजाना 2 डॉलर प्रतिदिन से भी कम पर गुजारा करके किसी तरह अपना वजूद कायम रखने की जद्दोजहद कर रहे हैं। आगे, हकीकत यह है कि आंकड़ों में दिखाई गई इस आय आधारित गरीबी से कहीं ज्यादा बहुआयामी दरिद्रता उनके स्वास्थ्य, शिक्षा और जीवनयापन में व्याप्त हो चुकी है। पिछले सालों में, कोविड-19 महामारी, बेरोजगारी और उच्च मुद्रास्फीति की वजह से और बड़ी संख्या में भारतीय संपूर्ण गरीबी के जाल में जा फंसे हैं। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर आंकी गई खुदरा और थोक मुद्रास्फीति में पिछले कुछ महीनों से लगातार बढ़ोतरी हुई है। इस साल उपभोक्ता मूल्य सूचकांक जनवरी में (6.01), फरवरी में (6.07), मार्च में (6.95) तो अप्रैल में 7.79 फीसदी जा पहुंचा। वहीं, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार थोक मूल्य सूचकांक जोकि जनवरी में 13.68 फीसदी था, वह मार्च माह में 14.5 प्रतिशत हो गया। हालांकि पिछले कुछ समय से रूस-यूक्रेन युद्ध ने वैश्विक मुद्रस्फीति में और इजाफा किया है लेकिन भारत में बढ़ते ईंधन और खाद्य मूल्यों से बनी मुद्रा स्फीति पहले से चली आ रही है और कीमतें स्थिर करने के लिए किए गए सरकारी प्रयास बेनतीजा रहे। भारत के गांवों के गरीब को महंगाई की मार सबसे ज्यादा सहनी पड़ रही है क्योंकि ग्रामीण क्षेत्र में जो उपभोक्ता खाद्य मूल्य मार्च, 2021 में 3.94 फीसदी था वह अप्रैल, 2022 में 7.66 प्रतिशत हो गया। अगर उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में खाने-पीने की वस्तुओं की बात करें तो खाद्य तेल और घी के मूल्य में बढ़ोतरी 24.7 फीसदी, ईंधन तेल, हल्के परिवहन और संचार क्षेत्र में वृद्धि 11 प्रतिशत हुई। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत ऊपर उठकर 110 डॉलर प्रति बैरल हो गई, लेकिन भारत में ईंधन पर केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा पेट्रोल पर 55 प्रतिशत तो डीजल पर 50 फीसदी कर वसूलने की वजह से घरेलू कीमतें बहुत ज्यादा है। वस्तु की उत्पादन लागत और बिक्री मूल्य ज्यादा होने के पीछे मुख्य वजह ऊंची खाद्य और ईंधन मुद्रास्फीति दर है, जिसकी वजह से आगे थोक मुद्रास्फीति में इजाफा होता है। मुख्य मुद्रास्फीति दर, जिसमें खाद्य और ईंधन के मूल्य में रोजाना के उतार-चढ़ाव शामिल नहीं हैं, वह आधिकारिक सीमा पार कर चुकी है और इन हालात में मौद्रिक नीतियां त्वरित परिणाम देने में असफल हो सकती हैं। आगे, मौद्रिक नीतियां अपने आप में खुदरा मुद्रास्फीति को नाथने की गारंटी नहीं है जब तक कि सरकार एक ओर ईंधन कर में अपने हिस्से की कटौती करके रोजमर्रा की वस्तुओं की कीमतें कम न करवाए और दूसरी तरफ आयात से खाद्य वस्तुओं का मूल्य नीचे न लाए। वास्तव में, मौद्रिक नीति तभी थोक मूल्य सूचकांक नीचे लाने में सफल हो सकती है जब आर्थिक गतिविधियों की एवज पर खुदरा मुद्रास्फीति कम न हो। रिजर्व बैंक द्वारा रेपो दर 4 फीसदी से बढ़ाकर 4.4 प्रतिशत कर देने से खुदरा मूल्य में कमी होने की बजाय बैंकों से लिए कर्ज की सूद दर में बढ़ोतरी के परिणामस्वरूप आर्थिक गतिविधियों में कमी आएगी। रेपो दर में वृद्धि भारत की आर्थिक प्रगति को धीमा करेगी। विश्व बैंक के अध्यक्ष डेविड मालपास ने 'प्रगति, सुरक्षा और स्थिरता को चुनौती' नामक अपने भाषण में कहा : 'मुद्रास्फीति लगातार बढ़ रही है, इससे विश्वभर में परिवारों की वास्तविक आय घटेगी, खासकर गरीबों की। खाद्य मूल्य में हरेक एक प्रतिशत की वृद्धि आगे 1 करोड़ व्यक्तियों को अत्यंत गरीबी में धकेल देती है। अमीर तबका तो खाद्य वस्तुओं में अचानक मूल्य बढ़ोतरी को झेल लेता है लेकिन गरीब नहीं कर पाता। इससे कुपोषण बढ़ने की आशंका है और इसकी अपूरणीय क्षति सबसे ज्यादा बच्चों के स्वास्थ्य को होगी'। भारत के लगभग 50 करोड़ लोग ग्रामीण इलाके में सामाजिक और आर्थिक रूप से कमजोर तबके से और शहरों की मलिन बस्तियों में रहने वाले गरीब हैं, बढ़ती मुद्रास्फीति दर उन्हें और आगे अत्यंत गरीबी में धंसा देगी। घटती दिहाड़ी, कोविड-19 महामारी, ऊंची ग्रामीण बेरोजगारी दर, आय असमानता और उच्च खाद्य मुद्रास्फीति का दूरगामी विपरीत असर भारत में गरीबी उन्मूलन प्रयासों पर पड़ेगा। गरीब, जो अभी भी कोविड-19 के मारक असर से उबरने की प्रक्रिया में हैं, ऐसे में उन पर मुद्रास्फीति का और प्रतिकूल प्रभाव होगा। डीजल और पेट्रोल के औसत मूल्य में वर्ष 2015 के दामों में क्रमशः 53 और 66 रुपये का इफाजा होकर मई 2022 में क्रमशः 96 और 110 रुपये हो गया है, वहीं घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत 600 रुपये से 1000 रुपये, खाद्य तेल का रेट 125 रुपये से 200 रुपये , तो दालें, सब्जियां, फल, दूध, अंडे, मछली, मीट और अन्य वस्तुओं के दामों में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी ने आम आदमी का जीवनयापन दूभर कर दिया है। हालांकि रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक इस अवधि में औसत ग्रामीण मजदूर की दिहाड़ी वर्ष 2015 में 224 रुपये में बढ़कर 2020 में 286 रुपये हुई है। 2015 से 2022 के बीच सात सालों में आवश्यक वस्तुओं के दामों में 50 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है, जबकि वास्तविक आय दर में इजाफा महज 22 फीसदी हुआ। यह आंकड़े बताते हैं कि मुद्रास्फीति ने गरीब की आय पर चोट कर उनका जीवन मुश्किल कर दिया है क्योंकि उनके कुल खर्च का बड़ा हिस्सा खाने-पीने पर खपता है। इसका कुल मिलाकर हश्र यह होगा कि गरीब की कमाई घटेगी और उसे न्यूनतम जीवनशैली बनाए रखने के लिए भी कर्ज लेना पड़ेगा। एनएसएसओ की रिपोर्ट के अनुसार पिछले कुछ सालों में ग्रामीण भारत में लोगों को अपने खान-पान के खर्च में भारी कटौती करनी पड़ी है। आगे मुद्रा स्फीति बढ़ते रहने का असर बच्चों, महिलाओं और गरीबों के स्वास्थ्य और पोषण गुणवत्ता पर जारी रहेगा क्योंकि उनकी प्रतिदिन की कैलोरी जरूरतें पूरी न होंगी। इसलिए खाद्य एवं ईंधन मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने, ग्रामीण क्षेत्र में रोजगार बढ़ाने, आय असमानता घटाने, गरीब की सहायता , आवश्यक वस्तुओं के सार्वजनिक वितरण को सुदृढ़ करने और औसत दिहाड़ी मजदूरी बढ़ाने के लिए संवेदनशील सरकारी दखलअंदाजी जरूरी है। इन नीतिगत उपायों से जीवनयापन की लागत और गरीब पर मुद्रास्फीति का प्रभाव काफी कम किया जा सकता है।

लेखक सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव संस्थान, बेंगलुरू में प्रोफेसर हैं।

टूटते संबंध, बढ़ता अवसाद

(लेखक-- डॉ. सौरभ मालवीय)

मनुष्य जिस तीव्र गति से उन्नति कर रहा है, उसी गति से उसके संबंध पीछे छूटते जा रहे हैं. भौतिक सुख-सुविधाओं की बढ़ती इच्छाओं के कारण संयुक्त परिवार टूट रहे हैं. माता-पिता बड़ी लगन से अपने बच्चों का पालन-पोषण करते हैं. उन्हें उच्च शिक्षा दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करते हैं. परिवार में लड़कियां हैं, तो वे विवाह के पश्चात ससुराल चली जाती हैं और लड़के नौकरी की खोज में बड़े शहरों में चले जाते हैं. इस प्रकार वृद्धावस्था में माता-पिता अकेले रह जाते हैं. इसी प्रकार शहरों में उनके बेटे भी अकेले हो जाते हैं. संयुक्त परिवार टूटने के कारण एकल परिवार बढ़ते जा रहे हैं. एकल परिवारों के कारण संबंध टूट रहे हैं. संयुक्त परिवारों में बहुत से रिश्ते होते थे. दादा-दादी, ताया-ताई, चाचा-चाची, बुआ-फूफा, नाना-नानी, मामा-मामी, मौसी-मौसा तथा उनके बच्चे अर्थात बहुत से भाई-बहन. बच्चे बचपन से ही इन सभी संबंधों को जानते थे, परन्तु अब एकल परिवारों में माता-पिता और उनके दो या एक बच्चे ही हैं. संयुक्त परिवार टूटने के अनेक कारण हैं. रोजगार के अतिरिक्त परिवार के सदस्यों में बढ़ते मतभेद, कटुता एवं स्वार्थ आदि के कारण भी एकल परिवार बढ़ते जा रहे हैं. ऐसी परिस्थितियों में व्यक्ति नितांत अकेला पड़ता जा रहा है. संयुक्त परिवार में समस्याएं सांझी होती थीं. व्यक्ति किसी कठिनाई या समस्या होने पर परिवार के सदस्यों के साथ विचार-विमर्श कर लेता था. इस प्रकार उसे समस्या का समाधान घर में ही मिल जाता था. संयुक्त परिवार के बहुत से लाभ हैं. परिवार के प्रत्येक सदस्य की सुरक्षा का दायित्व सबका होता है. किसी भी सदस्य की समस्या पूरे परिवार की होती है. यदि किसी को पैसे आदि की आवश्यकता है, तो पैसे बाहर किसी से मांगने नहीं पड़ते. परिवार के सदस्य ही मिलजुल कर सहयोग कर देते हैं. परिवार में सदस्यों की संख्या अधिक होने के कारण घर और बाहर के कार्यों का विभाजन हो जाता है. प्रत्येक सदस्य अपनी योग्यता और क्षमता के अनुसार कार्य कर लेता है तथा अन्य कार्यों से मुक्त रहता है. ऐसे में उसे अपने लिए पर्याप्त समय मिल जाता है. इसके अतिरिक्त संयुक्त परिवार में रसोई एक होने के कारण खर्च भी कम हो जाता है. उदाहरण के लिए दो या तीन एकल परिवार यदि संयुक्त परिवार के रूप में रहते हैं, तो उन्हें अधिक सामान की आवश्यकता होगी. थोक में अधिक सामान लेने पर वह सस्ता पड़ता है. इसी प्रकार तीन के बजाय एक ही फ्रिज से काम चल जाता है. ऐसी ही और भी चीजें हैं. परिवार के किसी सदस्य के बीमार होने पर उसकी ठीक से देखभाल हो जाती है. परिवार के सदस्य साथ रहते हैं, तो उनमें भावनात्मक लगाव भी बना रहता है. इसके अतिरिक्त बच्चों का पालन-पोषण भी भली-भांति आसानी से हो जाता है. उनमें अच्छे संस्कार पैदा होते हैं. वे यह भी सीख जाते हैं कि किस व्यक्ति के साथ किस प्रकार का व्यवहार करना चाहिए. इसमें बड़ों का सम्मान करना, अपनी आयु के लोगों के साथ मित्रवत व्यवहार करना तथा छोटों से स्नेह रखना आदि सम्मिलित हैं. आज परिस्थितियां पृथक हैं. मनुष्य किसी भी कठिनाई या किसी संकट के समय स्वयं को अकेला ही पाता है. यदि परिवार में महिला का स्वास्थ्य ठीक नहीं है, तो तब भी उसे घर का सारा कार्य स्वयं करना पड़ता है, जबकि संयुक्त परिवार में अन्य महिलाएं होने के कारण उसे आराम करने का समय मिल जाता था. साथ ही उसकी भी उचित प्रकार से देखभाल भी हो जाती थी. एकल परिवार में अकेले पड़ जाने के कारण व्यक्ति अवसाद का शिकार हो जाता है. अवसाद एक मानसिक रोग है. इस अवस्था में व्यक्ति स्वयं को निराश अनुभव करता है. वह स्वयं को अत्यधिक लाचार समझने लगता है. ऐसी स्थिति में प्रसन्नता एवं आशा उसे व्यर्थ लगती है. वे अपने आप में गूम रहने लगता है. वह किसी से बात करना पसंद नहीं करता. हर समय चिड़चिड़ा रहता है. यदि कोई उससे बात करने का प्रयास करता है, तो वे क्रोधित हो जाता है. कभी वह उसके साथ असभ्य अथवा उग्र व्यवहार भी करता है. मनोचिकित्सकों के अनुसार अवसाद के भौतिक कारण भी होते हैं, जिनमें आनुवांशिकता, कुपोषण, गंभीर रोग, नशा, कार्य का बोझ, अप्रिय स्थितियां आदि प्रमुख हैं. अवसाद की अधिकता होने पर व्यक्ति आत्महत्या तक कर लेता है. अवसाद के कारण आत्महत्या करने के अप्रिय समाचार सुनने को मिलते रहते हैं. ऐसे विचलित करने वाले समाचार भी मिलते हैं कि अमुक व्यक्ति ने सपरिवार आत्महत्या कर ली या परिवार के सदस्यों की हत्या करने के पश्चात स्वयं भी आत्महत्या कर ली. कोरोना काल में जहां संयुक्त परिवारों के लोग एक-दूसरे के साथ मिलजुल कर रहे, वहीं एकल परिवारों के लोग अवसाद का शिकार होने लगे. 'द लैंसेट पब्लिक हेल्थ' में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक हो चुके लोगों में अवसाद एवं घबराहट की शिकायतें देखने को मिल रही है. सात दिन या उससे अधिक समय तक कोरोना वायरस संक्रमण से पीड़ित रहे लोगों में अवसाद एवं घबराहट की दर उन लोगों की तुलना में अधिक थी, जो संक्रमित रोगी कभी अस्पताल में भर्ती नहीं हुए अर्थात वे अपने परिजनों के मध्य ही रहे. रिपोर्ट के अनुसार सार्स-कोव-2 संक्रमण वाले ऐसे रोगी जो अस्पताल में भर्ती हुए उनमें 16 महीने तक अवसाद के लक्षण देखे गए, परन्तु जिन रोगियों को अस्पताल में भर्ती नहीं होना पड़ा, उनमें अवसाद और घबराहट के लक्षण दो महीने के भीतर ही कम हो गए. सात दिनों या उससे अधिक समय तक बिस्तर पर रहने वाले लोगों में 16 महीने तक अवसाद और घबराहट की समस्या 50 से 60 प्रतिशत अधिक थी. मनोचिकित्सकों के अनुसार अवसाद से निकलने के लिए आवश्यक है कि व्यक्ति अपने परिजनों एवं मित्रों के साथ समय व्यतीत करे. किसी भी समस्या या संकट के समय परिजनों से बात करे. स्वयं को अकेला न समझे. सकारात्मक विचारों वाले व्यक्तियों से बात करे. परिजनों को भी चाहिए कि वे अवसादग्रस्त लोगों में सकारात्मक विचार पैदा करने का प्रयास करें, उन्हें अकेला न छोड़ें, क्योंकि ऐसे लोग आसानी से अपराध की ओर अग्रसर हो सकते हैं. उन्हें उनकी किसी भी नाकामी के लिए तानें न दें, अपितु उनको प्रोत्साहित करें तथा उनके आत्मविश्वास को बढ़ाएं. वास्तव में आज तकनीकी ने समस्त संसार के लोगों को जितना समीप कर दिया है, उतना ही एक-दूसरे से दूर भी कर दिया है. मोबाइल के माध्यम से व्यक्ति क्षण भर में विदेश में बैठे व्यक्ति से भी बात कर लेता है. परन्तु मोबाइल के कारण ही लोगों को परिवार के सदस्यों से बात करने का समय नहीं मिल पाता.

आज के कार्टुन

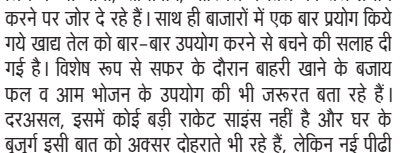

लोभ

आचार्य रजनीश ओशो/ काम क्रोध और लोभ..इन तीनों में लोभ ही है जो मानव का सबसे ज्यादा अनिष्ट करता है। काम, क्रोध या किसी चीज का मोह..ये सभी लोभ-लालच के सामने कमजोर पड़ जाते हैं। मनुष्य में काम भावना एक उम्र के बाद आती है, क्रोध परिस्थितियों अर निर्भर करता है और मोह किसी वस्तु या मनुष्य पर.. लेकिन लोभ वह जन्म के साथ लेकर आता है।' ओशो के अनुसार लोभ और क्रोध एक दूसरे से जुड़े है..जब मनुष्य का लोभ पूर्ण नहीं होता तो वह क्रोधित हो जाता है। अगर लालच नहीं होगा तो क्रोध भी नहीं आएगा, क्योंकि जब परिस्थितियां आपके प्रतिकूल हो जाती हैं, जो मनुष्य के भीतर क्रोध का जन्म होने लगता है। मनुष्य का लालच उसके अंत की कहानी भी तय करता है, क्योंकि जिसके भीतर सिवाय लोभ के कुछ नहीं है वह ना तो नम्र होता है और ना उसमें किसी अन्य व्यक्ति के प्रति दया भावना ही होती है। मृत्यु जीवन का अटल सत्य है..लेकिन मनुष्य का लालच उसे इस सच को भी स्वीकारने नहीं देता..वह जानता है कि मृत्यु होनी तय है लेकिन वह मरना भी नहीं चाहता। उसे अमरता का लोभ रहता है, वह कुछ भी कर हमेशा जीवित रहने की कमना करने लगता है। ओशो के अनुसार संतान की चाहत भी मनुष्य के लोभ का ही परिणाम है। वह यह जानता है कि एक ना एक दिन उसका अंत तय है, ऐसे में वह अपनी संतान की चाहत करने लगता है, ताकि किसी ना किसी माध्यम से उसका अंश जीवित रह सके। लालच किसी भी चीज का हो सकता है। हमें केवल इसकी गहराई में जाकर इसे समझना होगा। क्योंकि जो लोग लालच की भावना को समझ पाए हैं, उनके अनुसार यह हर कार्य की गहराई में है। वस्तु का, रिश्ते का, काम, वासना..मनुष्य की हर ख्वाहिश के पीछे लोभ छिपा है। लोभ मात्र एक शब्द नहीं बल्कि मानव मस्तिष्क में उपजने वाली एक ऐसी भावना है जो हर क्रिया के मूल में है। शब्द मानकर हम इसके प्रभाव को समझ नहीं पाते और अंत में उसकी भेंट चढ़ जाते हैं। ललाच का संबंध मनुष्य के भीतर पनप रही उस हीन भावना से भी है, जिसके अनुसार वह स्वयं खोखला मानता है और स्वयं को भरने के लिए लालच का सहारा लेता है। ओशो के अनुसार अगर हम धन, पद, यश, ज्ञान आदि से स्वयं को भरने का प्रयास भी करेंगे तो भी स्वयं को पूर्ण नहीं कर पाएंगे क्योंकि जब तक हमारी सोच अधूरी और हीन रहेगी हम स्वय को अपने ही लालच की बलि चढ़ाते जाएंगे।

सू-दोकू नवताल -2125

1	6			8		4	3	5
3	8		4	1	7		2	9
		9						
			2			1		7
8	7			4			9	6
6		2			9			
						8		
4	2		5	6	8		7	3
9	3	8		2			6	1

सू-दोकू 2124 का हल

2	8	9	1	5	3	6	4	7
4	7	3	2	8	6	5	9	1
6	1	5	4	9	7	2	3	8
3	9	7	5	2	1	4	8	6
5	4	2	9	6	8	7	1	3
8	6	1	3	7	4	9	5	2
9	3	4	7	1	2	8	6	5
7	5	6	8	3	9	1	2	4
1	2	8	6	4	5	3	7	9

प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं। इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3 X 3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।

फिल्म वर्ग पहेली- 2125

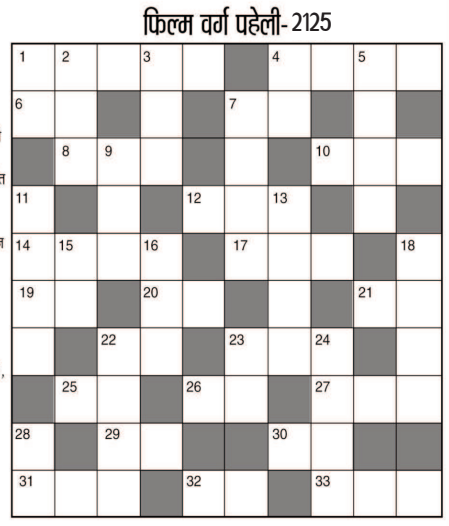

बायें से दायें:-

1. 'ये जीवन है इस जीवन का यही है' गीत वाली फिल्म-2,1,2
4. राकेश रोशन, शत्रुघ्न सिन्हा, रीनाराय, रंजीता की फिल्म-4
6. फिल्म 'साया' में जॉन अब्राहम के साथ नायिका कौन थी-2
7. 'ऐसा कोई जिंदगी में' गीत वाली फिल्म-2
8. राजकिरण, जावेद खान की फिल्म-3
10. 'है ना बोलो' गीत वाली फिल्म-3
12. सुनीलदत्त, निम्मी की फिल्म-3
14. 'देख सकता हूँ मैं कुछ' गीत वाली फिल्म-4
17. अष्मित पटेल, मीरा की फिल्म-3
19. 'आई जो तेरी याद' गीत वाली फिल्म-2
20. फिल्म 'तक्षक' में अजय देवगन के साथ नायिका कौन थी-2
21. शाहरूख, प्रियंका की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीतवाली फिल्म-2
22. अक्षयकुमार, सुनील शेट्टी, जैकी, शत्रुघ्न, रवीना, लारा की फिल्म-2
23. धर्मेन्द्र, जीतेंद्र, हेमा की फिल्म-3
25. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-2
26. फिरोज, संजय, मुमताज की 'गोरी के हाथ में' गीत वाली फिल्म-2
27. 'झोंपडी में चारपाई' गीत वाली जीतेंद्र, श्रीदेवी की फिल्म-3
29. राजकपूर (डबल रोल), नर्गिस की 'आ जाने बहार' गीतवाली फिल्म-2
30. 'फूल मांगू ना बहार मांगू' गीत वाली फिल्म-2
31. कमल हासन, सनी, डिम्पल की फिल्म-3
32. फिल्म 'तपस्या' की नायिका ?-2
33. अभिनेत्री 'मनीषा कोइराला' किस देश की रहने वाली है-3

ऊपर से नीचे:-

हेमा, शर्मिला की फिल्म-3
11. जॉय मुखर्जी, माला, शर्मिलाकी 'वो हसीन दर्द देदो' गीत वाली फिल्म-4
13. 'इस सो पहले कि याद तू आए' गीत वाली राजेश खन्ना, श्रीदेवी की फिल्म-4
15. 'परिचय' में जीतेंद्र की नायिका ?-2
16. करण दीवान, स्वर्णलता की 'जब तुम ही चले परदेस' गीत वाली फिल्म-3
18. 'तन मन धन सब है' गीत वाली संजीवकुमार, लीना की फिल्म-4
22. गुरूदत्त, शकीला, श्यामा की 'बाबू जी धीरे चलना' गीत वाली फिल्म-2,2
23. रेखा, दिलीपकुमार, ममता की फिल्म-2
24. शाहरूख, विवेक मुशरान, जूही की 'अपुन की लाइफ' गीत वाली फिल्म-4
28. 'तेरे प्यार का' गीत वाली आफताब शिवदासनी, युक्ता मुखी की फिल्म-2

फिल्म वर्ग पहेली- 2124

त्रि	शु	ल		ग	दा	र		धा		
दे		गा	य	ब		ह	म	रा	ज	
व	च	न		न	ग	मा		वी	रू	
	र		घ		ज	न	म		र	
ती	स	री	मं	जि	ल		दा	व	त	
स			डी			चू	री			
रा	जा	जी		अ	मृ	त		प		
को	न			प		न	व	रं	ग	
न		अ	नु	रा	ग			प		
	जु	म्मा		ध		अ	प	रा	ध	

1. 'नदिया किनारे आओ' गीत वाली संजय दत्त, आफताब, नंदिता दास की फिल्म-2
2. अमिताभ, अमजद, नीतूसिंह की 'सारा जमाना हसीनों का' गीत वाली फिल्म-3
3. 'दो दिवाने शहर में' गीत वाली अमोल पालेकर, जरीना वहाब की फिल्म-3
4. नसीरूद्दीनशाह, जैकी श्रॉफ, नगमा की 'मैं प्यासी नदिया' गीत वाली फिल्म-2
5. 'लिखे जो खत तुझे वो तेरी' गीत वाली शशिकपूर, आशा पारेख की फिल्म-4
7. मनोजकुमार, आशा पारेख की 'लो आ गई उन की याद' गीत वाली फिल्म-1,3
9. 'दो नैनों में आँसू भरे हैं' गीत वाली जीतेंद्र,

हर परिस्थिति में खुद को रखें कॉन्फिडेंट

नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। नौकरी के दौरान अक्सर एक जैसा काम करते हुए हम ऐसी स्थिति में आ जाते हैं, जिसमें जरा-सा बदलाव भी हमें असहज कर देता है। लगातार सुविधापूर्ण स्थिति में आत्ममुग्ध रहना एक तरह से 'असुविधा'' को ही दावत देना है। अगर आप भी कंफर्ट जोन में खुद को 'कंफर्टेबल' मानकर चल रहे हैं, तो वक्त रहते संभल जाएं और ऐसा करके ही आप खुद को हर परिस्थिति में कॉन्फिडेंट रख सकेंगे।

सदाशिव पढ़ाई में अच्छे हैं। दिखने में समझदार। नौकरी जल्द शुरू कर दी थी। कुछ ही साल में अपनी पहचान भी बना ली और एक वरिष्ठ अधिकारी के लिए अलग से काम करके उनका विश्वास भी हासिल कर लिया। इसका उन्हें फायदा भी मिलता रहा। पद और प्रतिष्ठा तो मिली ही, कई बार विदेश जाने का अवसर भी मिला। मगर कई साल ऐसे ही बीतने के कारण सदाशिव आत्ममुग्धता के शिकार होते चले गए। प्रभावशाली अधिकारी का संरक्षण मिला होने के कारण वे खुद को बेहद सुरक्षित महसूस करने लगे। इस बीच उन्हें कई प्रोजेक्ट मिले, पर भरपूर अवसर मिलने के बावजूद किसी में खास प्रभाव छोड़ न पाने के कारण अंतत: वे अपने मूल विभाग में ही बने रहे। यहीं उनसे चूक होती चली गई। अपने मूल विभाग के बॉस से उनकी ट्यूनिंग बनने और प्रगाढ़ होने के बजाय बिगड़ती चली गई लेकिन आत्ममुग्धता और उच्चाधिकारी की शह के कारण उन्होंने इसकी ज्यादा परवाह नहीं की। विभागीय बॉस के उपेक्षापूर्ण नजरिये से ठेस लगने के बावजूद उनका स्वाभिमान नहीं जागा और वे निश्चिंतता के साथ टाइम पास करते रहे। इतना ही नहीं, सोशल साइट्स पर भी वे खूब दिखते और अपनी बेतुकी टिप्पणियों पर खुद ही खुश हो लेते। कुछ समय बाद स्थितियां करवट लेने लगीं। प्रभावशाली अधिकारी का प्रभाव जाता रहा और एक समय ऐसा भी आया, जब उनकी जगह कंपनी में कोई और आ गया। अब सदाशिव को सचेत हो जाना चाहिए था, पर ऐसा हुआ नहीं। उनका रवैया जस का तस बना रहा। वे चाहते, तो अपने विश्वासी अधिकारी के रहते किसी और विभाग या केंद्र या प्रोजेक्ट में अच्छे पद पर शिफ्ट हो सकते थे लेकिन सुविधाजीवी और एकरस जीवन के आदी हो चुके सदाशिव ने ऐसी कोई पहल नहीं की। एक दिन जब उन्हें कुछ गलतियां बताते हुए संस्थान से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया, तब उन्हें एहसास हुआ लेकिन तब उनके पास संभलने और सुधरने का मौका नहीं था।

भंवर है कंफर्ट जोन

सदाशिव की सच्ची कहानी महज एक उदाहरण है। आपको अपने संस्थान या दूसरी संस्थाओं, विभागों में ऐसे कई लोग मिल जाएंगे, जो कंफर्ट जोन में समय बिताते हुए खुश दिखेंगे। कई लोग यह भी कहते मिल जाएंगे कि अरे भाई, नौकरी तो सुरक्षित है ही, फिर काम की टेंशन में क्यों परेशान रहें! दरअसल, ऐसे लोग यह नहीं सोचते कि इस प्रकार का रवैया रखकर वे खुद के नुकसान की ही नींव रख रहे हैं। स्थितियां हमेशा एक-सी नहीं रहतीं। जो लोग काम से जी चुराते हैं, नया सीखने-जानने में दिलचस्पी नहीं रखते, कभी पहल करके कोई काम नहीं करते, कोई काम कहने पर समाधान के बजाय तमाम तरह की समस्याएं ही गिनाने बैठ जाते हैं, टीम मेंबर्स से भी जिन्हें ढेरों शिकायतें होती हैं, सही मायने में उनका करियर हमेशा दांव पर लगा होता है। ऐसे लोगों को जब कभी कोई काम सौंपा जाता है, तो वे उसमें इतना विलंब कर देते हैं या फिर उसे इतना उलझा देते हैं कि बॉस को आगे उन्हें काम न देने के बारे में सोचना पड़ जाता है। ऐसे लोग अपनी इस कथित रणनीति पर भले ही खुश होते हों पर जरा सोचें, क्या वह बॉस कभी उनकी प्रशंसा-अनुशंसा करेगा और जब कभी डिमोशन कर दिया गया या इंक्रिमेंट रोक लिया गया या फिर छंटनी की स्थिति में उनका नाम ही आगे बढ़ा दिया गया, तो फिर क्या उन्हें संस्थान और बॉस की आलोचना का अधिकार होना चाहिए

उपयोगिता करें साबित

आप निजी कंपनी में काम कर रहे हों या फिर सरकारी सेवा में हों, छोटे पद पर हों या बड़े पद पर, अगर आप अपने पद की जरूरतों के अनुसार खुद की उपयोगिता साबित करने का प्रयास नहीं करते, तो एक-न-एक दिन आपको जरूर नुकसान हो सकता है। अगर आप समय रहते नहीं चेतते, तो फिर आप किसी को दोष भी नहीं दे सकते। आपको कोई भी जिम्मेदारी दी जाती है, उसे उत्साह के साथ पूरा करने का प्रयास करें। अगर आपको लगता है कि उसमें बॉस से और समझने की या किसी सहयोगी की मदद लेने की जरूरत है, तो विनम्रता के साथ सहयोग लें। आपके प्रयास की गंभीरता स्पष्ट नजर आनी चाहिए। अगर आप छोटे-से-छोटे काम को भी सतर्कता के साथ बहुत अच्छी तरह पूरा करते हैं, तो निश्चित रूप से इससे आपकी छवि बेहतर होगी।

हर दिन हो नया

अगर आप एकरस जीवन से बचना और खुश रहना चाहते हैं, तो अपने काम को एंजॉय करना होगा। निष्ठा ईमानदारी से काम करेंगे, तो ज्यादा कुछ मिले-न मिले, भरपूर सुकून जरूर मिलेगा। यह आपका सबसे बड़ा रिवॉर्ड होगा। इसके अलावा गलतियों से सबक लेने, कमियों को दूर करने और हमेशा कुछ नया सीखने की ललक रखेंगे, तो आपके आत्मविश्वास का स्तर ऊंचा रहेगा और आप मुश्किल से मुश्किल काम को भी उत्साह और हौसले से कर सकेंगे। इस राह पर चलकर तरक्की की सीढ़ियां भी चढ़ते जाएंगे।

ग्रेजुएशन के बाद अमेरिका में जॉब

हाल ही में ग्रेजुएशन करने वालों के लिए अमेरिका में काम करने के लिए दो ऑप्शन हैं : ऑप्शनल प्रेक्टिकल ट्रेनिंग (ओपीटी) तथा एच1बी वीसा। ओपीटी ऐसे ताजा ग्रेजुएट्स के लिए एक कार्यक्रम है, जो अपनी पढ़ाई की फील्ड में कार्य अनुभव पाना चाहते हैं। इसके लिए दो शर्तें पूरी करना जरूरी है : पहली यह कि आपकी ओपीटी जॉब का सीधा संबंध आपकी डिग्री से होना चाहिए। मसलन, यदि आपने इलेक्ट्रिकल इंजीनियर के रूप में डिग्री ली है, तो आप शेफ के रूप में नौकरी नहीं कर सकते। दूसरी शर्त यह है कि आपने जहां से डिग्री प्राप्त की है, वहां का कोई अधिकारी ओपीटी प्रोग्राम के लिए आपका नाम प्रस्तावित करे। इसलिए यह जरूरी है कि आप जहां से पढ़ाई कर रहे हैं, उस संस्थान के संपर्क में रहें और उससे अच्छे संबंध रखें। आम तौर पर ओपीटी 1 साल के लिए ही होता है। मगर यदि आपने साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग या गणित में डिग्री ली है, तो आप ओपीटी को अतिरिक्त 17 महीनों के लिए बढ़वा सकते हैं। एच1बी वीसा ऐसे लोगों के लिए है, जो किसी स्पेशिएलिटी ऑक्युपेशन में काम करते हैं। यह एक पिटिशन-बेस्ड वीसा है, यानी आपकी ओर से आपकी कंपनी इसके लिए यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (यूएससीआईएस) के समक्ष आवेदन करेगी। एच1बी वीसा प्राप्त करने के लिए आपको किसी यूएस एम्बेसी या कॉन्सुलेट में इंटरव्यू के लिए आना पड़ेगा। एच1बी वीसा पर आप अमेरिका में 3 साल तक काम कर सकते हैं। इसकी अवधि बढ़वाने के विकल्प भी हैं मगर कुल मिलाकर आप एच1बी वीसा पर अमेरिका में अधिकतम 6 वर्ष तक ही काम कर सकते हैं।

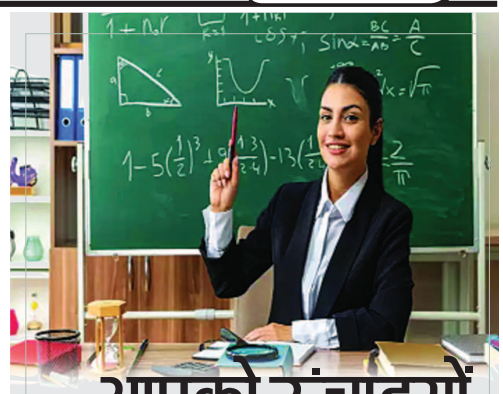

आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे ये करियर ऑप्शन

आज हम आपको बताने जा रहे हैं गणित में 8 ऐसे करियर ऑप्शन जो आपको ऊंचाइयों पर ले जाएंगे।

छात्रों के बीच गणित विषय को कठिन विषय समझा जाता है, इसका नाम सुनते ही बहुत से छात्र दूर भागते हैं। परंतु यदि प्रारंभ से ही गणित विषय को सही प्रकार से हैंडिल किया जाए तो आपकी गणित पर अच्छी पकड़ हो सकती है। गणित विषय का अर्थ केवल जोड़ना, घटाना, गुणा और भाग देना नहीं है। इस विषय में उच्च शिक्षा लेकर करियर की अपार संभावनाएं हैं। गणित विषय मनुष्य की ज्ञान की एक उपयोगी तथा आकर्षक शाखा है। इसमें अध्ययन के कई क्षेत्रों को शामिल किया गया है। भारत में प्राचीन काल से ही गणित की एक सुदृढ़ परंपरा रही है। प्राचीन काल के कई गणितज्ञों आर्यभट्ट, वराह मिहिर, महावीराचार्य, ब्रह्मगुप्त, श्रीधराचार्य इत्यादि ने तथा आधुनिक काल में डॉ गणेश प्रसाद, प्रोफेसर बीएन प्रसाद, श्रीनिवास रामानुजन इत्यादि ने गणित की सुदृढ़ नींव रखी है।

इकोनॉमिस्ट

एक इकोनॉमिस्ट आर्थिक रुझानों का अन्वेषण करके मूल्यांकन करता है। भविष्य को लेकर पूर्वानुमान जारी करता है। वह विभिन्न विषयों जैसे महंगाई, कर, ब्याज दर, रोजगार का स्तर आदि का डेटा संग्रह करता है। उस पर अनुसंधान करता है और विश्लेषण करता है। अर्थशास्त्री बनने के लिए गणित विषय को जरूरी माना जाता है। एक अर्थशास्त्री बनने के लिए अर्थशास्त्र में बैचलर डिग्री होना और गणित पर अच्छी पकड़ होना आवश्यक है। इसके बाद अर्थशास्त्र, इकोमेट्रिक्स, ऐप्लाइड इकोनॉमिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होना चाहिए।

सॉफ्टवेयर इंजीनियर

सॉफ्टवेर इंजीनियरिंग के छात्रों के करियर की नीव शुरू ही गणित के ज्ञान से होती है। सॉफ्टवेयर इंजीनियरों का काम सॉफ्टवेयर डिजाइन करना और उसे डेवलप करना होता है। इस काम में छात्रों को कम्प्यूटर साइंस के साथ-साथ मैथ्स की थ्योरी और उनके सिद्धांतों का प्रयोग करना पड़ता है। इस क्षेत्र में एक्सपर्ट छात्रों के लिए बहुत अच्छे विकल्प मौजूद है तथा अगले 10 वर्षों में इस क्षेत्र में काफी संभावनाएं आने वाली हैं जो छात्रों के हित में मददगार साबित होंगे।

स्टैटिस्टिक्स

गणित पर जिनको महारत हासिल है उनके लिए स्टैटिस्टिक्स में कैरियर बनाना बहुत अच्छा विकल्प है। सांख्यिकीविद को डाटा का विश्लेषण करना, परिणामों को पाइ चार्ट्स, बार ग्राफ, टेबल के रूप में प्रस्तुत करने का काम करना होता है। हेल्थ केयर, शिक्षा सहित कई क्षेत्रों में सांख्यिकीविद की काफी मांग होती है। सांख्यिकीविद बनने के लिए आपके पास मैथमेटिक्स स्टैटिस्टिक्स में स्नातक की डिग्री या फिर स्टैटिस्टिक्स में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री होनी चाहिए।

चार्टर्ड एकाउंटेंट

चार्टर्ड एकाउंटेंट बनने का पहला रूल ही गणित में दक्ष होना है। क्योंकि चार्टर्ड एकाउंटेंट यानि कि सीए का पूरा काम एकाउंटिंग, ऑडिटिंग और टैक्सेशन से जुड़ा होता है। अर्थव्यवस्था में तेजी से वृद्धि के चलते फाइनेंस और एकाउंट से जुड़े क्षेत्रों में करियर के काफी स्कोप जुड़ते जा रहे हैं जो गणित में रूचि रखने वाले छात्रों के लिए एक अच्छा करियर विकल्प का मार्ग है।

ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट

इससे जुड़े काम को एप्लाइड मैथ्स और फॉर्मल साइंस की एक शाखा के रूप में ही समझा जाता है। इसमें आधुनिक लॉजिकल विधियों जैसे की स्टैटिस्टिकल एनालिसिस और मैथमेटिकल ऑप्टिमाइजेशन का प्रयोग किया जाता है। ऑपरेशन रिसर्च एनालिस्ट इन्हीं आधुनिक विधियों कि मदद से मैनेजर को सही निर्णय लेने और समस्याओं के समाधान के लिए सुझाव प्रदान करते है।

बैंकिंग

अगर आपकी गणित में अच्छी पकड़ है तो आप बैंकिंग क्षेत्र में आप एकाउंटेंट, कस्टमर सर्विस, फ्रंट डेस्क, कैश हैंडलिंग, एकाउंट ओपनिंग, करंट एकाउंट, सेविंग एकाउंट, लोन प्रोसेसिंग ऑफिसर, सेल्स एग्जीक्यूटिव, रिकवरी ऑफिसर के प्रोफाइल्स के लिए भी कोशिश कर अपना भविष्य बना सकते है क्यूंकि इन सभी में मैथमेटिकल स्किल्स का होना जरूरी है।

मैथमेटिशियन

अगर आप मैथ को दिल से प्यार करते हैं और इसमें सबसे ज्यादा माहिर हैं, तो मैथमेटिशियन बनना आपके लिए सबसे बेस्ट होगा। यह ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो मैथ्स के बुनियादी क्षेत्र का अध्ययन या रिसर्च संबंधी कार्य करते हैं। इसके अलावा ये लॉजिक, ट्रांसफार्मेशन, नंबर आदि समस्याओं का निर्धारण करते हैं। इस क्षेत्र में भी मैथ्स का ज्ञान होना बहुत जरूरी है तथा इस क्षेत्र में छात्र अच्छा मुकाम हासिल कर सकते हैं।

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट

कम्प्यूटर सिस्टम एनालिस्ट आईटी टूल्स का उपयोग करते हुए किसी भी एंटरप्राइजेज को लक्ष्य पूरा करने में मदद पहुंचाते हैं। यदि आपको गणित का ज्ञान नहीं तो आप आगे नहीं बढ़ सकते और इसी के विपरीत यदि आपका गणित के प्रति रुझान है तो आप आसानी से अपने काम को पूरा कर सकते हैं। ज्यादातर सिस्टम एनालिस्ट अपना काम कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के जरिए करते हैं तथा इसे ठीक तरह से समझने के लिए गणित पहली नींव है।

उत्साह और जुनून के साथ देशभक्ति

वायु सेना में करियर

भारतीय वायु सेना में करियर बनाने के लिए ऊर्जावान, उत्साही युवाओं की हमेशा मांग रहती है। क्या आप इस प्रोफाइल में फिट बैठते हैं। एयर फोर्स, यानी वायु सेना में करियर को प्रतिष्ठित माना जाता है और युवाओं में यह खासा लोकप्रिय भी है। इस फील्ड में यदि आप करियर बनाते हैं, तो आपका नाता देश सेवा, नवीनतम टेक्नोलॉजी और उत्कृष्ट शारीरिक मानसिक कौशल से होगा।

भारतीय वायु सेना को ऐसे युवाओं की जरूरत है, जो ऊर्जावान हों, पैशनेट हों, उत्साही हों और जो अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हों। मगर ध्यान रहे, एयर फोर्स का हिस्सा होने में खासे परिश्रम की जरूरत होती है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कड़ी है। इसमें प्रेक्टिकल टेस्ट, रिटन टेस्ट, फिजिकल तथा मेडिकल टेस्ट, सायकोलॉजिकल टेस्ट, इंटरव्यू, ग्रुप टास्क आदि शामिल होते हैं।

कैसे हों शामिल

भारतीय वायु सेना में शामिल होने के लिए आपको राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) की प्रवेश परीक्षा में बैठना होगा। यदि आपकी उम्र साढ़े 16 साल से 19 साल है, आप भारतीय नागरिक हैं और आपने फिजिक्स तथा मैथ्स विषयों के साथ 12वीं पास की है, तो आप इस परीक्षा में बैठ सकते हैं। चयन के बाद उम्मीदवारों को राष्ट्रीय रक्षा अकादमी में 3 साल की गहन ट्रेनिंग दी जाती है। इसकी समाप्ति पर एयर फोर्स अकादमी में स्पेशलाइज्ड ट्रेनिंग होती है। ग्रेजुएट भी एयर फोर्स का हिस्सा बन सकते हैं। आरंभिक चयन के बाद शॉर्ट-लिस्ट किए गए उम्मीदवारों को एयर फोर्स ट्रेनिंग संस्थान में भेजा जाता है।

कौन-कौन सी ब्रांच

एयर फोर्स में करियर के अवसरों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है : फ्लाइंग ब्रांच, टेक्निकल ब्रांच तथा ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच।

फ्लाइंग ब्रांच

इस ब्रांच में विभिन्न श्रेणियों के पायलटों का चयन कर उन्हें प्रशिक्षित किया जाता है। इस ब्रांच में आकर आपको उड़ान भरने के भरपूर मौके मिलेंगे। इसमें हैलिकॉप्टर पायलट, फाइटर पायलट तथा ट्रांसपोर्ट पायलट के रूप में ग्रेजुएट्स तथा पोस्ट ग्रेजुएट्स के लिए अनेक अवसर हैं। पायलट ट्रेनिंग हैदराबाद से 43 किलोमीटर दूर डंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी में दी जाती है। इस ब्रांच में शामिल होने के बाद आपको आपके डेजिग्जनेशन, ट्रेनिंग व अनुभव के आधार पर विभिन्न मिशनों का हिस्सा बनाया जाएगा।

टेक्निकल ब्रांच

एयर फोर्स की टेक्निकल ब्रांच अत्याधुनिक विमानों तथा शस्त्रों के सही संचालन को सुनिश्चित करती है। यह विमानों के मेंटेनेंस तथा सर्विसिंग और एयर फोर्स स्टेशन पर कम्युनिकेशन तथा सिग्नल से संबंधित कार्यों को करने के लिए क्रमश: मैकेनिकल तथा इलेक्ट्रॉनिक्स विभागों से एयरोनॉटिकल इंजीनियर्स को नियुक्त करती है।

ग्राउंड ड्यूटी ब्रांच

यह ब्रांच मानव तथा अन्य संसाधनों का प्रबंधन कर वायु सेना का संचालन करती है। दरअसल यह एक ब्रांच न होकर इसमें अनेक ब्रांच समाहित हैं, जैसे : एडमिनिस्ट्रेशन ब्रांच, जिसके अधिकारी समस्त संसाधनों के कुशल प्रबंधन को सुनिश्चित करते हैं। इसके कुछ अधिकारी एयर ट्रैफिक कंट्रोलर व फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में भी काम करते हैं। इसी प्रकार अकाउंट्स ब्रांच में अकाउंट्स संबंधी तमाम काम किए जाते हैं। लॉजिस्टिक्स ब्रांच के अधिकारियों को कपड़ों से लेकर विमानों के पुर्जों तक तमाम तरह के सामान का प्रबंधन करना होता है। एजुकेशन ब्रांच के अधिकारी भविष्य के वायु सैनिकों को अच्छी से अच्छी शिक्षा तथा प्रशिक्षण सुनिश्चित करते हैं। मीटियॉरोलॉजी ब्रांच के अधिकारी उड़ान भर रहे पायलटों को गाइड कर उनकी उड़ान सुरक्षित करने में मदद करते हैं।

ट्रायम्फ ने भारत में नई टाइगर 1200 एडवेंचर को चार संस्करणों में पेश किया

मुंबई । ब्रिटेन के प्रीमियम मोटरसाइकिल ब्रांड ट्रायम्फ ने भारत में नई टाइगर 1200 एडवेंचर मोटरसाइकिल को चार संस्करणों में पेश किया। इन गाड़ियों की शुरुआती शोरूम कीमत 19.19 लाख रुपये है। कंपनी ने कहा कि नई टाइगर 1200 मोटरसाइकिल के सभी संस्करणों में प्रो संस्करण-जीटी प्रो और रैली प्रो तथा लंबी दूरी के संस्करण -जीटी एक्सप्लोरर और रैली एक्सप्लोरर शामिल हैं। इस पेशकश के साथ ट्रायम्फ के पास अब भारत में प्रीमियम खंड में नौ मोटरसाइकिलों का एक मजबूत पोर्टफोलियो है। कंपनी ने कहा कि टाइगर एडवेंचर श्रृंखला में अब स्पोर्ट 660, 850 स्पोर्ट, 900 जीटी, 900 रैली, 900 रैली प्रो, 1200 जीटी प्रो, 1200 रैली प्रो, 1200 जीटी एक्सप्लोरर और 1200 रैली एक्सप्लोरर शामिल हैं।कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, हम भारत में एडवेंचर बाइक श्रृंखला में टाइगर 1200 गाड़ियों को शामिल करके उत्साहित हैं। इस पेशकश के साथ कंपनी ने अपनी उपस्थिति को और मजबूत किया है।''

श्रीलंका ने ईंधन खरीद के लिए भारत से 50 करोड़ डॉलर का कर्ज मांगा

कोलंबो । विदेशी मुद्रा संकट के बीच श्रीलंका के मंत्रिमंडल ने पेट्रोलियम उत्पादों की खरीद के लिए भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ अमेरिकी डॉलर का कर्ज मांगने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। श्रीलंका पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल खत्म होने से रोकने के सभी संभव उपाए कर रहे है। देश में विदेशी मुद्रा संकट के चलते आयात के लिए भुगतान करने में दिक्कत हो रही है। ऊर्जा मंत्री कंचना विजेसेकेरा ने मंगलवार को कहा कि सोमवार को हुई मंत्रिमंडल की बैठक में, ईंधन खरीदने के लिए भारतीय एक्जिम बैंक से ऋण लेने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि श्रीलंका को पहले ही तेल खरीद के लिए भारतीय एक्जिम बैंक से 50 करोड़ डॉलर और भारतीय स्टेट बैंक से 20 करोड़ डॉलर मिल चुके हैं। ईंधन संकट के बीच श्रीलंका ने मंगलवार को पेट्रोल की कीमतों में 24.3 प्रतिशत और डीजल की कीमतों में 38.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी की। पड़ोसी देश में 19 अप्रैल के बाद ईंधन कीमतों में यह दूसरी बढ़ोतरी है। इसके साथ ही सबसे अधिक इस्तेमाल किए जाने वाले ऑक्टेन 92 पेट्रोल की कीमत 420 रुपये (1.17 डॉलर) प्रति लीटर और डीजल की कीमत 400 रुपये (1.11 डॉलर) प्रति लीटर होगी, जो अब तक का उच्चतम स्तर है। भारत की प्रमुख तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन की श्रीलंकाई सहायक कंपनी लंका आईओसी ने भी ईंधन की खुदरा कीमतों में वृद्धि की है।

वैश्विक यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में 54वें स्थान पर फिसला भारत

दावोस । भारत वैश्विक यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में फिसलकर 54वें स्थान पर आ गया है। हालांकि, दक्षिण एशियाई देशों में यह अब भी शीर्ष पर है। देश इस सूचकांक में 2019 में 46वें स्थान पर था। वैश्विक सूची में जापान शीर्ष पर है। उसके बाद क्रमशः अमेरिका, स्पेन, फ्रांस, स्विट्जरलैंड, आस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, सिंगापुर और इटली का स्थान आता है। विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के दो साल पर जारी होने वाले यात्रा और पर्यटन क्षेत्र पर अध्ययन से यह भी पता चलता है कि यह क्षेत्र महामारी से उबर रहा है, लेकिन पुनरुद्धार अभी असंतुलित है और चुनौतियां कायम हैं। यात्रा और पर्यटन विकास सूचकांक में 117 अर्थव्यवस्थाओं का आकलन किया गया है। विश्व आर्थिक मंच में विमानन, यात्रा और पर्यटन मामलों के प्रमुख लॉरेन अपिंक ने कहा, कोविड-19 महामारी की रोकथाम के लिए लगाई गई पाबंदियों ने अर्थव्यवस्थाओं में यात्रा और पर्यटन के महत्वपूर्ण योगदान को फिर से रेखांकित किया है। उन्होंने कहा दुनिया अब महामारी से उबर रही है, ऐसे में अर्थव्यवस्थाओं को यात्रा और पर्यटन अनुभवों को कई दशकों तक बेहतर बनाने को लेकर एक मजबूत परिवेश तैयार करने की जरूरत है। अंतरराष्ट्रीय पर्यटन और कारोबारी यात्रा अब भी महामारी-पूर्व स्तर से नीचे है, लेकिन तेजी से टीकाकरण और घरेलू तथा प्रकृति से जुड़े पर्यटन की मांग से क्षेत्र में गतिविधियां मजबूत हो रही हैं।

शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।
मुम्बई शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही आईटी कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली से घरेलू बाजार नीचे आया है। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 236 अंक तकरीबन 0.43 फीसदी गिरकर 54,052.61 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर वह उसके कायम नहीं रख पाया। यह एक समय 54,524.37 अंक के उच्च स्तर तक जाने के बाद 53,886.28 अंक के निचले स्तर तक भी पहुंचा। वहीं इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 89.55 अंक तकरीबन 0.55 फीसदी की गिरावट के साथ ही 16,125.15 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, एशियन पेंट्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, इन्फोसिस, एक्सिस बैंक और बजाज फिनसर्व के शेयरों को नुकसान हुआ जबकि दूसरी ओर डॉ रेड्डीज, एचडीएफसी, पावरग्रिड, कोटक महिंद्रा बैंक, एचडीएफसी बैंक और नेस्ले के शेयर लाभ में रहे। कारोबार के दौरान दवा , धातु, उपभोक्ता क्षेत्र के अलावा उर्जा और रीयल्टी इंडेक्स नीचे आये जबकि बीएसई मिडकैप इंडेक्स भी 0.8 फीसदी गिरे। स्माल कैप इंडेक्स भी 1 फीसदी फिसले। सुबह बाजार की शुरुआत तेजी से हुई पर कुछ देर बाद ही बिकवाली हावी होने से बाजार नीचे आने लगा और इसके बाद दिन भर यही हाल रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी गिरावट रही। चीन का शंघाई कंपोजिट, दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। इसके अलावा यूरोपीय बाजार भी नीचे आये हैं।

चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम 30 मई को जारी करेगी एलआईसी

नई दिल्ली ।
सार्वजनिक क्षेत्र की बीमा कंपनी जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के निदेशक मंडल की इस माह के अंत में बैठक होने वाली है, जिसमें कंपनी के बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही के वित्तीय नतीजों की घोषणा की जाएगी। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कंपनी ने कहा कि उसके निदेशक मंडल की बैठक 30 मई 2022 को होगी। एलआईसी 17 मई को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध हुई है। कंपनी ने कहा कि निदेशक मंडल की बैठक में चौथी तिमाही के एकल और एकीकृत वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाएगा और उसे मंजूरी दी जाएगी। कंपनी ने कहा कि बैठक में लाभांश भुगतान पर भी विचार किया जा सकता है। एलआईसी का आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) अपने निर्गम मूल्य से आठ प्रतिशत नीचे सूचीबद्ध हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर एलआईसी का शेयर 8.11 प्रतिशत के नुकसान के साथ 872 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ था। जबकि, शेयर का निर्गम मूल्य 949 रुपए था।

सुप्रीम कोर्ट ने कोकाकोला बॉटलिंग इकाई पर 15 करोड़ जुर्माने के एनजीटी के आदेश पर रोक लगाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अमेरिकी कंपनी कोका कोला की बॉटलिंग इकाई मून बेवरेजेज पर पर्यावरणीय उल्लंघन के मामले में राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा लगाए गए 15 करोड़ रुपए के जुर्माने पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति एल नागेश्वर राव, न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ ने मून बेवरेजेज की तरफ से दायर याचिका पर गाजियाबाद के निवासी को नोटिस भी जारी किया है, जिसकी शिकायत के आधार पर एनजीटी ने फैसला दिया था। पीठ ने कहा एनजीटी की प्रधान पीठ के 25 फरवरी, 2022 को जारी आदेश को लागू करने पर रोक रहेगी। शीर्ष अदालत ने मून बेवरेजेज लिमिटेड की तरफ से एनजीटी के फैसले के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई के बाद यह रोक लगाई है। एनजीटी ने कंपनी की ग्रेटर नोएडा इकाई पर 1.85 करोड़, साहिबाबाद इकाई पर 13.24 करोड़ और वरुण बेवरेजेज लिमिटेड की ग्रेटर नोएडा इकाई पर 9.71 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया था। इसके अलावा एनजीटी ने एक संयुक्त समिति भी गठित की थी जिसमें पर्यावरण मंत्रालय, जल शक्ति मंत्रालय, सीजीडब्ल्यूए, यूपीजीडब्ल्यूडी और संबंधित जिलों के जिला मजिस्ट्रेट शामिल थे। एनजीटी ने गाजियाबाद निवासी सुशील भट्ट की याचिका पर जुर्माना लगाने का निर्देश दिया था। भट्ट ने अपनी याचिका में मनमाने तरीके से भूजल को निकालने का आरोप लगाया था। याचिका में कहा गया था कि क्षेत्र में भूजल का वैसे ही संकट है, ऐसे में इन इकाइयों द्वारा अविवेकपूर्ण और मनमाने तरीके से जल निकाला जा रहा है।

देश के आठ प्रमुख शहरों में आवासीय इकाइयों की कीमतों में 11 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी

मुंबई ।
देश के आठ प्रमुख शहरों में जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान आवासीय इकाइयों की कीमतों में सालाना आधार पर 11 प्रतिशत तक बढ़ी है। इस दौरान मांग बढ़ने और निर्माण लागत में तीव्र बढ़ोतरी से घरों की कीमतें बढ़ीं। रिपोर्ट के मुताबिक, दिल्ली-एनसीआर के इलाके में सबसे ज्यादा 11 प्रतिशत कीमतें बढ़ीं और जनवरी-मार्च तिमाही में आवासीय इकाइयों की कीमत 7,363 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच गई। हैदराबाद में एक साल पहले की तुलना में जनवरी-मार्च, 2022 की अवधि में आवासीय इकाइयों की कीमत नौ प्रतिशत बढ़कर 9,232 रुपये प्रति वर्ग फुट पहुंच गई। इस तिमाही में अहमदाबाद में कीमतें आठ प्रतिशत बढ़कर 5,721 रुपये प्रति वर्ग फुट और कोलकाता में छह प्रतिशत बढ़कर 6,245 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गईं।

हालांकि बेंगलुरु, चेन्नई और मुंबई महानगर क्षेत्र में घरों की कीमतों में सिर्फ एक प्रतिशत की ही बढ़ोतरी हुई। इन तीनों रियल एस्टेट बाजारों में आवासीय इकाइयों की कीमत क्रमशः 7,595 रुपये, 7,107 रुपये और 19,557 रुपये प्रति वर्ग फुट हो गई। पुणे में घरों की कीमत में एक साल पहले की तुलना में तीन प्रतिशत की तेजी देखी गई और यह 7,485 रुपये प्रति वर्ग फुट पर पहुंच गई। पिछले दो साल से निर्माण सामग्रियों के भाव भी आसमान छूने लगे हैं। इसकी वजह से सालाना आधार पर घरों के दाम सभी आठों शहरों में कोविड-पूर्व स्तर से आगे निकल चुके हैं।'' रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में औसत आवासीय कीमतें लंबी सुस्ती के बाद जनवरी-मार्च, 2022 की तिमाही में एक साल पहले की तुलना में चार प्रतिशत बढ़ी। यह दर्शाता है कि आवास बाजार अब पुनरुद्धार की राह पर चल रहा है। बाजार जानकार ने कहा, अगली दो-तीन तिमाहियों में घरों की कीमत में अभी 5-10 प्रतिशत की और बढ़ोतरी का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा, अपने इस्तेमाल के लिए घर लेने वालों को बाजार में भरोसा है और विश्वसनीय डेवलपरों के प्रति झुकाव होने से इस साल उनकी बिक्री अधिक हो सकती है। प्रापर्टी बाजार से जुड़े एक अन्य जानकार ने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में नई आवासीय परियोजनाओं की शुरुआत महामारी-पूर्व के स्तर पर पहुंच गई। ब्याज दरों में हालिया वृद्धि के बावजूद घरों की बिक्री में तेजी बनी रहेगी।

शेयर बाजार में उथल-पुथल- शीर्ष निवेशक मार्कमोबियस बोले- जितना टूट चुका, उतना ही और गिर...

नई दिल्ली ।
अनिश्चितता के बीच झूल रहे भारतीय शेयर बाजार में लंबे अंतराल से उथल-पुथल का क्रम चल रहा है। मंगलवार को भी निफ्टी हरे निशान में खुला, लेकिन कुछ समय बाद ही इसमें गिरावट आ गई। आज यह सूचकांक 89.55 अंकों की गिरावट के साथ 16,125.15 पर बंद हुआ है। यह अपने ऑल टाइम हाई से अब तक 13 फीसदी नीचे आ चुका है। दुनिया के दिग्गज निवेशक मार्क मोबियस का कहना है कि दुनियाभर के शेयर बाजारों में गिरावट जारी है। इस मंदी से भारतीय बाजार भी अछूते नहीं है। उनका कहना है कि भले ही भारतीय शेयर बाजार में गिरावट आए, परंतु अन्य शेयर बाजारों की तुलना में भारतीय शेयर बाजार का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। इसलिए इसमें निवेशकों को निवेश करते रहना चाहिए।

मनीकंट्रोल डॉट कॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, दुनिया के दिग्गज निवेशक मार्क मोबियस ने एक इंटरव्यू में कहा है कि भारतीय शेयर बाजार में अभी और गिरावट आएगी। भारतीय बाजार अपने ऑल टाइम हाई से 30 फीसदी तक फिसल सकते हैं। केवल भारतीय बाजार ही नहीं गिर रहे हैं बल्कि अन्य शेयर बाजार भी अब मंदी की चपेट में हैं।

मोबियस कैपिटल पार्टनर्स एलएलपी के फाउंडर और दुनिया के दिग्गज निवेशक का कहना है कि दूसरे बाजारों की तुलना में भारतीय बाजार का प्रदर्शन अच्छा रहेगा। मोबियस ने निवेशकों को सलाह दी है कि ऐसी भारतीय कंपनियों में निवेश करना चाहिए जिन पर कम कर्ज है और जिनकी प्राइसिंग पावर मजबूत है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले काफी दिनों से गिरावट जारी है। निफ्टी 50 अपने ऑल टाइम हाई 18,604 से अब तक 13 फीसदी टूट चुका है। निफ्टी में साल 2022 में अब तक 8.49 फीसदी लुढ़क चुका है। पिछले छह महीनों में इसमें 7.38 फीसदी की गिरावट आई है। पिछले महीने में ही इसने 4.86 फीसदी का गोता लगाया है। इसी तरह बीएसई सेंसेक्स भी वर्ष 2022 में अब तक 8174 फीसदी टूट चुका है। पिछले एक महीने में इसमें 4.54 फीसदी की गिरावट आई है तो पिछले छह महीने में यह 7.42 फीसदी टूट चुका है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पिछले 8 महीनों के दौरान भारतीय इक्विटी बाजार में करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है।

ओयो की सितंबर के बाद आईपीओ लाने की योजना

नयी दिल्ली ।
आतिथ्य सत्कार और यात्रा क्षेत्र की प्रौद्योगिकी फर्म ओयो सितंबर के बाद अपना प्रारंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) लाने की योजना बना रही है। कंपनी ने इस संबंध में बाजार नियामक सेबी को पत्र लिखकर अपने आवेदन को अद्यतन करने का अनुरोध किया है। कंपनी ने आईपीओ के जरिए 8,430 करोड़ रुपए जुटाने के लिए पिछले साल अक्टूबर में सेबी के पास आवेदन किया था। इस मामले की जानकारी रखने वाले लोगों ने बताया कि कंपनी अब 11 अरब अमेरिकी डॉलर के मुकाबले लगभग 7-8 अरब अमेरिकी डॉलर के कम मूल्यांकन पर तैयार है। उन्होंने कहा कि कंपनी सितंबर तिमाही के बाद आईपीओ इसलिए लाना चाहती है, क्योंकि तब तक उसे वित्तीय प्रदर्शन में सुधार की उम्मीद है। साथ ही तब तक बाजार दशाएं अनुकूल हो सकती है। इस बारे में संपर्क करने पर ओयो ने टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

केंद्र गेहूं के बाद अब चीनी निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी में

नई दिल्ली ।

केंद्र की भाजपानीत मोदी सरकार गेहूं की तरह चीनी के निर्यात पर भी प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक घरेलू कीमतों में उछाल को रोकने के लिए सरकार करीब छह साल में पहली बार चीनी निर्यात को प्रतिबंधित कर सकती है। यह भी संभव है कि सरकार इस सीजन के निर्यात को 10 मिलियन टन पर सीमित कर दे। आपको बता दें कि भारत विश्व का सबसे बड़ा चीनी उत्पादक है। वहीं, ब्राजील के बाद दूसरा सबसे बड़ा निर्यातक है। भारत ने सितंबर को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में 18 मई तक 75 लाख टन चीनी का निर्यात किया है।

भारत से प्रमुख आयातक देश इंडोनेशिया, अफगानिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, संयुक्त अरब अमीरात, मलेशिया और अफ्रीकी देश हैं। विपणन वर्ष 2017-18, 2018-19, 2019-20 में क्रमशः लगभग 6.2 लाख टन, 38 लाख टन और 59.60 लाख टन चीनी का निर्यात किया गया था। उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र तथा कर्नाटक की देश में कुल चीनी उत्पादन में लगभग 80 प्रतिशत की हिस्सेदारी है। देश के अन्य प्रमुख गन्ना उत्पादक राज्यों में आंध्र प्रदेश, गुजरात, मध्य प्रदेश, ओडिशा, तमिलनाडु, बिहार, हरियाणा तथा पंजाब शामिल हैं।

उद्योग मंत्री पीयूष गोयल बोले- सेवा क्षेत्र के निर्यात पर अधिक बल देने की आवश्यकता

दावोस ।
देश के वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 'सेवा क्षेत्र के निर्यात' पर अधिक ध्यान देने की बात पर बल दिया है। उन्होंने मंगलवार को कहा कि इससे देश के कुल निर्यात को और बढ़ावा मिलेगा। इसके साथ ही उन्होंने सरकार और व्यवसायों से एक-दूसरे का समर्थन करने का भी आह्वान किया है। विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक, 2022 के मौके पर भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और डेलॉइट द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में गोयल ने कहा कि दावोस में इस बार भारत की उपस्थिति बहुत ही उल्लेखनीय रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि कोविड-19 महामारी से उत्पन्न चुनौतियों के बीच आपूर्ति श्रृंखलाओं के तनावपूर्ण होने के बावजूद भी हमने निर्यात और अन्य मापदंडों के मामले में बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। गोयल के मुताबिक, 250 अरब डॉलर के निर्यात का रिकॉर्ड स्तर आतिथ्य क्षेत्र के बिना हासिल किया गया। कुछ अन्य प्रमुख क्षेत्रों और सेवा क्षेत्र पर अधिक ध्यान देने से निर्यात को और बढ़ाने में मदद मिलेगी। गोयल ने विदेशी कंपनियों से भारत में निवेश करने का आग्रह भी किया।

एमपी-बड़वानी के किसान का कारनामा, पैदा कर रहे 13 इंच लंबा केला, अंबानी की कंपनी भी मुरीद, ईरान-इराक तक मांग

बड़वानी ।
मध्य प्रदेश के बड़वानी जिले में एक किसान ने नए प्रयोग करते हुए केले की फसल को समृद्ध किया यहां उपजने वाला केला देश सहित विदेश में भी अपनी पहचान बना रहा है। यहां अब एक किसान के खेत में 13 इंच लंबे केले उगे हैं। कृषि वैज्ञानिकों ने भी पहली बार इतनी बड़ी साइज का केला बड़वानी में देखा है। तलून स्थित कृषि विज्ञान केंद्र के उद्यानिकी वैज्ञानिक डीके जैन भी केले की लंबाई को देखकर हैरान हैं। उन्होंने कहा कि अब तक इस जिले में आमतौर पर 8 से 9 इंच तक लंबे केले ही उपजते थे, लेकिन यह पहला मामला है। जिले में बगूद गांव के किसान अरविंद जाट ने सवा 6 एकड़ जमीन पर केले की फसल रोपी थी। अब उनके यहां उम्मीद से बढ़कर अच्छी गुणवत्ता वाले केले उपजने शुरू हो गए हैं। इन केलों की लंबाई औसतन 13 इंच है और एक केले का वजन करीब 250 ग्राम है। किसान ने बताया कि पिछले सप्ताह ही दिल्ली से आए अंबानी की रिलायंस कंपनी के कर्मचारी केला खरीद कर ले गए। गुरुवार को ही 10 से 12 टन केले की फसल इरान और इराक भेजी गई है। उन्होंने बताया कि केले की फसल को तैयार करने में जो लागत आई है, उससे तीन गुना कीमत में फसल

बिक रही है। अरविंद जाट केले की खेती पिछले 37 साल से कर रहे हैं, इसलिए उन्हें अनुभव हो गया कि फसल के लिए किस तरह के खाद की कब और कैसी जरूरत है। उसी के हिसाब से फसल में खाद का उपयोग किया गया। नतीजा यह निकला कि फसल बहुत अच्छी क्वालिटी की पैदा हुई और अब विदेशों तक सप्लाई हो रही है। किसान ने बताया कि स्थानीय व्यापारी कम भाव में केला खरीदी करते हैं। वहीं, केला कटाई की मजदूरी भी किसान से लेते हैं, जबकि विदेश केला भेजने पर मजदूरी भी नहीं लगती और महंगा भी बिक जाता है। साथ ही लोकल व्यापारी वेस्टेज केले को खेत पर ही छोड़कर चले जाते हैं, लेकिन विदेश केले भेजने वाली कंपनी मुख्य केले के भाव ही वेस्टेज माल को भी खरीद लेती है। किसान अरविंद जाट ने बताया कि इसी मई महीने में केले की दो गाड़ियां भरकर स्थानीय व्यापारियों को बेची हैं, जिनका 7 रुपए किलो में सौदा हुआ।

पेट्रोल और डीजल के बाद केंद्र सरकार कुछ और राहतें देने पर कर रही विचार

नई दिल्ली ।
बढ़ती महंगाई के बीच केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल पर एक्साइज ड्यूटी में बड़ी कटौती और रसोई गैस पर गरीबों को 200 रुपये की सब्सिडी देने के बाद कुछ और राहतों पर विचार कर रही है। पूरे मामले की जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि एडिबल ऑइल जैसी चीजों पर कस्टम ड्यूटी घटाई जा सकती है। इसके अलावा आयात होने वाले कुछ कच्चे माल पर भी राहत मिल सकती है। इससे कई उत्पादों के दामों में कमी आ सकती है। कई आयातों पर एग्रिकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर डिवेलपमेंट सेस लगता है। उस पर भी कटौती किए जाने पर विचार चल रहा है। दरअसल सरकार महंगाई को थामने पर विचार कर रही है ताकि ब्याज दरों में इजाफा होने से अर्थव्यवस्था पटरी से न उतरने पाए। वित्त मंत्रालय और पीएमओ के अधिकारियों ने पिछले सप्ताह इस संबंध में मीटिंग की थी। शायद उसके बाद ही पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस पर राहत का फैसला लिया गया। अब अगले चरण में कुछ और चीजों में राहत दी जा सकती है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि हमारा टारगेट यह है कि महंगाई में 60 से 70 बेसिस पॉइंट्स की कमी कर दी जाए। माना जा रहा है कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों में ही कमी करने से 40 बेसिस पॉइंट्स तक की कमी आ सकती है। बता दें कि अप्रैल में रिटेल महंगाई दर बेकाबू होकर 8 सालों के शीर्ष पर पहुंचते हुए 7.79 फीसदी हो गई थी। महंगाई दर के आंकड़ों में एक बेसिस पॉइंट का अर्थ 0.01 प्रतिशत होता है। पाम ऑइल पर इंपोर्ट ड्यूटी को पहले ही सरकार कम कर चुकी है। कैनोला, राइस ब्रैन, ओलिव ऑइल आदि पर टैक्स कटौती किए जाने का विचार चल रहा है। इन सभी पर इंपोर्ट ड्यूटी में 35 फीसदी तक की कमी की जा सकती है। कुछ ऐसे रॉ मैटेरियल्स पर भी सरकार छूट देने का प्लान बना रही है, जिनके लिए भारत पूरी तरह से आयात पर ही निर्भर रहता है। फिलहाल सरकार ने कॉमर्स मिनिस्ट्री से उन उत्पादों की लिस्ट मंगाई है, जिन पर टैक्स में कटौती करके महंगाई में राहत दी जा सके। इसके अलावा सरकार की एक बड़ी कोशिश यह भी है कि पाम ऑइल पर निर्भरता कम की जा सके। पिछले दिनों इंडोनेशिया ने पाम ऑइल एक्सपोर्ट पर बैन लगा दिया था। अब भले ही इंडोनेशिया ने बैन हटा दिया है और कीमतों में कमी आ गई है, लेकिन अब सरकार इसके विकल्प के ही तलाश की कोशिश में जुटी है। भारत को हर साल 9 मिलियन टन पाम ऑइल का आयात करना पड़ता है। यह भारत की कुल एडिबल ऑइल की खपत का 40 फीसदी हिस्सा है।

आईपीएल एलिमिनेटर मुकाबले में आरसीबी और लखनऊ सुपर जाइंट्स में होगी कड़ी टक्कर

कोलकाता (एजेंसी)।

आईपीएल के 15वें सत्र में बुधवार को होने वाले एलिमिनेटर मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर (आरसीबी) और लखनऊ सुपर जाइंट्स आमने-सामने होंगे। आरसीबी इस सत्र में अपने खेल से ज्यादा किस्तम के भरोसे यहां तक पहुंची हैं और अब उसका लक्ष्य किसी भी प्रकार से यह मैच जीतना रहेगा। अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली के फार्म में आने से भी टीम का हौंसला बढ़ा है। विराट ने इस सत्र में अब तक केवल दो अर्धशतक लगाये हैं पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ अंतिम लीग मुकाबले में उन्होंने अर्धशतक लगाकर अपनी टीम को जीत दिलाने के साथ ही अपने फार्म में आने का संकेत दिया है। विराट ने जिस प्रकार अंतिम लीग मुकाबले में 54 गेंद में 73 रन बनाए उससे उनके हौंसले बुलंद हैं अब उनका लक्ष्य अगले मैच में भी बड़ा स्कोर बनाना रहेगा।

आरसीबी को प्लेऑफ में जगह भी किस्मत के सहारे ही मिली है। अंतिम लीग मुकाबले में जीत के बाद भी उसकी राह कठिन थी पर दिल्ली कैपिटल्स की मुंबई इंडियंस के हाथों हार से उसे अंतिम चार में प्रवेश मिल गया। आरसीबी को अगर लखनऊ पर

जीत चाहिये तो विराट के अलावा कप्तान फाफ डुप्लेसी , ग्लेन मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। कार्तिक ने जिस प्रकार इस सत्र में 'फिनिशर' की भूमिका निभाई है उन्हें उसे बरकरार रखना होगा। इसके अलावा गेंदबाजी में जोश हेजलवुड, वानिंदु हसरंगा और हर्षल पटेल को प्रभावशाली गेंदबाजी करते हुए लखनऊ के बल्लेबाजों पर अंकुश लगाना होगा। टीम के पास तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज भी हैं हालांकि वह अब तक इस सत्र में असफल रहे हैं जिससे टीम को नुकसान हुआ है। आरसीबी ने अब तक एक बार भी खिताब नहीं जीता है और ऐसे में डु प्लेसी उसे जीत दिलाना चाहेंगे। तीन आईपीएल फाइनल खेल चुकी आरसीबी के पास कई स्टार खिलाड़ी हैं पर वह अंतिम चरण में बिखर जाती है। अब देखना है कि शांत तरीके से कप्तानी करने वाले डु प्लेसी उसे जीत दिला पाते हैं या नहीं।

नई पिच पर होने वाले नॉकआउट मैच में आरसीबी के गेंदबाजों का सामना करना नई टीम लखनऊ के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। आरसीबी को इस मैच में कार्तिक से बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। कार्तिक को भी आईपीएल में ही अच्छे प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में फिर जगह मिली है ऐसे में वह अपने चयन को सही साबित करना चाहेंगे। इस बल्लेबाज ने अब तक 14 पारियों में 287 रन बनाये हैं वह नौ बार नाबाद रहे और उनका स्ट्राइक रेट 191.33 रहा है। वहीं दूसरी ओर लखनऊ के पास युवा तेज गेंदबाज आवेश खान और मोहसिन खान हैं जिनका सामना करना आरसीबी के बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं रहेगा। इसके अलावा उन्हें लखनऊ के दुष्मंता चामीरा और जैसन होल्डर जैसे अनुभवी गेंदबाजों का भी सामना करना होगा। वहीं बल्लेबाजी की बात करें तो यह जिम्मेदारी कप्तान लोकेश राहुल और क्विंटोन डिकॉक पर रहेगी। इन दोनो ने अबतक शानदार प्रदर्शन करते हुए एक हजार से अधिक रन बनाये हैं। इसमें केकेआर के खिलाफ 210 रन की सबसे बड़ी सलामी साझेदारी भी शामिल है। टीम की कमजोर कड़ी यह है कि उसके पास मध्यक्रम और निचले क्रम में दीपक हुड्डा को छोड़कर कोई भी ऐसा बल्लेबाज नहीं है जो इस सत्र में सफल रहा हो। मार्कस स्टोइनिस, कृणाल पंड्या, आयुष बदोनी और होल्डर मध्यक्रम में रन नहीं बना पाये हैं। ऐसे में शीर्ष बल्लेबाजों के विफल होने पर टीम की बल्लेबाजी ढ़ह सकती है।

फेंच ओपन: मेदवेदेव आसान जीत के साथ दूसरे दौर में पहुंचे

पेरिस (एजेंसी)।

रूस के दूसरे वरीय दानिल मेदवेदेव ने आसान जीत के साथ फेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में जगह बनाई। अमेरिकी ओपन चैंपियन मेदवेदेव ने अर्जेन्टीना के फाकुंडो बाग्निस को सीधे सेट में 6-2, 6-2, 6-2 से हराया।

लगभग दो महीने पहले हर्निया की सर्जरी कराने के बाद मेदवेदेव की यह पहली जीत है। पिछले हफ्ते सर्जरी के बाद वापसी करते हुए उन्हें जिनेवा ओपन के पहले दौर में शिकस्त का सामना करना पड़ा था। फेंच ओपन के पहले दौर में लगातार चार बार शिकस्त झेलने वाले मेदवेदेव पिछले साल रोलां गैरो पर क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में सफल रहे थे।

छेत्री फिट हुए , जोर्डन के खिलाफ मैत्री मैच खेलेंगे

नई दिल्ली । भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान सुनील छेत्री की छह महीने बाद वापसी हुई है। छेत्री जोर्डन के खिलाफ 28 मई को दोहा में होने वाले अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच में खेलेंगे। छेत्री अक्टूबर में सैफ चैम्पियनशिप फाइनल में नेपाल के खिलाफ हुए मैच के बाद से ही चोटिल होने के कारण टीम से बाहर थे। अब वह पूरी तरह से फिट हो गये हैं ओर खेलने के लिए तैयार हैं। भारतीय टीम के कोच इगोर स्टिमक ने कोलकाता में अभ्यास शिविर के दौरान 25 सदस्यीय टीम की घोषणा की। इसमें छेत्री के अलावा ईशान पंडित को भी टीम में शामिल किया गया है। वहीं वी पी सुहैर और रहीम अली को फिट नहीं होने के कारण टीम से जगह नहीं मिली है। भारतीय टीम 25 मई को दोहा रवाना होगी और मैत्री मैच के बाद 30 मई को स्वदेश लौटकर एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर की तैयारियां करेगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है

गोलकीपर: गुरप्रीत सिंह संधू, लक्ष्मीकांत कट्टीमणि, अमरिंदर सिंह

डिफेंडर : राहुल भेके, आकाश मिश्रा, हरमनजोत सिंह खाबरा, रोशन सिंह, अनवर अली, संदेश झिंगन, शुभाशीष बोस, प्रितम कोताल ।

मिडफील्डर: जैकसन सिंह, अनिरूद्ध थापा, ग्लान मार्टिंस, ब्रेंडन फर्नांडिस, रित्विक दास, उदांता सिंह, यासिर मोहम्मद, सहल अब्दुल समाद, सुरेश वांगजाम, आशिक कुरूनियन, लिस्टन कोलासो ।

फॉरवर्ड : ईशान पंडित , सुनील छेत्री, मनवीर सिंह ।

योग और ध्यान से मिली एकाग्रता से गेंदबाज अर्शदीप सिंह को मिली यॉर्कर डालने में महारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के बायें हाथ के युवा तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने कहा कि योग और ध्यान के जरिये उन्होंने एकाग्रता पाई जिससे परफेक्ट यॉर्कर डालने में मदद मिली जिसके दम पर वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिये भारत की टी20 टीम में जगह बना सके। 23 वर्ष के इस तेज गेंदबाज ने स्वीकार किया कि आईपीएल में उन्हें सफलता मिली लेकिन सब कुछ उन्हें अपनी मेहनत से अर्जित करना पड़ा। अपनी मर्जी के हिसाब से यॉर्कर डालने का हुनर कुदरती भले ही हो लेकिन आईपीएल से पहले अपने निजी कोच जसवंत राय के साथ उन्होंने इसे निखारा। योग और ध्यान से भी दबाव के पलों में शांत बने रहने में मदद मिली।

अर्शदीप ने पीटीआई से कहा ,'' ध्यान से दिमाग स्पष्ट हो जाता है। दबाव के हालात में इस स्पष्टता का कोई विकल्प नहीं है। ऐसे पलों में शांत रहने से काफी मदद मिलती है।'' आईपीएल में काफी समय बिताने के बाद घर लौटकर अर्शदीप आराम कर रहे हैं लेकिन नौ जून से दिल्ली में शुरू हो रही श्रृंखला के लिये उन्हें भारतीय टीम से जुड़ना है। इस सत्र में उन्होंने नयी गेंद की बजाय पुरानी गेंद से अधिक गेंदबाजी की क्योंकि पंजाब किंग्स ने आखिरी ओवरों में उन पर काफी भरोसा किया। टीम द्वारा सत्र से पहले बरकरार रखे गए दो खिलाड़ियों में शामिल अर्शदीप ने डैथ ओवरों में 7 . 31 की औसत से गेंदबाजी की।

महिला टी20 क्रिकेट: पूजा की शानदार गेंदबाजी से सुपरनोवाज जीती

पुणे (एजेंसी)।

पूजा वस्त्राकर के शानदार प्रदर्शन से सुपरनोवाज टीम ने महिला टी20 चैलेंज क्रिकेट टूर्नामेंट के पहले ही मुकाबले में ट्रेलब्लेजर्स को 49 रनों से हरा दिया। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी वाली सुपरनोवाज ने इस टूर्नामेंट में पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 163 रन बनाए जिसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेलब्लेजर्स की टीम 9 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। इस मैच में पूजा और अन्य गेंदबाजों ने अपनी टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई। पूजा ने सबसे ज्यादा 4 विकेट लिए। एलाना किंग ने 2 विकेट लिए जबकि मेघना सिंह और सोफी एक्लेस्टोन ने एक-एक विकेट लिया। इस मैच में 164 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए ट्रेलब्लेजर्स को

सलामी बल्लेबाज हेली मैथ्यूज और कप्तान स्मृति मंधाना ने अच्छी शुरुआत दिलायी पर हेली को पूजा ने पांचवें ओवर में आउट कर टीम को पहला झटका दिया। हेली 18 रन बनाकर आउट हुईं। पूजा ने इसके बाद कप्तान मंधाना को भी पैवेलियन भेज दिया। मंधाना ने 34 रन बनाए। वहीं इसके बाद जेमिमा रोड्रिग्ज ने पारी को संभालने का प्रयास किया पर वह 24 रन बनाकर मेघना सिंह का शिकार बनी। जेमिमा ने 24 रन बनाए। अंतिम बल्लेबाज रेणुका सिंह ने 14 रन बनाए और वह नाबाद रहीं। वहीं इससे पहले टॉस जीतकर बल्लेबाजी करते हुए सुपरनोवाज की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने सबसे ज्यादा 37 रन बनाए। वहीं हरलीन देओल ने 35 और ओपनर डिएंड्रा डोटिन ने 32 रन बनाये। सुपरनोवाज ने शुरुआत अच्छी करते हुए पावरप्ले में 58 रन बनाये। डोटिन ने 32 रन बनाए। प्रिया पूनिया ने 22 रन बनाये। हरलीन देओल ने तीसरे विकेट के लिए कप्तान हरमनप्रीत के साथ 37 रन बनाये। वहीं ट्रेलब्लेजर्स की ओर से हेली मैथ्यूज ने तीन जबकि सलमा खातून ने 2 विकेट लिए।

इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में काउंटी सत्र का लाभ मिलेगा: पुजारा

नई दिल्ली । भारतीय बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने कहा है कि इंग्लैंड में काउंटी क्रिकेट के अनुभवों का लाभ उन्हें इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट में मिलेगा। पुजारा ने काउंटी में शानदार प्रदर्शन करते हुए अपनी टीम ससेक्स की ओर से डिवीजन दो के पांच मैच में दो दोहरे शतक और दो शतक की मदद से 720 रन बनाए हैं। इसी कारण उनकी भारतीय टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

पुजारा ने कहा, 'मुझे खुशी है कि मुझे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट के लिए टीम में जगह मिली है। हाल में काउंटी में मेरे प्रदर्शन पर ध्यान के कारण यह संभव हुआ।' उन्होंने कहा, 'काउंटी मुकाबलों के दौरान क्रीज पर समय बिताने के बाद मेरा मानना है कि मुझे इंग्लैंड के खिलाफ मुकाबले में इसका लाभ मिलेगा।' पुजारा ने कहा, ' मैं हमेशा की तरह ही दौरे से पहले अच्छी तैयारी और ट्रेनिंग को लेकर उत्सुक हूं तथा उम्मीद करता हूं कि भारतीय टीम में योगदान देना जारी रखूंगा।' गौरतलब है कि भारतीय टीम कोरोना संक्रमकण के कारण पिछले साल पांचवां टेस्ट नहीं खेल पायी थी जो अब बर्मिंघम में एक से पांच जुलाई तक खेला जाएगा। वहीं पिछले कुछ समय में खराब फॉर्म को देखते हुए पुजारा को इस साल की शुरुआत में ही भारतीय टीम से बाहर कर दिया गया था पर ससेक्स की ओर से शानदार प्रदर्शन के कारण उन्होंने टीम में वापसी की है।

रोहित-कोहली के फॉर्म पर खुलकर बोले सौरव गांगुली, वह भी इंसान हैं, गलतियां होंगी

मुबई (एजेंसी)।

भारत में क्रिकेट का खुमार बढ़-चढ़कर रहता है। भारतीय क्रिकेट टीम को लोगों से जबरदस्त समर्थन में मिलता है। क्रिकेट प्रेमी अपने पसंदीदा खिलाड़ियों को खूब फॉलो भी करते हैं। वर्तमान में देखें तो देश में रोहित शर्मा और विराट कोहली को लेकर गजब का क्रेज है। हालांकि यह बात भी सच है कि दोनों खिलाड़ी फिलहाल लय में दिखाई नहीं दे रहे हैं। रोहित शर्मा के लिए इस बार का इंडियन प्रीमियर लीग अच्छा नहीं गया। उनकी टीम मुंबई इंडियंस अंक तालिका में सबसे नीचे रही। जबकि रोहित शर्मा का भी प्रदर्शन काफी खराब रहा। रोहित शर्मा ने 14 पारियों में 19.14 की औसत से 268 रन बनाए और उनका स्ट्राइक रेट भी महज 120 का रहा। विराट कोहली के लिए भी इस बार का आईपीएल कुछ खास नहीं रहा है। हालांकि आखिरी के कुछ मुकाबलों में उनके बल्ले से रन जरूर आए। अब तक विराट कोहली ने 13 पारियों में महज 236 रन बनाए हैं। दोनों खिलाड़ियों का आउट ऑफ फॉर्म होना भारत के लिए चिंता की बात है।

भारत के इन दोनों खिलाड़ियों के फॉर्म को लेकर बीसीसीआई अध्यक्ष और पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने बड़ा बयान दिया है। सौरभ गांगुली ने कहा कि रोहित के फॉर्म पर कहा कि हर कोई से

इंसान है गलतियां होंगी। लेकिन कप्तान के रूप में रोहित का रिकॉर्ड उत्कृष्ट है। पाँच आईपीएल खिताब, एशिया कप विजेता, उसने जहां भी कप्तानी की है, वह जीता है। कप्तान के रूप में उसका रिकॉर्ड शानदार है। गलतियाँ होंगी क्योंकि वे सभी इंसान हैं। कोहली के लिए भी यह सत्र बेहद निराशाजनक रहा। दोनों का समर्थन करते हुए, गांगुली ने कहा कि वे बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। मुझे यकीन है कि वे रनों बनाना शुरू करेंगे। वे इतना क्रिकेट खेलते हैं कि कई बार वे फॉर्म गंवा बैठते है। कोहली ने पिछले मैच बहुत अच्छा खेला, खासकर जब आरसीबी के लिए इसकी जरूरत थी।

पंत और मलिक पर बयान

आईपीएल में ऋषभ पंत भी बल्ले से अपनी ख्याति के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके। विकेट के पीछे भी डीआरएस को लेकर उनके फैसले की आलोचना हुई लेकिन गांगुली ने इस विकेटकीपर बल्लेबाज का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि पंत की तुलना धोनी से मत करिये। धोनी के पास काफी अनुभव है। उसने आईपीएल, टेस्ट और एकदिवसीय मिलाकर 500 से ज्यादा मैचों में कप्तानी की है। धोनी के साथ पंत की तुलना सही नहीं है। गांगुली ने सनराइजर्स हैदराबाद के युवा तेज गेंदबाज उमरान मलिक की तारीफ करते हुए कहा कि अगर वह अपनी फिटनेस बरकरार रखते है तो लंबे समय के साथ राष्ट्रीय टीम के साथ रहेंगे।

भारत के प्रज्ञानानंदा मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर के सेमीफाइनल में पहुंचे

चेन्नई । भारत के युवा ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मेल्टवाटर चैम्पियंस शतरंज टूर चेसेबल मास्टर्स के सेमीफाइनल में प्रवेश किया है। प्रज्ञानानंदा ने चीन के वेइ यि को 2.5- 1.5 से हराकर इस ऑनलाइन टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बनायी है। प्रज्ञानानंदा का मुकाबला अब सेमीफाइनल में नीदरलैंड के अनीश गिरी से होगा। वहीं एक अन्य मुकाबले में विश्व के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन का सामना दूसरे सेमीफाइनल में चीन के डिंग लिरेन से होगा। गिरी ने नॉर्वे के आर्यन तोरी और कार्लसन ने स्पेन के डेविड एंतोन गुजारो को हराया था। वहीं लिरेन ने अजरबैजान के शखरियार मामेदियारोव को पराजित किया। प्रज्ञानानंदा ने छठे दौर में कार्लसन को हराया था। वह अनीश, कार्लसन और लिरेन के बाद प्रारंभिक दौर में चौथे स्थान पर थे। वहीं दो अन्य भारतीय खिलाड़ी पी हरिकृष्णा और विदित गुजराती हार के साथ ही शीर्ष 8 में नहीं पहुंच पाये।

सरफराज के भाई मुशीर को मुंबई रणजी टीम में मिली जगह

मुम्बई । मुम्बई ने रणजी ट्राफी के नॉकआउट मुकाबले के लिए अपनी टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज सरफराज खान के छोटे भाई ऑलराउंडर मुशीर खान को शामिल किया गया है। वहीं तेज गेंदबाज अर्जुन तेंदुलकर को टीम में जगह नहीं मिली है। इसके अलावा अनुभवी बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे भी हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण शामिल नहीं किये गये हैं। मुम्बई टीम पृथ्वी शॉ की कप्तानी में 6 जून से उत्तराखंड के खिलाफ क्वार्टर फाइनल मुकाबला खेलेगी। टीम में शामिल मुशीर ने अंडर 19 कूच बिहार ट्रॉफी में 9 मैचों में 67 की औसत से 670 रन बनाए और 32 विकेट भी लिए हैं। इस दौरान उन्होंने 2 शतक और 5 अर्धशतक भी लगाए। मुशीर ने मुंबई को कूच बिहार ट्रॉफी के फाइनल में पहुंचाने में बड़ा योगदान दिया था। मुंबई अंडर 25 टीम के लिए उन्होंने 3 मैचों में 401 रन बनाए। जिसमें मणिपुर के खिलाफ 267 रन की पारी भी शामिल है। मुशीर नेशनल क्रिकेट एकेडमी जोनल कैंप के लिए चुने जाने के बाद अभी सूरत में अभ्यास कर रहे हैं। इस क्रिकेटर ने अपने चयन पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि मैं चयनकर्ताओं और एमसीए का आभारी हूं।

धोनी को क्रिकेट का भगवान मानती है किरण नवगिरे, इस खास वजह से शुरू किया क्रिकेट खेलना

पुणे। किरण नवगिरे ने महेंद्र सिंह धोनी के प्रति अपने अपार प्रेम को जाहिर किया है। वह उन्हें क्रिकेट का भगवान मानती हैं। महाराष्ट्र की इस धाकड़ बल्लेबाज ने कहा, 'मैं धोनी की तरह लंबे छक्के लगाना चाहती थी और इसी वजह से मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया था। देश के साथ-साथ मेरे लिए भी बहुत कुछ बदल सा गया जब धोनी ने (2011) विश्व कप जीतने के लिए वह छक्का लगाया था।' 11 वर्षों बाद नवगिरे अपनी बल्लेबाजी के दम पर सुर्खियां बटोर रही हैं। हाल ही में संपन्न हुई महिला टी20 लीग में नागालैंड का प्रतिनिधित्व करते हुए उन्होंने सर्वाधिक 35 छक्के लगाए। इसके अलावा उन्होंने 54 चौकों की मदद से कुल 525 रन बनाए। इस दौरान वह एक टी20 मैच में 150 से अधिक का स्कोर बनाने वाली पहली भारतीय महिला भी बनी। साथ ही अपनी पार्ट टाइम ऑफ स्पिन से उन्होंने सात विकेट झटके।

एशिया कप: जीत से चूका भारत

आखिरी मिनट में गोल दाग पाकिस्तान ने 1-1 की बराबरी पर रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत और पाकिस्तान के बीच आज एशिया कप हॉकी में एक रोमांचक मुकाबला खेला गया। भारत ने इससे मैच में शुरुआत में ही बढ़त बना ली थी। लेकिन आखिरी मिनट में पाकिस्तान की ओर से गोल दागकर मैच को बराबरी पर खत्म किया गया। तीसरे क्वार्टर यानी कि 45 मिनट की खेल तक टीम इंडिया पाकिस्तान से 1-0 से आगे चल रही थी। लेकिन चौथे क्वार्टर के आखिरी मिनट में पाकिस्तान की ओर से अब्दुल राणा ने पेनल्टी कार्नर के जरिए गोल करके स्कोर को 1-1 की बराबरी पर कर दिया। हालांकि भारत ने गोल के खिलाफ रेफरल जरूर लिया था। लेकिन वह भी बेकार चला गया। भारत एशिया कप की डिफेंडिंग चैंपियन है। हालांकि इस बार भारत के लिए अभियान की शुरुआत ड्रॉ से हुई है। भारत और पाकिस्तान की ओर से दूसरे और तीसरे क्वार्टर में कोई गोल नहीं किया जा सका। हालांकि दूसरे क्वार्टर में पाकिस्तान को गोल करने के कई मौके मिले। लेकिन भारतीय डिफेंडर ने शानदार बचाव किया। भारतीय खिलाड़ी लगातार इस मुकाबले में अटैक करते रहे। भारत की ओर से पहले ही क्वार्टर में एक गोल दागा गया था। सेल्वम कार्थी ने पहले क्वार्टर के नौवें मिनट में शानदार गोल दागा था। इस बार भारतीय खेमे में कई नए चेहरों को मौका दिया गया है। टीम की कप्तानी अनुभवी बीरेंद्र लाकड़ा कर रहे हैं। 2017 में जब हॉफी का एशिया कप खेला गया था, तब भारतीय टीम ने मलेशिया को हराकर तीसरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। भारत को अब पूरे में अपना अगला मुकाबला जापान के खिलाफ खेलना है।

छोटे और सीमांत आदिवासी किसानों को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बड़ा कदम है 'कृषि विविधीकरण योजना' : मुख्यमंत्री

अहमदाबाद । मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य के अंबाजी से उमरगाम तक के आदिवासी बेल्ट में रहने वाले आदिवासी किसानों की कृषि आय में वृद्धि कर खेती को विविधतापूर्ण और टिकाऊ बनाने की मंशा जताई है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गांधीनगर से राज्य के 14 आदिवासी बहुल जिलों के 1 लाख 23 हजार आदिवासी किसानों को कृषि विविधीकरण योजना 2022-23 के अंतर्गत खाद एवं बीज किट के वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कृषि विविधीकरण की इस योजना के तहत इस वर्ष खरीफ सीजन के लिए उत्तर और मध्य गुजरात के 7 जिलों के लगभग 75,000 आदिवासी किसानों को मक्के के बीज और खाद किट का वितरण किया जाएगा। दक्षिण गुजरात के 7 जिलों के लगभग 48,000 लाभार्थियों को सब्जियों के संशोधित बीज व खाद की किट वितरित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 2012 से लागू की गई राज्य सरकार की कृषि विविधीकरण की इस योजना के तहत प्रतिवर्ष 30 से 35 करोड़ रुपए के खर्च से लगभग 1 लाख से अधिक आदिवासी किसानों को लाभ प्रदान किया जाता है। तदअनुसार, साबरकांठा, बनासकांठा, अरवल्ली, महीसागर, दाहोद, पंचमहाल, छोटाउदेपुर, नर्मदा, भरुच, सूरत, नवसारी, तापी, वलसाड़ और डांग समेत 14 आदिवासी बहुल जिलों के किसानों को इस योजना का लाभ दिया जाता है। अब तक ऐसे 11.69 लाख किसानों को योजना का लाभ दिया गया है।

मुख्यमंत्री ने यह साफ किया कि बरसों से परंपरागत तरीके से खेती करते आ रहे आदिवासी बंधुओं की खेती से होने वाली आमदनी को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में कृषि विविधीकरण योजना शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आत्मनिर्भर भारत का मंत्र दिया है, तब कृषि विविधीकरण सहायता ऐसे छोटे और सीमांत आदिवासी किसानों को आत्मनिर्भरता के मार्ग पर ले जाने की दिशा में बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में इस वर्ष से ऑनलाइन पोर्टल पर आदिवासी लाभार्थी किसानों का पंजीकरण शुरू किया गया है। इस पारदर्शी पद्धति में पंजीकरण से लेकर लाभ की मंजूरी तक के सारे विषयों को ऑनलाइन किया गया है। इससे आदिवासी किसानों को अब आवेदन के लिए कार्यालय तक नहीं जाना पड़ेगा तथा उन्हें घर बैठे ही अपनी अर्जी के विवरणों का पता चल सकेगा। पटेल ने यह भी कहा कि यह ऑनलाइन पद्धति प्रधानमंत्री द्वारा

योजना के लाभ को सीधे लाभार्थी के हाथों में पहुंचाने के लिए शुरू की गई प्रणाली के अनुकूल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदिवासी बहुल डांग जिला संपूर्ण प्राकृतिक खेती वाला जिला बना है। उन्होंने किसानों से आह्वान किया कि वे कृषि विविधीकरण के साथ-साथ गाय आधारित प्राकृतिक खेती को अपनाएं। मुख्यमंत्री ने इसके साथ ही राज्य के आदिवासी क्षेत्रों में 143 आश्रम शालाओं को भवन निर्माण के लिए एक क्लिक के जरिए 83.96 करोड़ रुपए का प्रोत्साहक अनुदान भी भेंट किया। उल्लेखनीय है कि जंगल और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी बच्चों को शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराने के लिए राज्य सरकार ने आश्रम शालाएं शुरू की हैं।

एसएमसी की नई पहल, एक टिकट पर यात्री सिटी बस और बीआरटीएस बसों में कर सकेंगे सफर

सूरत। सूरत महानगर पालिका (एसएमसी) ने शहर में बढ़ती यातायात और प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए नई पहल की है। एसएमसी आगामी 15 जून से वन टिकट वन जर्नी योजना शुरू करने जा रही है, इसके अंतर्गत यात्री एक टिकट पर सिटी बस और बीआरटीएस बसों में दिनभर सफर कर सकेंगे। एसएमसी की इस योजना से मध्यम और नौकरीपेशा वर्ग को आर्थिक राहत मिलेगी। पेट्रोल और डीजल के लगातार बढ़ती कीमतों के चलते ज्यादातर लोग खासकर दुपहिया चालक सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने लगे हैं। ऐसे लोगों के एसएमसी की

इस योजना से काफी फायदा होगा। सूरत शहर के 58 रूट पर 800 जितनी बीआरटीएस की बसें चलती हैं और इसमें प्रति दिन 2.30 लाख जितने यात्री सफर करते हैं। बीआरटीएस के यात्रियों को सिटी बस में भी यात्रा करनी होती है और उसके लिए दूसरा टिकट लेना पड़ता है। ऐसे में एसएमसी का वन टिकट वन जर्नी योजना यात्रियों के लिए लाभदायक साबित होगी। आगामी 15 जून से शुरू होने वाली वन टिकट वन जर्नी योजना के तहत यात्री दिन एक बार रु. 25 का टिकट लेकर सिटी बस और बीआरटीएस बस में दिनभर अनलिमिटेड यात्रा कर सकेंगे।

कांग्रेस विधायक स्व. अनिल जोशियारा के पुत्र हजारों समर्थकों के साथ भाजपा में शामिल

अरवल्ली। गुजरात विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस की मुश्किलें कम होने का नाम ले रही हैं। एक ओर कांग्रेस प्रदेश संगठन को मजबूत करने और आगामी चुनाव की तैयारियों में जुटी है। दूसरी ओर एक के बाद एक कांग्रेस नेता पार्टी के साथ छोड़ भाजपा में शामिल हो रहे हैं। आज भिलोडा से कांग्रेस विधायक स्व. डॉ. अनिल जोशियारा के बेटे केवल जोशियारा ने अपने हजारों को समर्थकों के साथ भाजपा का भगवा धारण कर लिया। अरवल्ली जिले के भिलोडा में आयोजित कार्यक्रम में गुजरात भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने केवल जोशियारा समेत उनके हजारों समर्थकों का पार्टी में स्वागत किया। केवल जोशियारा ने कहा कि भाजपा में शामिल होने का उनका निजी फैसला है। मैं काफी समय से भाजपा शासन में विकास देख रहा हूं, वह फिर भिलोडा का हो, गुजरात का या फिर देश का। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास कार्यों को देख मैंने भाजपा जॉइन करने का फैसला किया है। केवल जोशियारा ने कहा कि जब तक मेरे पिता जीवित थे, तब उनके साथ सेवा कार्य करता था और अब भाजपा में शामिल कर उन्हीं कामों को आगे बढ़ाऊंगा। कांग्रेस के गढ़ में जीत के सवाल पर केवल जोशियारा ने कहा कि हार-जीत तो आनेवाला वक्त ही बताएगा। भाजपा भिलोडा से मुझे उम्मीदवार बनाएगी या नहीं यह भी तय नहीं है। चुनाव के एक महीने पहले इसका पता चलेगा। केवल ने कहा कि वह भाजपा में बगैर किसी शर्त के शामिल हुए हैं। भाजपा जो भी जिम्मेदारी मुझे सौंपेगी उसे निष्ठापूर्वक निभाऊंगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि उत्तर गुजरात के लोग भाजपा का काम देख अबकी बार उसे जिताएंगे। केवल जोशियारा ने यह भी बताया कि सोमवार को गुजरात कांग्रेस प्रमुख जगदीश ठाकोर ने उनसे संपर्क कर भाजपा में शामिल नहीं होने की नसीहत दी थी। साथ ही कांग्रेस पूरा सम्मान देने का आश्वासन भी दिया था। लेकिन मुझे कांग्रेस से ज्यादा भाजपा पर भरोसा था, इसलिए मैंने आज भाजपा जॉइन की है। गौरतलब है कि भाजपा आगामी चुनाव में आदिवासी सीटें जीतने के लिए एडीचोटी का जोर लगा रही है। कुछ समय पहले कांग्रेस के खेडब्रह्मा से विधायक अश्विन कोटवाल भाजपा में शामिल हुए थे। उस वक्त ही केवल जोशियारा ने भाजपा जॉइन करने की मंशा जाहिर कर दी थी, जिसे आज उन्होंने पूरी कर दी।

कांग्रेस नेता भरतसिंह के बिगड़े बोल, कहा- राम मंदिर की ईंटों पर कूत्ते पेशाब करते थे

अहमदाबाद। गुजरात विधानसभा चुनाव निकट आते ही राजनीतिक दिलों के बीच जुबानी जंग तेज हो गई। कई बार जोश में आकर नेता विवादित बयान दे देते हैं, जिसे लेकर बाद में उन्हें खेद जताना पड़ जाता है। कांग्रेस नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री भरतसिंह सोलंकी ने एक बयान दिया जिसे लेकर बवाल मच गया है। भरतसिंह सोलंकी ने इस विवादित बयान ने कांग्रेस को बेकफूट पर धकेल दिया है। दरअसल धोलका के वटामण में कांग्रेस ने ओबीसी सम्मेलन का आयोजन किया था। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भरतसिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा ने राम के नाम पर लोगों को ठगा है। यहां तक ठीक था, इससे आगे बढ़कर भरतसिंह ने कहा कि लोगों ने पूजा कर रामशिला अयोध्या भेजी थीं, जहां कुत्ते उस पर पेशाब करते थे। राम के नाम पर रुपयों की उगाही करने वाले लोग हवा में रुपए उछालकर कहते थे कि जितने रुपए राम को रखना होगा रखेंगे शेष हम रख लेंगे। उन्होंने कहा कि जो लोग राम को ठग सकते हैं वह हमें क्या छोड़ेंगे। भाजपा ने राम मंदिर के नाम पर करोडों रुपयों की उगाही की है। जबकि सरकार ने मंदिर के लिए बजट दिया था, इसके बावजूद भाजपा ने रुपयों की उगाही की है। सोलंकी ने कहा कि मैं भी राम मंदिर का प्रशंसक हूं और मेरा नाम ही राम के परिवारजन के तौर पर भरत रखा गया है। लेकिन राम के नाम पर राजनीति नहीं करता। जबकि भाजपा भगवान के नाम पर राजनीति करती है। सम्मेलन को संबोधित करते हुए भरतसिंह ने कहा कि कांग्रेस ने माधवसिंह सोलंकी को गुजरात का मुख्यमंत्री बनाकर ओबीसी समाज को नेतृत्व दिया था। अब ओबीसी समाज को नेतृत्व को बल देना होगा। जिसकी शुरुआत यहां से करें और ऐसी करें कि सामने वाला भी चौंक जाए। उन्होंने कहा कि ओबीसी को साथ लिए बगैर कोई भी चुनाव जीत नहीं सकता। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश से ओबीसी को अपने साथ लाने की शुरूआत कर दी है। अगर हम एक साथ रहे तो आगामी चुनाव में 125 सीटें जीत सकते हैं। झंडे लगे या ना लगे परंतु दिल में पंजा होना चाहिए। सोलंकी ने कहा कि हिन्दू के नाम पर फूट डालने वाली भाजपा सरकार को पहचानिए। बगैर ओबीसी समाज के गुजरात में भाजपा चुनाव नहीं जीत सकती। भाजपा सरकार में महत्वपूर्ण विभाग अगड़ों को दिया जाते हैं, जबकि ओबीसी को मत्स्योद्योग जैसे छोटे मोटे विभाग दिए जाते हैं। बेहतर होगा कि भाजपा में मौजूदा ओबीसी लोग जागृत हों और कांग्रेस के साथ आएं। उन्होंने आरोप लगाया कि अंग्रेजों से कहीं ज्यादा भ्रष्टाचार भाजपा कर रही है। भाजपा कभी भी पानी, शिक्षा और सामान्य वर्ग के लोगों पर बात नहीं करती। अंग्रेजों की दलाली करने वाली भाजपा आजादी की लड़ाई में शामिल नहीं थी।

बीएएसएफ का नया कीटनाशक प्रमुख कीटों से फसलों की रक्षा करने में भारतीय किसानों की मदद करता है

उदयपुर । आज बीएएसएफ द्वारा एक्सपोनसTM कीटनाशक को प्रस्तुत किया जा रहा है और इसके साथ भारत में किसान अपनी फसलों की भलीभाँति रक्षा कर सकेंगे और अपनी उत्पादकता को बढ़ा सकेंगे. इस अग्रणी समाधान में बीएएसएफ का नया सक्रिय संघटक, ब्रोफ्लानिलाइडTM , एक विशेष फॉर्मूलेशन में है.

एक्सपोनसTM एक नए तरीके से प्रमुख कीटों के नियंत्रण के लिए कार्रवाई करते हुए एकीकृत कीट प्रबंधन कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में किसानों को विभिन्न प्रकार के कीटों को नियंत्रित करने और मौजूदा केमिस्ट्रीज़ के प्रतिरोध (रेज़िस्टेंस) को दूर करने के लिए एक शक्तिशाली, त्वरित और बहुमुखी साधन देता है. एक्सपोनसTM को इल्ली (कैटरपिलर) और थ्रिप्स जैसे महत्वपूर्ण कीटों को नियंत्रित करने के लिए तिलहन, दलहन और सब्जियों की श्रेणी के अंतर्गत बड़े पैमाने पर उगाई जाने वाली विभिन्न फसलों पर उपयोग के लिए पंजीकृत किया गया है.

बीएएसएफ इंडिया लिमिटेड के प्रबंध निदेशक नारायण कृष्णमोहन ने कहा कि "भारत में किसानों को अब फसल सुरक्षा में हमारे नवीनतम नवाचारों का फायदा मिलेगा. खेती धरती पर किया जाने वाला सबसे बड़ा काम है. बीएएसएफ में हम किसानों की जरूरतों को समझने के लिए उनकी बात सुनने और उनके साथ मिलकर काम करने के लिए समर्पित हैं, जिससे हम अपनी विशेषज्ञता का उपयोग करते हुए फसलों को कीटों से सुरक्षित रखने और उत्पादकता बढ़ाने की भारी चुनौती का सफलतापूर्वक सामना करने में अपने किसान भाईयों की मदद कर सकें.

एक्सपोनसTM कीटनाशक अपने काम करने के अनूठे तरीके से के साथ, नए आईआरएसी ग्रुप 30 के अंतर्गत बाजार में पेश किए गए पहले यौगिकों (कंपाउंड्स) में से एक है, जो कीटनाशकों की एक बिलकुल नई श्रेणी (ग्रुप 30 - मेटा-डायमाइड्स और आइसोक्साज़ोलिन) से आते हैं, जिसका बाज़ार में मौजूदा उत्पादों के साथ कोई ज्ञात क्रॉस-रेजिस्टेंस नहीं है, जिससे यह एक बेहतरीन कीटनाशक प्रतिरोध प्रबंधन का साधन बनता है.

"शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (SAIF) जोन में व्यापार के अवसर" विषय पर परिचर्चा का आयोजन 26 और 27 मई को सूरत में

सूरत । हाल ही में भारत और यूनाइटेड अरब एमिरेट्स (यूएई) के बीच हुए 'फ्री ट्रेड अग्रीमेंट' के तहत भारत से यूएई में निर्यात की जा रही अधिकतर वस्तुओं पर इम्पोर्ट ड्यूटी कम करने या खत्म करने को लेकर सहमती बनी है। एसजीसीसीआई, एमएसएमई स्टार्टअप फोरम, टीआईई सूरत, एसजीटीपीए और फेडरेशन ऑफ सूरत टेक्सटाइल ट्रेडर्स एसोसिएशन के सहयोग से एसोसिएटेड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) " शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री (SAIF) जोन में बिजनेस अपॉर्चुनिटीजज पर बी2बी मीटिंग्स और इंटरएक्टिव सेशन का आयोजन कर रहा है। (सैफ) जोन, यूएई 26 और 27 मई 2022 को सूरत मैरियट होटल में राज्य से यूएई को निर्यात को बढ़ावा देने और उद्योगों के बीच मुक्त व्यापार समझौते के विवरण पर चर्चा करने के लिए एक परिचर्चा का आयोजन किया जा रहा हैद्य

श्री चिंतन ठाकर, अध्यक्ष, एसोचैम गुजरात राज्य विकास परिषद ने बताया की ""सूरत में कपड़ा और हीरा निर्यात के क्षेत्र में बहुत काम किया जाता है। ऐसे में मुक्त व्यापार समझौते का पूरा लाभ उठाने और अपने व्यापार के विस्तार के उद्देश्य से इस कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है जिसमें हम क्षेत्र के उन सभी उद्योगपतियों को आमंत्रित करेंगे जो संयुक्त अरब अमीरात में अपना व्यवसाय शुरू करना चाहते हैं। हमारे संगठन की ओर से व्यवसायियों को यूएई में अपना व्यवसाय शुरू करने के लिए सहयोग दिया जाएगा और उनके सवालों और समस्याओं का भी समाधान किया जाएगा।

कार्यक्रम में यूएई में व्यापार और निवेश के अवसरों पर बात की जाएगी साथ ही, यूएई में टैक्स फ्री जोन के फायदों से भी लोगों को रूबरू करवाया जाएगा। इसके अलावा यूएई में मौजूद एफडीआई नियम की जानकारी भी मौजूद कारोबारियों को दी जाएगी और यूएई में अपना ऑफिस लगाने को लेकर सभी जानकारी उपलब्ध की जाएगी। कार्यक्रम में कोई पार्टिसिपेशन फी नहीं रखी गई है परन्तु कार्यक्रम में आने के लिए पहले अपना रजिस्ट्रेशन करवाना अनिवार्य हैं।

कार्यक्रम में रजिस्ट्रेशन के लिए श्री रोहित पटेल से 9374748866 इस नंबर पर संपर्क कर सकते है द्य या इ-मेल rohit.patel@assocham.com पर भी लिख सकते है।

शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन के बारे में ङ्क शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन की स्थापना 1995 में हुई थी, और ये यूएई का सबसे पुराना फ्री ट्रेड जोन है, सबसे बेहतरीन सुविधाओं के साथ जिसमें ऑफिस, वेयरहाउस और किसी भी उद्योग के लिए ज़मीन उपलब्ध करवाई जाती है। शारजाह अंतर्राष्ट्रीय विमानतल के बेहद करीब होने से यह जोन ट्रेडिंग, मैन्युफैक्चरिंग, और लोजिस्टिक्स के ददृष्टिकोण से बेहद उपयुक्त स्थल है। इस जोन में अपना व्यवसाय स्थापित करने वाले व्यापारियों के लिए बहुत सारी सब्सिडी और प्रोत्साहन योजनाएं भी है। दुबई में अपना उद्योग स्थापित करने के इच्छुक लोगों के लिए यह ट्रेड जोन एक केंद्र बिंदु है।

एक ऑफिस की जगह से लेकर पूरे मैन्युफैक्चरिंग यूनिट तक, शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन में हर प्रकार की ज़रूरत पूरा करने के लिए संसाधन उपलब्ध है। पूरे शारजाह एयरपोर्ट इंटरनेशनल फ्री जोन में फिलहाल पूरे विश्व से 7000 कंपनियां मौजूद हैं, जिनमें से 2000 भारतीय कंपनियां हैं।

इनफिनिक्स ने भारत में नोट 12 सीरीज लॉन्च की, यह एक ऑलराउंडर डिवाइस है, जिसकी परफॉर्मेंस काफी शानदार और डिजाइन बेहतरीन है

नई दिल्ली। ट्रांसियान ग्रुप के प्रीमियम स्मार्टफोन ब्रैंड इनफिनिक्स ने नोट कैटिगरी में सबसे जबर्दस्त फोन यूजर्स को उपलब्ध कराने की परंपरा को कायम रखा है। अब इनफिनिक्स ने नोट श्रेणी में कंपनी के सबसे चर्चा में रहे नोट 12 सीरीज के स्मार्टफोन को भारत में लॉन्च करने की घोषणा की है। इन स्मार्टफोन्स ने खुद को प्रीमियम और जबर्दस्त फोन के रूप मे स्थापित कर लिया है। ऑल न्यू नोट 12 और नोट 12 टर्बो के स्मार्टफोन फ्लिपकार्ट पर क्रमशः 27 और 28 मई से उपलब्ध होंगे।

नोट 12 का (4+ 64 जीबी) का स्मार्टफोन 11,999 रुपये की कम से कम कीमत में उपलब्ध होगा, जबकि (6+128 जीबी) का स्मार्टफोन 12,999 रुपये में मिलेगा। (8+128 जीबी) का नोट 12 टर्बो स्मार्टफोन 14999 रुपये की कीमत में मिलेगा। हालांकि, ऐक्सिस बैंक के ग्राहकों को स्मार्ट फोन की क्रेडिट और डेबिट कार्ड से खरीद करने पर 1000 रुपये की तत्काल छूट मिलेगी। इसके अलावा वह (6+128जीबी) का स्मार्टफोन 2000 रुपये की ईएमआई में खरीद सकेंगे। इसके लिए उन्हें किसी अतिरिक्त कीमत का भुगतान नहीं करना होगा। दूसरे उपभोक्ताओं के लिए भी इनफिनिक्स ने 3 और 6 महीने की ईएमआई पर फोन खरीदने की सुविधा रखी है। (इसमें ऐक्सिस बैंक भी शामिल है) । बजाज फिनसर्व ईएमआई और फ्लिपकार्ट पे लेटर की सुविधा का लाभ उठाते हुए नोट 12 (4जीबी/6जीबी/8जीबी) मैमोरी वैरिएंट्स के स्मार्टफोन खरीदे जा सकते हैं।

नोट 12 और नोट 12 टर्बो, दोनों ही स्मार्टफोन, टॉप फीचर्स से लैस हैं। इसका डिस्प्ले काफी शानदार है। गेमिंग टेक्नोलॉजी काफी बेस्ट है। इसमें एक शक्तिशाली पावरफुल प्रोसेसर, लेटेस्ट ओएस और विशालकाय बैटरी है, जो उपभोक्ताओं को स्मार्टफोन का काफी बेहतरीन अनुभव देती है। नोट 12 4जीबी के 2 वैरिएंट्स में आता है (इसमें से एक वैरिएंट का 7जीबी तक विस्तार किया जा सकता है। 64 जीबी और 6 जीबी के दूसरे वैरिएंट के स्मार्टफोन की मैमोरी को 11 जीबी और 128 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। यह स्मार्टफोन तीन रंगों, ज्वैल ब्लू, फोर्स ब्लैक और सनसेट गोल्ड में मिलता है। नोट 12 टर्बो स्मार्टफोन 8 जीबी में उपलब्ध होगा, जिसकी मैमोरी को 13 जीबी तक बढ़ाया जा सकता है। यह 128 जीबी की स्टोरेज का फोन है। यह तीन आकर्षक रंगों के विकल्पों, सफायर ब्लू, फोर्स ब्लैक और स्नोफॉल में मिलता है।

जॉनसन एंड जॉनसन विजन की नई कैंपेन फिल्म #DekhteRehJaoge भारत के युवाओं को देती है अपना जुनून पूरा करने की प्रेरणा

मुंबई । जॉनसन एंड जॉनसन प्राइवेट लिमिटेड की कंपनी जॉनसन एंड जॉनसन विजन इंडिया ने हाल ही में अपना नया कैंपेन #DekhteRehJaoge शुरू किया। कैंपेन एकदम अलग है क्योंकि इसमें वास्तव में ACUVUE® लेंस इस्तेमाल करने वालों को लिया गया है। वे बताते हैं कि इन लेंस का इस्तेमाल कर कैसे वे बेधड़क होकर नई चुनौतियों से भिड़ जाते हैं और अपनी नजर को ही अपनी पहचान बना रहे हैं।

यह फिल्म ACUVUE® कॉन्टैक्ट लेंस इस्तेमाल करने वाले अलग-अलग लोगों की जिंदगी दिखाती है, जिसमें रचनात्मक आजादी की तलाश का उनका सफर दिखाया गया है। इससे युवा पीढ़ी और मिलेनियल दर्शकों को आगे बढ़ते रहने और कोशिश जारी रखने का हौसला मिलता है। इसमें दिखता है कि ACUVUE® कैसे उपभोक्ताओं को अपना असली व्यक्तित्व पहचानकर हिम्मतवर बनाना चाहता है। लोकप्रिय गीत 'इन आंखों की मस्ती' का नए और अनूठे ढंग से किया गया इस्तेमाल इस फिल्म को सम्मोहक बनाता है और इसके संदेश को बेहतरीन बैकग्राउंड भी देता है।

ACUVUE® कॉन्टैक्ट लेंस साफ नजर प्रदान करने के लिए बनाए गए हैं, जो आराम भी देते हैं तथा दबकर रहने के बजाय बाहर जाकर हद से गुजर जाने का हौसला भी देते हैं। जॉनसन एंड जॉनसन विजन में विजन केयर इंडिया के बिजनेस यूनिट डायरेक्टर टाइनी सेनगुप्ता इस पेशकश के बारे में कहते हैं, "जॉनसन एंड जॉनसन विजन में हमारा उद्देश्य भारत के युवाओं को कॉन्टैक्ट लेंस के जरिये दुनिया को देखने का हिम्मत भरा नया नजरिया देना है, जो उनकी शख्सियत के हरेक पहलू को पूरा बनाता है। यह देखकर हमें खुशी होती है कि ये लेंस हमारे उपभोक्ताओं की जिंदगी के हिस्से बन गए हैं और कॉन्टैक्ट लेंस के इस्तेमाल से जुड़े भ्रम तथा हिचक दूर कर रहे हैं। ACUVUE® दुनिया भर में कॉन्टैक्ट लेंस का सबसे अधिक बिकने वाला ब्रांड है* और इस कैंपेन के जरिये हम अधिक से अधिक लोगों को हिम्मत के साथ दुनिया का सामना करने के लिए

उत्साहित करना चाहते हैं। भारत में अब भी कॉन्टैक्ट लेंस का इस्तेमाल काफी कम है। हमारा मकसद है कि अधिक से अधिक लोग हमारे लेंस आजमाएं, उन्हें पहनने में होने वाली आसानी तथा आराम को समझें और उनसे मिलने वाले आत्मविश्वास के आदी बन जाएं! हमारा लक्ष्य भारत में कॉन्टैक्ट लेंस की पैठ बढ़ाना और इस श्रेणी में नए यूजर लाना तथा साथ में आंखों के स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)